आज का मौसम
32.0⁰ अधिकतम तापमान
27.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.43
सूर्यास्त 06.49

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

भाद्रपद कृष्ण पक्ष नवमी 07:24 उपरांत दशमी विक्रम संवत 2082

रविवार, 17 अगस्त 2025, वर्ष 6, अंक 267, पृष्ठ 14+4 मूल्य 6 रुपये

बादल फटा : तीसरे दिन भी बचाव अभियान, 60 लोगों की मौत 100 से अधिक घायल - 12

भारत ने अगस्त में रूस से प्रतिदिन 20 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा - 12

पुतिन ने यूक्रेन के कई इलाकों पर पूर्ण नियंत्रण की शर्त रखी, वार्ता बेनतीजा- 13

इंग्लैंड दौरे से अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने का सबक सीखा : नायर- 14

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, मेरी पसंदीदा तस्वीर कहानी जो दिल में बसती है व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

☞ www.amritvichar.com

प्रिय पाठकों, लोक दर्पण आज अंदर देखें। -संपादक

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर मथुरा में श्री बांके बिहारी और राधारानी का दर्शन-पूजन करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

बृज क्षेत्र में लौटेगा द्वापर युग, योगी की घोषणा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- कृष्ण जन्मभूमि से दिया एकता और राष्ट्रवाद का संदेश
- मुख्यमंत्री ने की 30 हजार करोड़ के मास्टरप्लान की घोषणा

अमृत विचार : भगवान श्रीकृष्ण के 5252वें जन्मोत्सव पर शनिवार को मथुरा कारागार स्थित गर्भगृह पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने द्वापर युग जैसी भव्यता और दिव्यता लौटाने का संकल्प लिया। बृजक्षेत्र के समग्र विकास के लिए 30 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट की घोषणा की।

योगी ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर सुबह करीब 11.50 बजे पहुंचते ही ठाकुर केशवदेव और माता योगमाया के दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने गर्भ गृह में श्रीकृष्ण चबूतरे की पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं से भरे परिसर में वृंदावन बिहारी लाल और जय श्री राधे के जयकारे लगाते हुए श्री कृष्ण जन्मोत्सव की शुभकामनाएं दी। कहा कि हम सबका सौभाग्य है कि भगवान के कई अवतारों ने उत्तर प्रदेश की भूमि को कृतार्थ किया है। अयोध्या से लेकर मथुरा तक हमारी आध्यात्मिक विरासत के प्रतीक हैं। मुख्यमंत्री ने मथुरा के डैम्पियर नगर में आयोजित साधु-संतों के सम्मान समारोह में हिस्सा लिया।

मथुरा-वृंदावन को मिले 646 करोड़ के प्रोजेक्ट

मुख्यमंत्री ने मथुरा-वृंदावन के लिए 646 करोड़ रुपये की 118 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इसमें 80 परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया जिनकी लागत करीब 273 करोड़ है। वहीं 38 परियोजनाओं का शिलान्यास किया, जिनकी लागत करीब 373 करोड़ रुपये है। इन परियोजनाओं में परिक्रमा मार्गों का सौंदर्यीकरण, प्रवेश द्वार, कुंडों का जीर्णोद्धार, श्रद्धालुओं की सुविधा, कनेक्टिविटी, जल संरक्षण और पर्यावरण संरक्षण की परियोजनाएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने संतों का सम्मान भी किया।

यमुना की निर्मलता को जताई प्रतिबद्धता

मुख्यमंत्री ने गंगा की निर्मलता और अविरलता का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गंगा स्नान और आचमन योग्य हो चुकी हैं। कहा कि 2025 के प्रयागराज महाकुंभ में लगभग 67 करोड़ श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई थी। उसी तरह, डबल इंजन सरकार यमुना की अविरलता और निर्मलता के लिए पूरी ईमानदारी से काम कर रही है। उन्होंने बरसाना में रोपवे सुविधा का जिक्र करते हुए कहा कि यह बुजुर्गों के लिए बड़ी राहत है।

ब्रीफ न्यूज

अरुणाचल में इसरो की नई प्रयोगशाला

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के शिक्षा मंत्री पासंग दोरजी सोना ने शि-योमी जिले के सुदूर मेचुका में एक अत्याधुनिक अंतरिक्ष प्रयोगशाला का उद्घाटन किया है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और मुस्कान फाउंडेशन के सहयोग से मेचुका सरकारी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में यह प्रयोगशाला स्थापित की गई है। इस प्रयोगशाला का उद्देश्य छात्रों को अंतरिक्ष विज्ञान में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना, युवाओं में जिज्ञासा, नवाचार और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना है।

अंदर देखें ... ग्लैम वर्ल्ड

अशोका फोम
SUMMER SALE
UPTO 70%
CURTAIN & SOFA FABRIC
MATTRESS & PILLOW
BED SHEET & BED COVER
TOWEL | WALL PAPER
Readymade Garments
FLAT 50% TO 80%
मिशन अस्पताल के सामने बरेली
मो. +91-9720031000

समृद्धि के लिए आत्मनिर्भरता जरूरी

प्रधानमंत्री ने किया सुरक्षा, ऊर्जा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक के क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता का आह्वान

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को लड़ाकू जेट इंजन से लेकर ऊर्जा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता तक के क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनकर समृद्ध भारत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने अगली पीढ़ी के सुधारों के लिए एक कार्यबल का गठन करने, दिवाली के लिए बड़े उपहार के रूप में जीएसटी में बदलाव और सुदर्शन चक्र नामक अत्याधुनिक रक्षा कवच की घोषणा की। उन्होंने लाल किले की प्राचीर से अपने लगातार 12 वें स्वतंत्रता दिवस संबोधन में आत्मनिर्भरता पर ऐसे समय में विशेष जोर दिया, जब भारत और दुनिया बढ़ते अमेरिकी संरक्षणवाद का सामना कर रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज जब वैश्विक परिस्थितियों में आर्थिक स्वार्थ दिनों दिन बढ़ रहा है, तब समय की मांग है कि हम उन संकटों का रोना रोने की जगह मजबूत होकर आगे बढ़ें। कहा कि किसी दूसरे की लकीर छोटी करने के लिए अपनी ऊर्जा हमें नहीं खपानी है, हमें पूरी ऊर्जा के साथ अपनी लकीर को लंबा करना है। हम अगर अपनी लकीर लंबी करते हैं, तो दुनिया भी हमारा लोहा मानेंगी। मोदी ने अपने 103 मिनट के भाषण में यह भी कहा कि मैं 25 साल के शासन के अनुभव से कह सकता हूं, अगर यह रास्ता हमने चुन लिया, हर किसी ने चुन लिया, तो फिर कोई स्वार्थ हमें अपनी चंगुल में नहीं फंसा सकता है। भारत की पहली सेमीकंडक्टर चिप बनाने से लेकर जेट इंजन बनाने और परमाणु ऊर्जा के दस गुना विस्तार तक, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की राह पर अग्रसर करने के लक्ष्य वाली घोषणाएं कीं।

उन्होंने घुसपैठ के जरिए देश की जनसांख्यिकी बदलने की एक पूर्व-नियोजित साजिश के प्रति आगाह किया और इस समस्या से निपटने के लिए एक उच्च-स्तरीय जनसांख्यिकी मिशन की घोषणा करते हुए कहा कि कोई भी देश घुसपैठियों को बर्दाश्त नहीं कर सकता। सेमीकंडक्टर, सोशल मीडिया, उर्वरक और फार्मा सहित विभिन्न क्षेत्रों में स्वदेशी, आत्मनिर्भरता और नवाचार का उनका व्यापक आह्वान ऐसे समय में आया, जब देश के अमेरिका के साथ संबंधों में तनाव है और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने का फैसला किया है।

स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र को किया संबोधित

आतंकियों और उनके पोषकों में फर्क नहीं करेंगे

मोदी ने कहा कि हम सभी जो उत्पादन के क्षेत्र में लगे हैं, उन सबका मंत्र होना चाहिए, दाम कम, लेकिन दम ज्यादा। हमारे हर उत्पाद का दम ज्यादा हो, लेकिन दाम कम हो, इस भाव को लेकर के हमें आगे बढ़ना है। प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से पाकिस्तान को दो टूक शब्दों में कहा कि आतंकवादियों और उनको पालने-पोसने वालों के बीच कोई फर्क नहीं किया जाएगा और अगर दुश्मनों ने आगे भी कोई हिमाकत की, तो मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा तथा भारत अब न्यूक्लियर ब्लैकमैल नहीं सहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' से ऐसी तबाही हुई कि पाकिस्तान की नींद उड़ी हुई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सिंधु जल समझौता अन्यायपूर्ण और एकतरफा है, जो भारत को मंजूर नहीं है।

सुरक्षा कवच की मजबूती को बनाएंगे सुदर्शन चक्र

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के महत्वपूर्ण सैन्य और नागरिक प्रतिष्ठानों की रक्षा करने और किसी भी दुश्मन के खतरे की स्थिति में निर्णायक प्रतिक्रिया देने के लिए स्वदेशी रक्षा कवच विकसित करने के वास्ते 10 वर्षीय सुदर्शन चक्र मिशन की घोषणा की। कहा कि आज मुझे बहुत गर्व हो रहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के वीर जांबाजों को सलामी देने का अवसर मिला है। हमारे जांबाज सैनिकों ने दुश्मनों को उनकी कल्पना से परे सजा दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सेना ने वह कर दिखाया, जो कई दशकों तक नहीं हुआ था। मोदी ने पाकिस्तान और आतंकवादियों को आगाह करते हुए कहा कि आगे भी अगर दुश्मनों ने ये कोशिश जारी रखी, तो हमारी सेना तय करेगी। उन्होंने कहा कि भारत ने तय कर लिया है कि अब खून और पानी एक साथ नहीं बहेंगे। सिंधु जल समझौते को अन्यायपूर्ण और एकतरफा करार देते हुए मोदी ने कहा कि सिंधु नदी के जल पर भारत और उसके किसानों का एकमात्र अधिकार है।

यूपी में विद्यार्थियों के लिए विशेष छात्रवृत्ति योजना

लखनऊ। स्वतंत्रता दिवस पर विधान भवन के सामने आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री योगी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। एलान किया कि डॉ. भीमराव आंबेडकर के जन्मदिवस पर सरकार विद्यार्थियों के लिए विशेष छात्रवृत्ति योजना शुरू करेगी। साथ ही, हर सेक्टर में महिलाओं की भागीदारी को 50 प्रतिशत तक पहुंचाने का काम करेगी। योगी ने सेना के शौर्य, स्वदेशी माडल की ताकत और प्रदेश की प्रगति को रेखांकित करते हुए 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने का आह्वान किया। स्वाधीनता संग्राम के नायकों को नमन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत और आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के संकल्प को दोहराया। कहा कि स्वतंत्रता का अर्थ स्वच्छंदता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय कर्तव्यों के प्रति संकल्प और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का महापर्व है।

- मुख्यमंत्री योगी ने स्वतंत्रता दिवस पर की घोषणा

ट्रंप ने दिए संकेत... भारत से हटा सकते हैं द्वितीयक शुल्क

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- रूस से तेल खरीदने पर लगाया था 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क

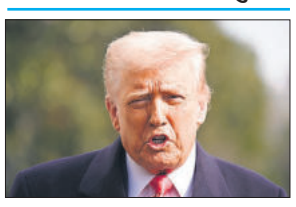

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया है कि हो सकता है कि अमेरिका रूस से कच्चा तेल खरीदना जारी रखने वाले देशों पर द्वितीयक शुल्क नहीं लगाए। ऐसी आशंकाएं थीं कि यदि अमेरिका ने द्वितीयक शुल्क लागू किया तो उससे भारत प्रभावित हो सकता था। ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि खैर, उन्होंने (रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने) एक तेल ग्राहक खो दिया, जो भारत है, जो लगभग 40 प्रतिशत तेल का आयात कर रहा था। चीन बहुत अधिक आयात कर रहा है और अगर मैंने द्वितीयक प्रतिबंध या शुल्क लगाया तो यह उनके लिए बहुत विनाशकारी होगा। अगर मुझे यह करना पड़ा, तो मैं करूंगा। शायद मुझे यह करना न पड़े।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने यह बयान पुतिन के साथ एक महत्वपूर्ण शिखर बैठक के लिए अलास्का जाते समय एयर फ़ोर्स वन (विशेष विमान) में फॉक्स न्यूज को दिया। यह बैठक रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए बिना किसी भी सहमति के समाप्त हो गई। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने बुधवार को कहा था कि यदि शिखर बैठक में ट्रंप और पुतिन के बीच चीजें ठीक नहीं रहीं, तो रूसी तेल खरीदने की वजह से भारत पर द्वितीयक प्रतिबंध लग सकते हैं।

बेसेंट ने बुधवार को प्रतिबंधों में बढ़ोतरी या कटौती की संभावना के बारे में पूछे जाने पर कहा कि प्रतिबंध बढ़ाए जा सकते हैं, उन्हें कम किया जा सकता है। उनकी एक निश्चित अवधि हो सकती है। वे अनिश्चितकाल तक जारी रह सकते हैं। ट्रंप ने पिछले सप्ताह भारत पर कुल 50 प्रतिशत शुल्क लगाए जाने की घोषणा की। इसमें रूस से तेल की खरीद जारी रखने पर जुर्माने के तौर पर लगाया गया 25 प्रतिशत शुल्क भी शामिल है।

तमिलनाडु में मंत्री के ठिकानों पर ईडी के छापे

चेन्नई, एजेंसी

- पेरियासामी के अलावा उनके परिजनों के परिसरों में भी जांच

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन के एक मामले की जांच के सिलसिले में शनिवार को तमिलनाडु के मंत्री एवं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) नेता आई. पेरियासामी और उनके विधायक पुत्र आई. पी. सेंथिल कुमार से जुड़े परिसरों की तलाशी ली।

यह छापेमारी धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत चेन्नई और डिंडीगुल में की जा रही है। पेरियासामी (72) राज्य के ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री हैं। पेरियासामी डिंडीगुल जिले के अठूर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं। ईडी की कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए द्रमुक की वरिष्ठ नेता कनिमोई ने कहा कि आयकर विभाग और ईडी जैसी केंद्रीय एजेंसियों को भाजपा ने विपक्ष के खिलाफ हथियार बना दिया है। धन शोधन मामले की यह जांच मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा अप्रैल में दिए गए एक आदेश के बाद शुरू हुई। उच्च न्यायालय ने डिंडीगुल की एक विशेष अदालत को निर्देश दिया था कि वह पेरियासामी और उनके परिवार के खिलाफ 2.1 करोड़ की आय से अधिक संपत्ति मामले में आरोप तय करे। यह आदेश सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय द्वारा दायर कुछ आपराधिक पुनरीक्षण याचिकाओं के जवाब में आया।

योगी से मिलीं पूजा, भाजपा में जाने की अटकलें

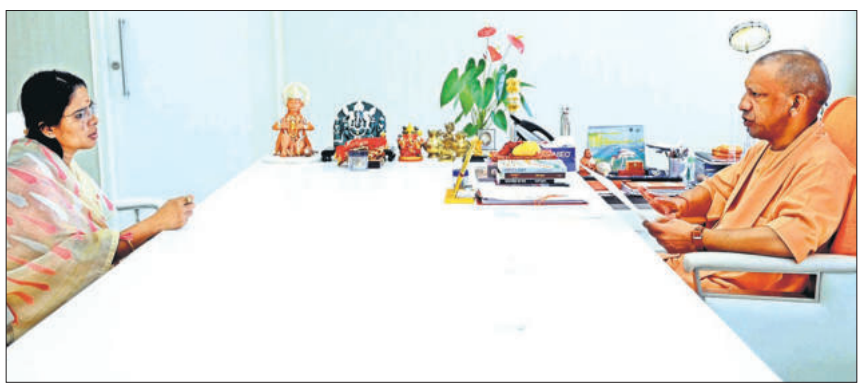

लखनऊ। सपा से निष्कासित होने के बाद चायल विधानसभा सीट से विधायक पूजा पाल ने शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। अटकलें लगाई जा रही हैं कि वह जल्द ही भाजपा का दामन थाम सकती हैं। बीते कुछ समय से पूजा पाल लगातार योगी सरकार की तारीफ कर रही हैं। हाल ही में विधानसभा में विजन 2047 कार्यक्रम में भी उन्होंने मुख्यमंत्री की खुलकर सराहना की थी जिसके बाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उन्हें पार्टी से बाहर कर दिया था।

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु आज पहुंचेंगे स्वदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर साझा करेंगे अपने अनुभव

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की अपनी ऐतिहासिक यात्रा के बाद रविवार को भारत लौटने वाले हैं। वह अपने अनुभव मित्रों एवं सहकर्मियों के साथ साझा करने के लिए उत्सुक हैं।

शुक्ला एक साल से अमेरिका में हैं और आईएसएस के लिए एक्सिओम-4 मिशन का प्रशिक्षण ले रहे थे। शुक्ला के यहां पहुंचने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने और उसके बाद अपने गृहनगर लखनऊ जाने की उम्मीद है। उम्मीद है कि वह 22-23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह में भाग लेने के लिए राजधानी में वापस आएंगे। शुक्ला ने इंस्टाग्राम पर एक हवाई जहाज में बैठे हुए अपनी एक मुस्कुराती हुई तस्वीर पोस्ट की और साथ में लिखा कि अमेरिका छोड़ते समय वह मिश्रित भावनाओं से भरे हुए थे और अपने अनुभव सभी के साथ साझा करने के लिए भारत लौटने को उत्सुक हैं।

विभाजन के अपराधी

विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के अवसर पर एनसीईआरटी ने जारी किया विशेष पाठ

जिन्ना, कांग्रेस और माउंटबेटन को बताया भारत विभाजन का गुनहगार

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के मौके पर जारी एक विशेष पाठ में भारत के बंटवारे के लिए मोहम्मद अली जिन्ना, कांग्रेस और तत्कालीन वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन को जिम्मेदार ठहराया गया है।

पाठ में यह भी उल्लेख किया गया है कि विभाजन के बाद कश्मीर एक नई समस्या के रूप में उभरा। यह समस्या भारत में पहले कभी मौजूद नहीं थी और इसने देश की विदेश नीति के लिए चुनौती पैदा कर दी। इसमें यह भी कहा गया है कि कुछ देश पाकिस्तान को सहायता देते रहते हैं और कश्मीर मुद्दे के नाम पर भारत पर दबाव बनाते रहते हैं। इसमें कहा गया है कि भारत का विभाजन गलत विचारों के कारण हुआ। भारतीय

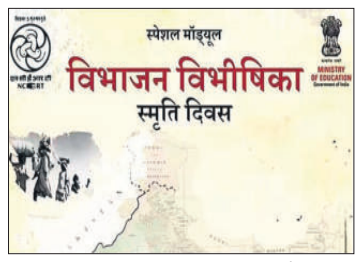

मुसलमानों की पार्टी, मुस्लिम लीग ने 1940 में लाहौर में एक सम्मेलन आयोजित किया। इसके नेता मोहम्मद अली जिन्ना ने कहा कि हिंदू और मुसलमान दो अलग-अलग धार्मिक दर्शन, सामाजिक रीति-रिवाज और साहित्य से संबंधित हैं।

एनसीईआरटी के विशेष पाठ में विभाजन के अपराधी शीर्षक वाले खंड में कहा गया है कि अंततः 15 अगस्त, 1947 को भारत का विभाजन हुआ। लेकिन यह किसी एक व्यक्ति का काम नहीं था। भारत के विभाजन के लिए तीन तत्व ज़िम्मेदार थे। जिन्ना, जिन्होंने इसकी मांग की दूसरे, कांग्रेस, जिसने इसे स्वीकार किया और तीसरे, माउंटबेटन, जिन्होंने इसे लागू किया। लेकिन माउंटबेटन एक बड़ी भूल के दोषी साबित हुए। इसमें कहा गया कि माउंटबेटन ने सत्ता हस्तांतरण की तारीख जून 1948 से घटाकर अगस्त 1947 कर दी। उन्होंने सभी को इसके लिए सहमत कर लिया। इस वजह से विभाजन से पहले पूरी तैयारी नहीं हो सकी। सीमाओं का सीमांकन भी जल्दबाजी में किया गया। इसके लिए सर सिरिल रेडक्लिफ को केवल पांच सप्ताह का समय दिया गया। इसमें कहा गया है कि पंजाब में 15 अगस्त 1947 के दो दिन बाद भी लाखों लोगों को यह नहीं पता था कि वे भारत में हैं या पाकिस्तान में। इतनी जल्दबाज़ी बहुत बड़ी लापरवाही थी।

प्रकाशित किए गए दो अलग-अलग पाठ

एनसीईआरटी ने दो अलग-अलग पाठ प्रकाशित किए हैं। इसमें छठी कक्षा से आठवीं (मध्य चरण) के लिए और नौवीं कक्षा से 12वीं (माध्यमिक चरण) के लिए एक-एक पाठ है। ये अंग्रेजी और हिंदी में पूरक पाठ हैं, नियमित पाठ्यपुस्तकों का हिस्सा नहीं हैं, और इनका इस्तेमाल परियोजनाओं, पोस्टरों, चर्चाओं और वाद-विवादों के माध्यम से किया जाना है। दोनों पाठ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2021 के संदेश के साथ शुरू होते हैं जिसमें विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मनाने की घोषणा की गई है।

पाठ में जिन्ना को दोषी ठहराया गया है, लेकिन उनके हवाले से यह भी कहा गया है कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा होगा या वे अपने जीवनकाल में पाकिस्तान देख पाएंगे। इसमें कहा गया कि बाद में, जिन्ना ने भी स्वीकार किया कि उन्होंने विभाजन की उम्मीद नहीं की थी। उन्होंने अपने सहयोगी से कहा, ''मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा होगा। मैंने अपने जीवनकाल में पाकिस्तान देखने की कभी उम्मीद नहीं की थी। पाठ में सरदार वल्लभभाई पटेल के हवाले से कहा गया है कि भारत में स्थिति विस्फोटक हो गई। कहा गया कि भारत युद्ध का मैदान बन गया और देश का विभाजन करना बेहतर है। इसमें महात्मा गांधी के रुख का हवाला देते हुए कहा गया है कि उन्होंने विभाजन का विरोध किया था, लेकिन कांग्रेस के फैसले का हिंसा से विरोध नहीं कर पाए।

अमृत विचार

बरेली , रविवार,17 अगस्त 2025

न्यूज ब्रीफ

सपा ही पिछड़ों की दुश्मन : केशव मौर्य

अमृत विचार, लखनऊ : कौशांबी से विधायक पूजा पाल को सपा से बाहर करने के सपा मुखिया अखिलेश यादव के फैसले पर उप मुख्यमंत्री और कौशांबी के निवासी केशव प्रसाद मौर्य ने हमला बोला। कहा कि अखिलेश और सपा ही पिछड़ों के असली दुश्मन हैं।

चार कंपनियों को प्रोत्साहन राशि मंजूर

अमृत विचार, लखनऊ : औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन योजना के तहत चार कंपनियों व इकाइयों को ब्याज मुक्त ऋण के रूप में 44 .30 करोड़ रुपये से अधिक की प्रोत्साहन राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी है। इनमें से मेसर्स बिरला कारपोरेशन लिमिटेड रायबरेली को 13 करोड़ 31 हजार 313 रुपये, मेसर्स वृन्दावन एग्रो इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड मथुरा को 24 करोड़ 45 लाख 09 हजार 402 रुपये और मेसर्स भारत इन्फ्रासीमेन्ट लिमिटेड चंदौली को तीन करोड़ 97 लाख 87 हजार रुपये के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की।

स्वदेशी से साकार होगा विकसित भारत का संकल्प

मुख्यमंत्री योगी ने विधानभवन के सामने आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में फहराया राष्ट्रीय ध्वज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : भारत के 79वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर विधान भवन के सामने आयोजित भव्य समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई दी। कहा कि अनगिनत क्रांतिकारियों, स्वाधीनता सेनानियों और वीर सैनिकों के त्याग और बलिदान ने देश को सैकड़ों वर्षों की गुलामी से मुक्त कराया। कहा कि स्वदेशी मॉडल से विकसित भारत का संकल्प साकार होगा।

योगी ने हाल ही में ''ऑपरेशन सिंदूर'' के दौरान भारतीय सेना के शौर्य और स्वदेशी हथियारों जैसे मिसाइलों और ड्रोनों, की ताकत की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह भारत की आत्मनिर्भरता और सामर्थ्य का प्रतीक है। सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट के माध्यम से स्थानीय उत्पादन को आगे बढ़ाने उसकी ब्रांडिंग करने, उसे मार्केट से लिंक करने, उसको नई डिजाइन और नई तकनीक व पैकेजिंग के साथ न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि देश और दुनिया के मार्केट तक पहुंचाने के लिए जो कार्यक्रम चला वह प्रधानमंत्री जी के वोकल फॉर लोकल के उस अभियान को एक नई ऊंचाई प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि स्वदेशी को जीवन का हिस्सा बनना देश के स्वाधीनता दिवस का एक संकल्प बनना चाहिए। सीएम योगी ने देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने में सिविल पुलिस और अन्य संगठनों की भूमिका की भी सराहना की।

● पूर्व सैनिकों और शहीदों के परिजनों को शौर्य चक्र व वीर चक्र और गैलेंट्री अवार्ड से किया सम्मानित

इस दौरान सीएम योगी ने महात्मा गांधी, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, सरदार वल्लभभाई पटेल और अन्य ज्ञात-अज्ञात शहीदों को नमन किया। योगी ने पिछले 11 वर्षों में भारत की विकास यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि 2014 में भारत दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, जो अब चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। इसके पहले मुख्यमंत्री योगी ने लखनऊ में अपने सरकारी आवास पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

देशभक्ति से सराबोर रहा स्वतंत्रता दिवस समारोह

अमृत विचार, लखनऊ : विधान भवन के सामने आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में हेलीकॉप्टर से फूलों की वर्षा की गई, जिसने उपस्थित जनसमूह में उत्साह भर दिया। लखनऊ का हजरतगंज से लेकर विधान भवन तक का क्षेत्र तिरंगे के रंग में रंगा नजर आया। लोग तिरंगा थामे, उत्साह के साथ स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाते देखे गए। सड़कों पर तिरंगों की लहर और देशभक्ति के नारों ने माहौल को और जीवंत बना दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कलाकारों के साथ संवाद भी किया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के साथ-साथ मध्यप्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, सिक्किम और गुजरात के 180 कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियां दीं, जो देश की एकता और सांस्कृतिक विविधता का प्रतीक बनीं। इन प्रस्तुतियों ने दर्शकों में गर्व और उमंग का भाव जागृत किया। विधानभवन के सामने प्रस्तुति देने वाले कलाकार अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन भी करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कलाकारों को किया सम्मानित

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विधान भवन के समक्ष प्रस्तुति देने वाले प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों के कलाकारों को सम्मानित किया। इससे पहले उन्होंने भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतीक चिन्ह का अनावरण किया। साथ ही संस्कृति विभाग के संस्कृति एप की शुरुआत की। मुख्यमंत्री ने मध्य प्रदेश के कलाकार पद्मश्री अर्जुन सिंह ध्रुव, बिहार के कलाकार विशाल कुमार, सिक्किम की कलाकार नीता छेत्री, गुजरात के कलाकार योगेश पतड़िया, छत्तीसगढ़ के कलाकार वेद प्रकाश महेश्वरी, वाराणसी के कलाकार, भरत लाल प्रसन्ना, आकाश पांडेय, रंजीत तिवारी (पाणिनी कन्या महाविद्यालय), सोनभद्र की कलाकार सोना, अयोध्या की संगीता आहूजा, लखीमपुर खीरी की प्रो. ज्योति पंत (युवराज दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय), लखनऊ की डॉ. ललिता गणेश भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय, डॉ. प्रेरणा राय और मथुरा के कलाकार संजय शर्मा को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

स्वतंत्रता दिवस पर विधानभवन के सामने ध्वजारोहण के बाद तिरंगे के रंग में रंगे गुब्बारे छोड़ते मुख्यमंत्री योगी, साथ में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या, ब्रजेश पाठक व अन्य।

सरदार बल्लभ भाई पटेल डिग्री कॉलेज
भोजीपुरा रेलवे स्टेशन से पूर्व की ओर
Contact No. 9412287776, 9412288876, 9412288878, 9457507777
निःशुल्क प्रवेश सत्र 2025-26 स्नातक प्रथम वर्ष
B.A. B.Sc. B.Com. B.Sc. (Home Science) B.B.A. B.C.A.
अन्य संचालित कोर्स
M.A. M.Sc. M.Sc. (Home Science) M.A. (Home Science) M.A. (Drawing & Painting)
D.PHARMA BTE CODE 2143 B.Ed. BTC D.El.Ed. B.EL.ED
सरदार वल्लभ भाई पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी
भोजीपुरा, बरेली BTE CODE - 2143
B.El.Ed. (इंटरमीडिएट के पश्चात 4 वर्षीय बी.टी.सी.) College Code 148
डी.एस.आर. कॉलेज ऑफ फार्मेसी
BTE CODE-2079
रिछा-जहानाबाद रोड पिपरानाकार बहेड़ी, बरेली
Contact No. 9719807777, 9719817777, 9719827777, 9719837777, 9719847777
चेयरमैन डा. हरीशंकर गंगवार, Mob No : 9412287777

रूहेलखण्ड कमिश्नरी का प्रथम विधि विद्यालय
SHRIJI INSTITUTE OF LEGAL
Vocational Education & Research
Estd. 2003
(SILVER LAW COLLEGE)
(Approved by BCI & Affiliated to MJPRU)
ADMISSION OPEN 2025-26
DIRECT ADMISSION
LL. B. 3 Yrs. Course After Graduation
B.A. LL.B. 5 Yrs. Course After 12th
College Code : 119
General 45%, OBC 42%, SC/ST 40%
(in Intermediate & Graduation)
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :
9837485855, 9411472001
7983811321, 7906220708, 9068232656
Email.: ravibhatnagar.slcbly@gmail.com
Add : Vill. Barkhapur, PO. Mudia Ahamad Nagar,12th Km. Pilibhit Road, Bareilly

SHRI SIDDHI VINAYAK
GROUP OF INSTITUTIONS
16 Years Educational Exellence
ADMISSION OPEN SESSION 2025-26
• SSVIT I B.Tech (CS • IT • ME • CE • EE • EC) | M.Tech (CS • ME)
• SSVIM I MBA • Int. MBA • BBA • BCA • B.COM • B.COM (H) B.SC (PCM) • B.SC (ZBC) • B.SC (Home Sci. • Biotech)
• SSVP I Polytechnic (ME(A) • ME(P) • IT • EC • EE • CE)
• SSVSN I GNM • ANM
• SSVIP I D.Pharma • B.Pharma
• SSVIPS I Diploma in Optometry • Emergency & Trauma care X-Ray Tech. • Dialysis • Physiotherapy • O.T. Tech.
Why Enroll @ SSVGI
• Career-Focused Education
• Best Placement in the Region
• High-Tech Academic Infrastracture
• Highly Experienced Faculty
20 LPA Highest CTC | 4.5 LPA Average CTC | 92% Placement in Past 5 Year
1200+ SSVGIians Placed in Top MNC's | 2000+ Placement Offers | 550+ Recruitment Partners
7599471145, 7599471144 | www.ssvgi.org
Campus: 10th Km Stone, Nainital Rd, Bareilly, U.P.
City Office: Avas Vikas Complex, Sheel Chauraha, Bareilly

पुलिस का काम कानून-व्यवस्था तक सीमित नहीं : योगी

लखनऊ,अमृत विचार : श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ के रिजर्व पुलिस लाइन परिसर में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में शामिल हुए। योगी ने पुलिस परिवार और प्रदेशवासियों को जन्माष्टमी की हार्दिक बधाई देते हुए पुलिस को भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपनाने और समाज में शांति व सौहार्द स्थापित करने की अपील की।

योगी ने पुलिस को समाज की रीढ़ बताते हुए कहा कि उनकी भूमिका केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने तक सीमित नहीं है, बल्कि वे समाज में सौहार्द और एकता को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 5000 वर्ष पूर्व मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण का अवतरण न केवल एक उत्सव है, बल्कि यह पुलिस कर्मियों और आम नागरिकों के लिए राष्ट्रीय कर्तव्यों के प्रति प्रेरणा का स्रोत है।

भगवान श्रीकृष्ण के उपदेश "कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन" को राष्ट्रीय कर्तव्यों का आधार बताते हुए कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने संविधान में नागरिकों के कर्तव्यों को शामिल कर हर व्यक्ति को निष्काम कर्म की प्रेरणा दी। सीएम ने पुलिस से इस उपदेश को जीवन में उतारने की अपील की, ताकि वे समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकें। उन्होंने श्रीकृष्ण के उपदेश "परित्राणाय साधुनाम् विनाशाय च दुष्कृताम्" का उल्लेख करते हुए कहा कि सज्जन शक्तियों का संरक्षण और दुष्ट शक्तियों का नाश से ही समाज में सकारात्मक माहौल पैदा होगा।

लखनऊ में वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की 195वीं जयंती पर उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि देने पहुंचे मुख्यमंत्री योगी।

वीरांगना के नाम पर स्थापित की पीएसी बटालियन :योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● मुख्यमंत्री ने वीरांगना अवंतीबाई लोधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वीरांगना ने भारत की स्वाधीनता के लिए तानाशाही पूर्ण शासन के खिलाफ बड़ा संघर्ष किया। उन्होंने मातृभूमि के लिए अपना बलिदान दिया। उनका यह अदम्य साहस और बलिदान हर भारतवासी के लिए प्रेरणा है। बदायूं में उनके नाम पर पीएसी की एक नई बटालियन की स्थापना की गई है।

राजधानी लखनऊ समेत प्रदेशभर में शनिवार को स्वाधीनता संग्राम सेनानी, महान वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की 195वीं जयंती मनाई जा रही है। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पार्पित कर उन्हें याद किया। साथ ही अनेक योजनाओं और कार्यक्रमों की जानकारी साझा की। योगी ने कहा कि बदायूं में उनके नाम पर पीएसी की एक नई बटालियन की स्थापना के साथ ही वहां पर उनकी प्रतिमा की स्थापना का कार्यक्रम भी आगे बढ़ रहा है। सरकार ने मातृशक्ति के प्रति सम्मान दिखाते हुए कई कदम उठाए हैं। झांसी में रानी लक्ष्मीबाई के नाम पर केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना हुई। जबकि, बांदा में महारानी दुर्गावती के नाम पर मेडिकल कॉलेज का नामकरण किया गया। प्रदेश में तीन नई बटालियन लखनऊ में वीरांगना ऊदा देवी, गोरखपुर में वीरांगना झलकारीबाई और बदायूं में वीरांगना अवंतीबाई लोधी के नाम पर स्थापित की।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह पटेल, मेयर सुषमा खर्कवाल समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

अटल ने राजनीति को बनाया सेवा का माध्यम : मुख्यमंत्री

लखनऊ में स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में पुस्तक का विमोचन करते मुख्यमंत्री योगी व उपस्थित भाजपा नेता।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सामान्य परिवार में जन्मे अटल जी ने कर्म पर विश्वास करते हुए राजनीति को सेवा का माध्यम बनाकर जीवन के विभिन्न पक्षों को नेतृत्व प्रदान किया था। जिस भी क्षेत्र में अटल जी की दखल हुई, उसमें उत्कृष्टतम कार्य करते हुए नयापन करके दिखाया। यूपी का सौभाग्य है कि आगरा का बटेश्वर उनकी पैतृक भूमि है। उन्होंने कानपुर में उच्च शिक्षा ग्रहण की और बलरामपुर से राजनीतिक पारी की शुरुआत की।

सीएम योगी शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री ''भारत रत्न'' अटल बिहारी वाजपेयी की सातवीं पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा व काव्य समागम में शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया। अतिथियों ने 'अतुलनीय अटल जी' पुस्तक का विमोचन किया। कवि पद्मश्री सुरेंद्र शर्मा ने काव्य पाठ प्रस्तुत किया। सीएम योगी ने अपने संबोधन में अटल जी की कविता का जिक्र किया।

सीएम योगी ने कहा कि अटल जी ने पांच बार लखनऊ से संसद में प्रवेश किया। 10 बार लोकसभा, दो बार राज्यसभा के सदस्य और तीन बार प्रधानमंत्री के रूप में देश को यशस्वी नेतृत्व प्रदान

हमारी सरकार ने उस तबके को टच किया, जिनके प्रति अटल जी की संवेदना थी। श्रमिकों, निराश्रित बच्चों के लिए सभी 18 मंडल में अटल आवासीय विद्यालय बनकर तैयार हो चुके हैं। श्रमिकों के 18,000 बच्चे यहां अत्याधुनिक सुविधा प्राप्त कर रहे हैं। एक ही कैंपस में सभी सुविधाएं हैं।

अटल बिहारी की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

अटल की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते मुख्यमंत्री योगी।

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी को नमन करते हुए कहा कि उनका स्मरण न केवल वर्तमान पीढ़ी के लिए प्रेरणा है, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए भी मार्गदर्शन है। स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर शनिवार को लोकभवन स्थित प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि अटल जी का छह दशक लंबा राजनीतिक जीवन भारतीय राजनीति को नई दिशा देने वाला रहा। उन्होंने भारत के जीवन मूल्यों और आदर्शों को सर्वोपरि रखते हुए यह दिखाया कि देश के भीतर विकास का मॉडल कैसा होना चाहिए और वैश्विक मंच पर भारत और भारतीयता की प्रतिष्ठा कैसे सुनिश्चित की जा सकती है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, अटल जी ने सदैव इन मूल्यों का ध्यान रखा और अपने प्रभावी नेतृत्व से उन्हें साकार रूप दिया। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के लिए यह सौभाग्य का विषय है कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी ने यहीं से अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की। वर्ष 1957 में बलरामपुर संसदीय सीट से पहली बार सांसद बने। इसके बाद लखनऊ का यह विशेष सौभाग्य रहा कि अटल जी पांच बार लगातार लखनऊ संसदीय सीट से चुने गए और प्रधानमंत्री के रूप में देश की संसद में पहुंचे। कुल 10 बार वे लोकसभा सदस्य और दो बार राज्यसभा सदस्य रहे। इस अवसर पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह पटेल, मेयर सुषमा खर्कवाल आदि उपस्थित थे।

बहन को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में दो भाई गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर,एजेंसी: शामली जिले के कांधला थाना क्षेत्र के रामपुरखेड़ी गांव में नाबालिग बहन को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में दो भाइयों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपियों की पहचान कपिल (28) और सचिन (26) के रूप में हुई है। कांधला थाने के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) सतीश कुमार ने शनिवार को संवाददाताओं को बताया कि पुलिस ने दोनों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज करके शुक्रवार को उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

12 अगस्त को अपने भाइयों की डांट से तंग आकर 16 वर्षीय लड़की ने घर में आत्महत्या कर ली, जिसके बाद उसका शव भारसी गांव के पास जंगल में फेंक दिया गया। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने उसी दिन पुलिस को लड़की के लापता होने की सूचना दी, जिसके बाद मामला दर्ज किया गया।

ग्लेन कैंसर सेन्टर एण्ड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल

डा. रितु भुटानी
कैंसर रोग विशेषज्ञ
Ex. TATA MEMORIAL HOSPITAL, MUMBAI
Ex. RAJEEV GANDHI CANCER INSTITUTE, DELHI

कैंसर लाइलाज नहीं है
A PLACE OF HELP, HOPE AND UNDERSTANDING

24 घण्टे आई.सी.यू./ इमरजेंसी सुविधा उपलब्ध
02, शक्ति नगर, निकट रुहेलखण्ड यूनिवर्सिटी पीलीभीत बाईपास रोड, बरेली
Contact Us:-
9311198889
9045599027
Email: bhutaniritu@gmail.com
Website: www.gleancancercentre.com

निर्माणाधीन मकान में मां-बेटी को चाकू से गोदा

बदायूं : परिजनों की तहरीर पर छह लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

दातागंज क्षेत्र के गांव वीरमपुर में मां-बेटी की हत्या की गई है। चाकू लगने से एक युवक घायल हुआ है। परिजनों के अनुसार जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। - डॉ. बृजेश कुमार सिंह, एसएसपी

अमृत विचार : निर्माणाधीन मकान में सो रहीं मां-बेटी की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई ,जबकि एक परिजन को घायल कर दिया गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह ने मौका मुआयना कर खुलासे के लिए टीमें गठित की हैं।

एडीजी रमित शर्मा और आईजी अजय कुमार साहनी भी गांव पहुंचे। छह के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करके संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है।

वजीरगंज थाना क्षेत्र के गांव रोटा निवासी गजेंद्र सिंह की मौत बाद उनकी पत्नी जयंती (42) मायके गांव वीरमपुर में रह रही थीं। उसने अपनी 11 बीघा में 9 बीघा जमीन 50 लाख रुपये में बेची थी। मायके में जमीन खरीदकर मकान बनवा रही थीं। उनकी मां शांति देवी (75) बेटी के साथ उसके निर्माणाधीन मकान में रहती थीं।

शांति देवी का भतीजा हजरतपुर थाना क्षेत्र के गांव चितरी निवासी विपिन भी निर्माणाधीन मकान के सामने मकान बनवा रहा है। वह भी उनके घर पर ही रह रहा था। गुरुवार रात शांति देवी और जयंती सो रही थीं। रात में चाकू से गोदकर दोनों की हत्या कर दी गई। सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक गौरव विश्नोई और फिर सीओ दातागंज केके तिवारी पहुंचे। विपिन ने बताया वह गुरुवार देर रात घर आया था। घर का दरवाजा नहीं खुला तो बाहर तख्त पर सो गया। रात में चीखने की आवाज आई। एक व्यक्ति ने भीतर से बाहर की ओर भागा। उसे पकड़ना चाहा तो मुझ पर भी हमला कर दिया।

शांति देवी के बड़े बेटे अवनीश ने बताया जयंती का जमीन को लेकर विवाद था। हो सकता है कि जमीन की रंजिश में हत्या की गई हो। परिजनों की तहरीर पर विपिन, रोटा निवासी संजीव, पिंकू, सुरेंद्र सिंह, प्रदीप सिंह, कब्बाली के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। विपिन को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

सांसद रुचि वीरा ने पूर्व सांसद को कहा जयचंद

मुरादाबाद,अमृत विचार : सपा सांसद के बयान से पार्टी की कलह सतह पर आ गई है। पार्टी की मुरादाबाद सांसद रुचि वीरा ने पार्टी के पूर्व सांसद का नाम लिए बिना तीखा हमला किया। उन्होंने उन्हें पार्टी का जयचंद करार दिया और सपा मुखिया से मांग की कि ऐसे नेताओं पर कार्रवाई होनी चाहिए।

स्वतंत्रता दिवस पर कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में जब अखिलेश यादव द्वारा पार्टी की विधायक पूजा पाल को मुख्यमंत्री की प्रशंसा करने पर निष्कासित करने का सवाल आया तो सांसद ने प्रतिक्रिया में कहा कि जो लोग पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल हैं और खुले तौर पर उम्मीदवार का विरोध करते हैं, उन्हें बाहर का रास्ता दिखाना जरूरी है। विरोध करने वाले पार्टी में जयचंद का काम कर रहे हैं। सांसद ने लोकसभा चुनाव का जिक्र करते हुए कहा कि उस समय कुछ लोगों ने खुलेआम विरोध किया था और उनके वीडियो वायरल हुए थे, इसके बावजूद वे आज भी पार्टी में बने हुए हैं।

ऑपरेशन सिंदूर में भारत की शक्ति को दुनिया ने देखा : धामी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के परिजनों को सम्मानित करते मुख्यमंत्री धामी।

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि आजादी की 78 वर्षों की गौरवपूर्ण यात्रा में देशवासियों के अदम्य साहस, अटूट समर्पण और निरन्तर परिश्रम के बल पर हमारा राष्ट्र अनेक चुनौतियों का सामना करने के बावजूद सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत की शक्ति और सामर्थ्य को पूरी दुनिया ने देखा है।

79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री ने परेड ग्राउंड, देहरादून में राज्य के मुख्य कार्यक्रम में ध्वजारोहण किया। साथ ही, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों को सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्यहित में छह घोषणाएं की। इनमें राज्य के उन विद्यालयों में, जहां मिड-डे मील योजना के तहत भोजन बनाने के लिए गैस सिलेंडर और चूल्हा उपलब्ध नहीं हैं, वहां राज्य सरकार द्वारा दो गैस सिलेंडर और एक चूल्हा उपलब्ध कराया जाएगा। राज्य के अंतर्गत उन विधानसभा क्षेत्रों में, जहां पेयजल आपूर्ति में कठिनाई है, वहां प्रत्येक क्षेत्र में 10-10 हैंडपंप स्थापित होंगे। ग्राम चौकीदार एवं ग्राम प्रहरी के मानदेय में एक हजार रुपये तो सैनिक कल्याण विभाग के अंतर्गत कार्यरत ब्लॉक प्रतिनिधियों के मानदेय में दो हजार रुपये की वृद्धि की जाएगी। इसके अलावा, राज्य में दूरस्थ व रोजगार मूलक उच्च शिक्षा के समग्र विकास और प्रचार-प्रसार के लिए जनपद स्तर पर राज्य सरकार द्वारा विशेष शैक्षणिक केंद्र स्थापित होंगे, जिनका संचालन व समन्वय उत्तराखंड मुक्त विवि द्वारा किया जाएगा। छठी घोषणा में, गंगोत्री ग्लेशियर सहित प्रदेश के अन्य हिमालयी ग्लेशियर एवं उनके समीपवर्ती क्षेत्रों का नियमित अध्ययन कराया जाएगा।

घरेलू हिंसा में एफआईआर दर्ज करने के नियमों में बदलाव

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 की धारा 31 के अंतर्गत दर्ज एक आपराधिक मामले को रद्द करते हुए स्पष्ट किया कि अधिनियम के तहत आपराधिक कार्यवाही केवल तभी संभव है, जब मजिस्ट्रेट द्वारा धारा 12 से 23 के अंतर्गत पारित किसी सुरक्षा आदेश या अंतरिम आदेश का उल्लंघन हुआ हो। कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि पूर्व सुरक्षा आदेश के अभाव में पुलिस को धारा 31 के तहत एफआईआर दर्ज करने का कोई अधिकार नहीं है।

घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 एक विशेष कानून है और इसमें आईपीसी की तरह सीधे एफआईआर दर्ज करने का प्रावधान नहीं है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि पुलिस रिपोर्ट घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत शिकायत नहीं है इसलिए अधिनियम की धारा 31 के तहत इस पर संज्ञान नहीं लिया जाना चाहिए। उक्त आदेश न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर की एकलपीठ ने सत्तार अहमद एवं चार अन्य द्वारा दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया।

कोर्ट ने तत्कालीन एसीजेएम रामपुर, जो वर्तमान में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, गाजियाबाद हैं, के द्वारा की गई कार्यवाही को त्रुटि पूर्ण मानते हुए वर्तमान मामले में धारा 31 के तहत चल रही पूरी आपराधिक कार्यवाही को रद्द कर दिया और भविष्य में ऐसे मामलों में अधिक सावधानी बरतने की चेतावनी भी दी।

भाजपा और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ मुकदमे दर्ज

जिपं सदस्य अपहरण कांड

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: जिला पंचायत अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद के चुनाव के दौरान जिपं सदस्यों के अपहरण और अन्य आरोपों को लेकर गुरुवार को हुए बवाल के बाद तल्लीताल थाना पुलिस ने भाजपा के दर्जा राज्यमंत्री, जिलाध्यक्ष समेत 11 नामजद तो नेता प्रतिपक्ष सहित कांग्रेस के हल्द्वानी व खटीमा विधायक व एक पूर्व विधायक के खिलाफ संगीन धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया है।

तल्लीताल थानाध्यक्ष रमेश सिंह बोरा ने शनिवार को बताया कि कांग्रेस की जिपं अध्यक्ष प्रत्याशी पुष्पा नेगी, सदस्य जीशान्त कुमार और दो अन्य के परिजनों की तहरीर पर भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, दर्जा राज्य मंत्री शंकर कोरंगा, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष और भाजपा जिपं अध्यक्ष पद प्रत्याशी दीपा दर्मवाल के पति आनंद दर्मवाल, चतुर बोरा, प्रमोद बोरा, प्रखर साह, बॉबी भाकुनी, विशाल नेगी, पंकज नेगी, शुभम दर्मवाल और कोमल दर्मवाल के खिलाफ नामजद जबकि 10 से 15 अज्ञात के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। बीते गुरुवार को जिपं अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के चुनाव के दिन शहर में भारी हंगामा हुआ था। मतदान स्थल से कुछ ही दूरी पर पुलिस की मौजूदगी में जिपं के पांच सदस्यों डिकर सिंह मेवाड़ी, प्रमोद सिंह, तरुण कुमार शर्मा, दीप सिंह बिष्ट और विपिन सिंह को कुछ लोगों द्वारा अगवा करने का आरोप लगाया गया था। पुष्पा नेगी समेत अन्य लोगों ने तल्लीताल थाने में तहरीर दी थी। एसओ बोरा ने बताया कि भाजपा की जिपं अध्यक्ष प्रत्याशी दीपा दर्मवाल की तहरीर पर नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य, कांग्रेस के हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश, खटीमा विधायक और उप नेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी के अलावा पूर्व विधायक संजीव आर्य के खिलाफ बीएनएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

दीपा दर्मवाल ने आरोप लगाया कि 14 अगस्त को वह और चार सदस्य मतदान केंद्र पहुंचे थे। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने कुछ अज्ञात लोगों के साथ मिलकर उन्हें रोकने, मारपीट करने और उनके सदस्यों को गायब करने का प्रयास किया।

आधी रात मतगणना, परिणाम सुरक्षित

नैनीताल। जिला पंचायत अध्यक्ष पद के लिए गुरुवार सुबह शुरू हुआ घटनाक्रम शुक्रवार तड़के तक जारी रहा। गुरुवार रात 12 बजे के बाद जिला निर्वाचन अधिकारी ने फिर मतगणना प्रक्रिया शुरू कराई जो आधी रात तीन बजे तक चली, मतगणना के परिणाम को कोषागार के डबल लॉक में रिजर्व रख लिया गया। अब चुनाव परिणाम हाईकोर्ट के अधीन है। प्रकरण में हाईकोर्ट में 18 अगस्त को सुनवाई होगी।

- **भाजपा के दर्जा राज्यमंत्री जिलाध्यक्ष समेत 11 नामजद 15-20 आरोपी अज्ञात**

अध्यापक से की 23.42 लाख की साइबर ठगी

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: सल्ट भयाड़ी में तैनात सहायक अध्यापक से लाखों की साइबर ठगी होने का मामला सामने सामने आया है। बताया कि साइबर क्रिमिनल ने अध्यापक से बीमा कंपनी का एजेंट बनकर साइबर ठगी को अंजाम दिया। साइबर क्राइम पुलिस ने तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर तफ्तीश शुरू कर दी है।

लक्ष्मीपुर लच्छी धनौरी पट्टी काशीपुर निवासी महेश चंद्र ने बताया कि वह सल्ट मौलेखाल राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भयाड़ी सल्ट में सहायक अध्यापक के पद पर तैनात है। बताया कि 23 जून 2025 को मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति की कॉल आयी जो खुद को एलआईसी का प्रतिनिधि बता रहा था और दूसरी कॉल लाइफ बीमा कंपनी के एसओडी का आया। पैसा जमा करने की बात करते हुए आश्वासन दिया कि जमा धनराशि मुनाफे के साथ वापस हो जाएगी। विश्वास करते हुए तीन माह के अंदर 23.42 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए।

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर हुई 12 लाख की साइबर ठगी

रुद्रपुर : कोतवाली इलाके के एक व्यक्ति को ऑनलाइन शेयर ट्रेडिंग का झांसा देकर लाखों की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार भूत बंगला निवासी पुष्कर सिंह बोरा ने बताया कि टेलीग्राम के माध्यम से एक मैसेज आया। जब उसने मैसेज पर क्लिक किया तो अज्ञात व्यक्ति का मैसेज आता है और जो खुद को ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी की अधिकारी बता रही थी। बातचीत के दौरान जून माह से जुलाई माह तक खाते में 12 लाख बताए खाते में ट्रांसफर कर दिए। जब कुछ दिन तक कोई मुनाफा नहीं आया तो कॉलर ने टैक्स भरने का बहाना बनाना शुरू कर दिया।

12000 की ट्रांजेक्शन के बाद जब बार-बार रकम का दबाव बनाया जाने लगा तो साइबर ठगी होने का एहसास हुआ। साइबर क्राइम पुलिस ने टीचर की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ट्रक का टायर फटने से क्लीनर की मौत

बिजनौर, अमृत विचार: किरतपुर थाना क्षेत्र में सीमेंट से भरे ट्रक का टायर पंक्चर होने पर मरम्मत की जा रही थी।

क्लीनर शादाब जैक हटा रहा था कि धमाके के साथ ट्रक का टायर फट गया। धमाके की चपेट में आने से शादाब घायल होकर गिर पड़ा। उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। इलाज के दौरान शादाब ने दम तोड़ दिया।

बाघ ने किया किसान पर हमला, खेत में मिला शव

संवाददाता, महंगापुर (खीरी)

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव लगदहन में शुक्रवार को खेत पर चारा लेने गए किसान को बाघ ने निवाला बना लिया। शनिवार सुबह गन्ने के खेत से उसका अधखाया शव मिला। गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया, वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए नारेबाजी की।

गांव लगदहन निवासी हरीशचंद्र (45) पुत्र हीरा लाल शुक्रवार सुबह खेत में मवेशियों के लिए चारा लेने गया था। शनिवार सुबह गन्ने के खेत से उसका अधखाया शव मिला। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर वन विभाग और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। अधिकारियों ने समझाकर लोगों को शांत कराया। वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और बाघ का पता लगाने के लिए ड्रोन कैमरों व निगरानी टीम लगाई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वन क्षेत्राधिकारी पलिया रेंज, विनय कुमार ने बताया कि बाघ को पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

एयरपोर्ट पर विमानों का 24 घंटे संचालन शुरू

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- **आठ उड़ानें फिर से बहाल, रनवे का भी हुआ विस्तार**

अमृत विचार : लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार से 24 घंटे उड़ानें उपलब्ध रहेंगी। रनवे के उच्चीकरण और नए टैक्सी-वे बनने से उड़ानों पर लगी रोक हटेगी। 1 मार्च से रद्द आठ उड़ानें भी बहाल होंगी। एयरपोर्ट का रनवे अब विमानों के संचालन के लिए और भी सुरक्षित हो गया है। रनवे का विस्तार भी किया जाएगा, जिससे बड़े विमानों का उतरना संभव होगा।

एयरपोर्ट पर इस समय प्रतिदिन 28 घरेलू गंतव्यों के लिए 128 उड़ानों का संचालन होता है। इसके अलावा आठ से दस अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी संचालित होती हैं। सुबह 11 से दोपहर तीन बजे के बीच की कुछ उड़ानें रीशेड्यूल कर दी गईं थीं, जिनको अब फिर से समय बदलकर संचालित किया जा सकेगा। बीती एक मार्च से 2,744 मीटर लंबे रनवे की रीकारपेटिंग शुरू हुई थी। इसके लाइटिंग सिस्टम को भी बदला जा रहा है। अभी एयरपोर्ट पर पांच टैक्सी वे हैं जबकि दो और नए टैक्सी वे तैयार हो गए हैं। व्यस्त समय में अब एप्रेन से रनवे जाने के लिए नए टैक्सी वे पर अधिक विमानों की आवाजाही हो सकेगी। इससे व्यस्ततम समय में विमानों की लेटलतीफी की संभावना भी बहुत कम हो जाएगी।

काम के पूरा होने से एयरपोर्ट का रनवे उड़ानों के आपरेशन के लिए और सुरक्षित हो गया है। एयरपोर्ट अधिकारियों के मुताबिक जल्द ही लखनऊ एयरपोर्ट के रनवे का विस्तार भी किया जाएगा। बिजनौर की तरफ पांच गांवों की 54 एकड़ भूमि के अधिग्रहण के लिए जिला प्रशासन ने राजस्व रिकार्ड मांगा है। एयरपोर्ट और जिला प्रशासन संयुक्त सर्वे करेंगे।

इस सर्वे के बाद भूमि अधिग्रहीत होते ही रनवे का विस्तार हो सकेगा। इससे अमेरिका और ब्रिटेन के कई शहरों के लिए सीधी उड़ान सेवाएं शुरू करने के लिए बड़े विमान भी एयरपोर्ट पर उतर सकेंगे। अभी रनवे की लंबाई इन बड़े विमानों के लिए कम है। रनवे की लंबाई को बढ़ाकर 3,500 मीटर किया जाएगा।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

FOCUS नेत्रालय
RAJENDRA NAGAR, BAREILLY 731-098-7005

"ARTIFICIAL INTELLIGENCE" ASSISTED EYE SURGERIES

DR. KANUPRIYA AGARWAL
Fellow- Shroff Eye Hospital, New Delhi
Ex. Safdarjung Hospital, New Delhi
ALL MAJOR INSURANCE ACCEPTED
AYUSHMAN / ECHS / CGHS / TPA EMPANELLED

ADITYA आदित्य आई एण्ड लेजर सेन्टर
उपलब्ध सुविधायें
बिना सुई बिना टांका आधुनिक लेंस प्रत्यारोपण की सुविधा
अल्ट्रासाउण्ड द्वारा पर्दे की जांच की सुविधा उपलब्ध
IOL Master 700 द्वारा लेंस का नम्बर
लेजर द्वारा आँख की झिल्ली हटाने की सुविधा उपलब्ध
बी-स्कैन द्वारा पर्दे की जाँच उपलब्ध
OCT द्वारा काला पानी एवं पर्दे की जाँच व उपचार
80000 से अधिक आँखों के ऑपरेशन का अनुभव
TPA सुविधा उपलब्ध

डॉ. आदित्य त्यागी
MBBS, DOMS, DNB, MNAMS
CARARACT, REFRACTIVE & GLAUCOMA SURGEON
80773444353 समय :- प्रातः 10 बजे से सायं 7 बजे तक (सोमवार से शनिवार)
आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए फ्री ऑपरेशन की सुविधा
ट्यूलिप ग्रांड के सामने, पीलीभीत बाईपास, बरेली

महादान

सेंगर दंपती की मुहिम के तहत मेडिकल कॉलेज को मिली चौथी देह

अब कानपुर के शंकरलाल की देह बनी चिकित्सा जगत की धरोहर

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

अमृत विचार : कानपुर के सेंगर दंपती की ओर से चलाई जा रही युग दधीचि देहदान महायज्ञ मुहिम के तहत पीलीभीत मेडिकल कॉलेज को अब चौथा देह मिला है। अब कानपुर के रहने वाले शंकर लाल की देह चिकित्सा जगत की धरोहर बन गई है। सेंगर दंपती दोपहर बाद देह लेकर पहुंचे और मेडिकल कॉलेज प्रबंधन को सौंप दिया।

देहदानी शंकरलाल

करीब 31 साल पहले कानपुर से 2003 में युग दधीचि देहदान अभियान की शुरुआत कानपुर के रहने वाले मनोज सेंगर और उनकी पत्नी माधवी सेंगर की ओर से की गई थी। इस अनूठे अभियान के तहत पीलीभीत मेडिकल कॉलेज में बीते साल एक अक्टूबर को प्रेसवार्ता की गई और देहदान कराने का वादा किया था। 17 अक्टूबर 2024 को पीलीभीत मेडिकल कॉलेज को पहली देह कानपुर के दीनदयाल नगर के निवासी 88 वर्षीय सेवानिवृत्त एलआईयू इंस्पेक्टर रामप्यारे शुक्ला पुत्र वंशीधर शुक्ला की दी गई। दूसरी देह 05 मार्च को कानपुर के न्यू डिफेंस कॉलोनी गांधीग्राम जीटी रोड निवासी 79 वर्षीय प्रेमचंद पाठक की सौंपी गई थी।

इसके बाद तीसरा देह ग्राम पोस्ट खखरेरू फतेहपुर के मूल निवासी 68 वर्षीय राम शरण गुप्त की समर्पित की गई थी। इसी क्रम में शनिवार को चौथा देहदान किया गया। युग दधीचि देहदान महायज्ञ में आज 307 वीं आहुति के रूप में ग्राम बिरहुन, रसूलाबाद कानपुर देहात के मूल निवासी एवं वर्तमान में आरोहम हैप्पीनेस होम बिठूर कानपुर के निवासी 88 वर्षीय शंकरलाल की पार्थिव देह पीलीभीत मेडिकल कॉलेज को मिली। उनके भतीजे डॉ. उमेश पालीवाल एवं चारों पुत्री वंदना, कल्पना, साधना एवं चेतना ने देहदान के संकल्प को पूरा कराते हुए अभियान प्रमुख मनोज सेंगर के सहयोग से पीलीभीत मेडिकल कॉलेज को देहदान किया।

पिता की देह को दान करने से पूर्व आरती करतीं बेटियां। ● अमृत विचार

पुत्रियों ने की महाआरती, पिता को दी अंतिम विदाई

शंकरलाल का देहदान करने से पहले उनकी चारों पुत्रियों ने पार्थिव देह की महाआरती की। इसी के साथ अग्नि परिक्रमा भी की गई। शंकरलाल की देह को दान करने के लिए ले जाते समय चारों पुत्रियों वंदना, कल्पना, साधना और चेतना ने कांधा भी दिया और महिला सशक्तिकरण की अनूठी मिसाल पेश की। इस दौरान बहू डॉ. मृदुला पालीवाल, समधी मुकेश पालीवाल का विशेष सहयोग रहा। कानपुर के रहने वाले शंकरलाल ने पिछले साल ही देहदान का संकल्प लिया था। 15 अगस्त की दोपहर उनका निधन हो गया। उनके भतीजे डॉ.उमेश पालीवाल ने अभियान प्रमुख मनोज सेंगर को सूचना दी। इसके बाद तत्काल देहदान संबंधी आवश्यक पत्रक तैयार कराए गए। महासचिव माधवी सेंगर से परामर्श कर देह को राजकीय मेडिकल कॉलेज पीलीभीत को देने का निश्चय किया गया। 16 अगस्त की सुबह 9 बजे सेंगर दंपति देह को लेकर कानपुर से चले और शाम चार बजे पीलीभीत मेडिकल कॉलेज को समर्पित किया। यहां देह उप प्राचार्य डॉ अरुण सिंह, एनाटॉमी हेड डॉ. अर्चना सिंह, डॉ.फ़रीद ने अपने सहयोगियों के साथ सम्मान सहित स्वीकार किया। प्राचार्या डॉ संगीता अनेजा ने सेंगर दंपति और देहदानी परिवार का आभार जताया।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 17 अगस्त 2025

बरेली

स्वतन्त्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

इरशाद अहमद

पुत्र स्व. मंजूर अहमद

(प्रथम जन निर्वाचित चेयरमैन आंवला)

आप सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

प्रमोद कुमार

अवर अभियंता

नगर पालिका परिषद आंवला, बरेली।

आप सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

न्यू स्माईल डेन्टल केयर

रजि.नं. 889 (आधुनिक उपकरणों से परिपूर्ण)

डॉ. संजय कुमार बी.एस.सी., बी.डी.एस. (दंत रोग चिकित्सक)

डॉ. मो. शादाब (दंत रोग विशेषज्ञ) पूर्व डेन्टल सर्जरी डिपार्टमेन्ट तीर्थंकर महावीर डेन्टल कालेज एण्ड रिसर्च सेन्टर दिल्ली रोड पाकवाड़ा मुरादाबाद

डॉ. नवील खान बी.डी.एस. (दंत रोग चिकित्सक)

लठैता मोहल्ला, कुरैशियान कब्रिस्तान के सामने, आंवला-बरेली

Mob : 9719027951, 9897746474

आप सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

जावेद अख्तर

जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी वार्ड नं. 19

मो. 9761626304

भीम आर्मी भारत एकता मिशन आजाद समाज पार्टी (कांशीराम)

HANDA PUBLIC SCHOOL

Affiliated to CBSE Delhi

Modern Village, Nainital Road, Bareilly UP

Mob : 9917463600, 8787004789

Neelkanth Flats, Stadium Road, Bareilly

HAPPY INDEPENDENCE DAY

&

SHRI KRISHNA JANAMASHTMI

Chairperson

PNC to XII th

आप सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

डॉ. इफ्तेकार शगुप्ता क्लीनिक

बिथरी चैनपुर, बरेली।

आप सभी क्षेत्रवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मुजीबुर्रहमान

प्रधान प्रत्याशी दुनका

विकास खंड शेरगढ़

मो : 9761385007

आप सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

मनोज कुमार

विद्युत जे.ई. आंवला

कामेश कुमार

एसडीओ आंवला

सभी क्षेत्रवासियों को

स्वतंत्रता दिवस

की

हार्दिक शुभकामनाएं

कार्यालय उप निबंधक एवं रजिस्ट्रार

आंवला (बरेली)

आप सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

पदम सिंह

9411632030

9720943095

एडवोकेट

एम.ए. एल.एल.बी.

माल, दीवानी, फौजदारी, बैनामा आदि

पूर्व सदस्य जिला पंचायत बरेली

वरिष्ठ उपाध्यक्ष : बार एसोसिएशन, आंवला (बरेली)

चेम्बर : निकट कोतवाली गेट, तहसील परिसर कोर्ट, आंवला (बरेली)

निवास : ग्राम मुतलकपुर पो. महमूदपुर, आँवला (बरेली)

मो. आदर्शनगर कालोनी निकट एल.आई.सी., आँवला (बरेली)

मनोज कुमार सिंह

M : 9719475139 एडवोकेट

चेम्बर 141 सी.ओ. ऑफिस के सामने, तहसील परिसर, आंवला (बरेली)

ग्राम गरगईया, तहसील बिसौली जिला बदायूँ

हाल नि. महादेव पुरम कालौनी कस्बा आंवला (बरेली)

राम दुलार मौर्य

M : 9927353879 एडवोकेट

चेम्बर 140 सी.ओ. ऑफिस के सामने, तहसील परिसर, आंवला (बरेली)

पता : ग्राम व पोस्ट मनौना, तहसील आंवला (बरेली)

समस्त क्षेत्रवासियों को

स्वतंत्रता दिवस

की

हार्दिक शुभकामनाएं

उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ इकाई आंवला (बरेली)

प्रवेन्द्र सिंह तहसील अध्यक्ष

अखिलेश भदौरिया वरिष्ठ उपाध्यक्ष

तेजपाल गंगवार कनिष्ठ उपाध्यक्ष

पंकज सक्सेना तहसील मंत्री

पिंकी सक्सेना उपमंत्री

राहुल कुमार कोषाध्यक्ष

अब्दुल फराज ऑडीटर

सभी देशवासियों एवं क्षेत्रवासियों को

स्वतंत्रता दिवस एवं जन्माष्टमी

की

हार्दिक शुभकामनाएं

श्री सदगुरु देव हास्पिटल

अलीगंज

डॉ. जीराज सिंह यादव

पूर्व ब्लॉक प्रमुख, मझगवां, पूर्व विधायक प्रत्याशी, 126 विधानसभा आंवला

समस्त देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की

हार्दिक शुभकामनाएं

अपील

विदुषी सिंह

उप जिलाधिकारी, आंवला

1. स्वच्छता अभियान में सहयोग करें।
2. सभी राशन विक्रेता निर्धारित समय पर अपनी दुकानें खोलें।
3. राशन कार्डधारकों को शासन द्वारा निर्धारित मानकों व मूल्य पर आवश्यक वस्तुयें प्रदान करें।
4. राशन लेते समय ही मशीन में अंगूठा लगायें।
5. दुकानों के बाहर मूल्य सूची व बोर्ड पर स्टाक प्रस्तुत करें।

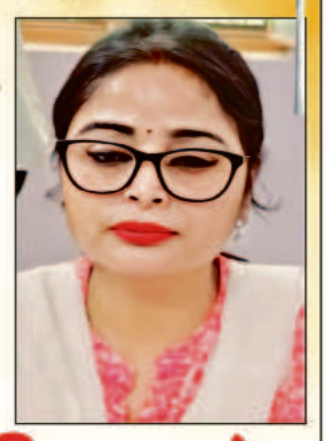

शिखा पाण्डेय

पूर्ति निरीक्षक आंवला

अमृत विचार

लोक दर्पण

रविवार, 17 अगस्त 2025 www.amritvichar.com

विश्व फ़ोटोग्राफ़ी दिवस पर विशेष

‘मेरी पसंदीदा तस्वीर’

कहानी जो दिल में बसती है

जब सारी दुनिया 19 अगस्त को विश्व फ़ोटोग्राफ़ी दिवस मना रही होगी, तब इसकी थीम “मेरी पसंदीदा तस्वीर” हमें केवल एक कला के बारे में सोचने के लिए प्रेरित नहीं करती, बल्कि हमें अपनी सबसे गहरी यादों और भावनाओं की यात्रा पर ले जाती है।

“एक चीज़ जो फ़ोटोग्राफ़ में होनी चाहिए, वह है उस पल की मानवता।” –रॉबर्ट फ्रैंक, स्विस-अमेरिकी फ़ोटोग्राफ़र के इस उद्धरण का अर्थ यह है कि एक अच्छी तस्वीर केवल सुंदर दिखने वाली चीज़ों को कैद नहीं करती, बल्कि मानवीय भावनाओं, संघर्षों और अनुभवों को भी दिखाती है। फ़ोटोग्राफ़ी का इतिहास मानव जिज्ञासा और नवाचार का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जिसकी शुरुआत 1839 में लुई डैगरे की डैगरेरियोटाइप प्रक्रिया के सार्वजनिक अनावरण से हुई थी। उस समय की जटिल और महंगी प्रक्रिया के बावजूद, लोग उन तस्वीरों को अत्यंत सहेज कर रखते थे। वे स्याह-सफेद पोर्ट्रेट, परिवार के सदस्यों की पहली तस्वीर या किसी ऐतिहासिक इमारत का पहला चित्र ही उनकी ‘पसंदीदा तस्वीर’ बन जाती थी। ये तस्वीरें सिर्फ देखने की चीज नहीं थीं, बल्कि एक अनमोल विरासत थीं, जो एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचाई जाती थीं।

अनिल तंवर
सेवानिवृत्त राजभाषा अधिकारी

बीसवीं सदी की शुरुआत में जॉर्ज ईस्टमैन की कंपनी ‘कोडक’ ने फिल्म कैमरों को आम लोगों तक पहुंचाकर इस कला को लोकतांत्रिक बनाया। अचानक, हर परिवार के पास अपनी शादी, बच्चों के जन्मदिन या छुट्टियों की तस्वीरें लेने का साधन आ गया। यही वह समय था जब ‘मेरी पसंदीदा तस्वीर’ का विचार हर घर में जड़ें जमाने लगा। एक पुरानी एलबम में छिपी हुई वह धुंधली तस्वीर, जिसमें दादा-दादी एक साथ हंस रहे हों, आज भी हमारी सबसे पसंदीदा तस्वीरों में से एक है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने हमें अपनी पसंदीदा तस्वीरों को दुनिया के साथ साझा करने का मौका दिया है। यह एक नई चुनौती भी पेश करता है-क्या हमारी पसंदीदा तस्वीर वह है जो हमें सबसे ज्यादा लाइक्स दिलाती है, या वह जो हमारे दिल को सबसे ज्यादा सुकून देती है?

कैमरे के इतिहास ने भी लंबी यात्रा तय की है। वर्ष 1826-1827 में फ्रांस के जोसेफ निसेफोर निप्स ने दुनिया की पहली स्थायी तस्वीर व्यू फ्रॉम दी विंडो एट ले ग्रास बनाई। इसके बाद वर्ष 1837 में लुई डागेयर का योगदान डागेयर ने डागेरोटाइप तकनीक विकसित की, जिसे 1839 में फ्रांसीसी सरकार ने दुनिया के लिए उपहार घोषित किया। प्रगति की रफ़्तार ने 19 अगस्त 1839 के दिन डागेरोटाइप तकनीक को आधिकारिक रूप से सार्वजनिक किया गया और बाद में इस दिन को विश्व फोटोग्राफी दिवस के रूप में मान्यता प्राप्त हुई।

“द वल्चर एंड द चाइल्ड” केविन कार्टर की कहानी

इस तस्वीर में एक बेहद कमजोर और भूख से बेहाल छोटा बच्चा दिखाई देता है, जो सूडान के रेगिस्तान में जमीन पर गिरा हुआ है। उसके ठीक पीछे एक गिद्ध बैठा है, जो बच्चे के मरने का इंतजार कर रहा है ताकि उसे खा सके। यह दृश्य अकाल, गरीबी और मृत्यु की भयावहता को दर्शाता है। इस तस्वीर को 1993 में दक्षिण अफ्रीका के फोटो जर्नलिस्ट केविन कार्टर ने खींचा था। केविन कार्टर ने इस तस्वीर को खींचने के बाद गिद्ध को दूर भगा दिया था। उन्होंने बताया कि वह उस बच्चे को उठाकर राहत शिविर तक नहीं ले जा पाए, क्योंकि उन्हें बीमारी फैलने के डर से लोगों को छूने की सख्त मनाही थी। वे बच्चे को वहीं छोड़कर चले गए। जब यह तस्वीर द न्यूयॉर्क टाइम्स में छपी, तो इसने पूरी दुनिया में एक सनसनी फैला दी। लोगों ने इस तस्वीर को देखकर अकाल की भयावहता को महसूस किया और सूडान की मदद के लिए दान दिया। उन्हें इस तस्वीर के लिए 1994 में पत्रकारिता का सर्वोच्च सम्मान पुलित्जर पुरस्कार मिला, लेकिन यह सम्मान उनके लिए खुशी के बजाय बोझ बन गया। वे गहरे अवसाद में चले गए।

पुलित्जर पुरस्कार प्राप्त करने के कुछ महीनों बाद, 27 जुलाई, 1994 को, केविन कार्टर ने आत्महत्या कर ली। अपनी सुसाइड नोट में उन्होंने लिखा था कि वे दुनिया के दुख से और अपनी ज़िंदगी के “भयावह और डरावने” अनुभवों से तंग आ चुके थे। उन्होंने यह भी लिखा, “मैं भयानक रूप से अकेला हूं...कोई फोन नहीं है, कोई पैसे नहीं हैं...मुझे बच्चों के दर्द और भुखमरी की यादों से भूतों की तरह सताया जा रहा है।”

भारत में पहली तस्वीरें 1840 के दशक में ली गईं

जहां तक भारत की बात है तो भारत में पहली तस्वीरें 1840 के दशक में खींची गईं। 1854 में फोटोग्राफिक सोसाइटी ऑफ़ बंबई (अब मुंबई) की स्थापना हुई, जो उपमहाद्वीप में फोटोग्राफी का केंद्र बनी। आज फोटोग्राफी ने फिल्म कैमरा से लेकर डिजिटल, मिररलेस और स्मार्टफोन फोटोग्राफी तक लंबी छलांग लगाई है और फिर डिजिटल क्रांति ने स्मार्टफोन ने फोटोग्राफी को आमजन तक पहुंचा दिया। अब तो हर घर का हर व्यक्ति फोटोग्राफर बन गया। सोशल मीडिया साइट्स यथा इंस्टाग्राम, पिंटेरेस्ट, फ्लिकर, और 500 पीएक्स जैसी और बहुत सारे विकल्प ने सभी शौकिया और पेशेवर फोटोग्राफरों को वैश्विक मंच प्रदान किया। जहां तक फोटोग्राफी कार्य के भविष्य की बात करे तो अब एआई आधारित एडिटिंग अर्थात कृत्रिम बुद्धिमत्ता अब तस्वीरों की गुणवत्ता सुधारने और क्रिएटिव इफेक्ट्स देने में अहम भूमिका निभा रही है। वीआर और 360 फोटोग्राफी वर्चुअल रियलिटी अनुभव के लिए इमर्सिव फोटोग्राफी का दौर शुरू हो चुका है। सस्टेनेबल फोटोग्राफी पर्यावरण के अनुकूल तकनीक और जिम्मेदार फोटोशूट की ओर रुझान बढ़ रहा है। यह कहा जा सकता है कि फोटोग्राफी सिर्फ़ प्रकाश और लेंस का खेल नहीं है, यह भावनाओं, यादों और कहानियों का संग्रहालय है। विश्व फोटोग्राफी दिवस हमें याद दिलाता है कि एक तस्वीर शब्दों से अधिक ताकतवर हो सकती है, वह इंसानियत, संघर्ष, प्रकृति और सौंदर्य को एक फ्रेम में समेट सकती है।

फोटोग्राफी के मौलिक नियम

अच्छी फोटोग्राफी केवल अच्छे कैमरे पर निर्भर नहीं करती, बल्कि कुछ मौलिक नियमों का पालन करने पर भी निर्भर करती है। रूल ऑफ थर्ड्स नियम कहता है कि तस्वीर को नौ बराबर हिस्सों में बांटने वाली दो-दो क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर रेखाओं की कल्पना करें। मुख्य विषय को इन रेखाओं के प्रतिच्छेदन बिंदुओं पर रखें। यह नियम तस्वीर को अधिक संतुलित और देखने में आकर्षक बनाता है। लीडिंग लाइन्स नियम बताता है कि तस्वीर में ऐसी रेखाओं (जैसे सड़क, नदी, या बाड़) का उपयोग करें जो दर्शक की आंख को तस्वीर के मुख्य विषय की ओर ले जाएं। यह तस्वीर में गहराई और गति का एहसास पैदा करता है। फ्रेमिंग नियम के अनुसार प्राकृतिक फ्रेम (जैसे खिड़की, दरवाज़े, या पेड़ों की शाखाएं) का उपयोग करके मुख्य विषय को अलग करें। यह दर्शक का ध्यान सीधे मुख्य विषय पर केंद्रित करता है और तस्वीर को एक संदर्भ देता है। सिमेट्री और पैटर्न नियम को कुछ मामलों में, समरूपता और दोहराए जाने वाले पैटर्न का उपयोग करके एक शक्तिशाली और शांत छवि बनाई जा सकती है। वास्तुकला और लैंडस्केप फोटोग्राफी में यह नियम बहुत प्रभावी होता है। अंत में बैकग्राउंड नियम यह बताता है कि एक अव्यवस्थित बैकग्राउंड से बचें जो मुख्य विषय से ध्यान हटाता हो। एक साफ और सरल बैकग्राउंड विषय को बेहतर ढंग से उभारता है। विश्व फ़ोटोग्राफ़ी दिवस 2025 की थीम ‘मेरी पसंदीदा तस्वीर’ हमें यह याद दिलाती है कि फ़ोटोग्राफ़ी सिर्फ़ प्रकाश और छाया का खेल नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन का, हमारी यादों का और हमारे अस्तित्व का एक दर्पण है। एक पसंदीदा तस्वीर हमें केवल अतीत में नहीं ले जाती, बल्कि वह हमें आज के पल में भी जीना सिखाती है। फ़ोटोग्राफ़ी एक ऐसी भाषा है जो सीमाओं से परे जाकर हमें एक-दूसरे से, हमारी यादों से और हमारे अस्तित्व से जोड़ती है।

वाइल्ड लाइफ और नेचर फोटोग्राफी

लेंस के पार प्रकृति का प्रेम : तकनीक, कला और वन्यजीव फ़ोटोग्राफ़ी का भविष्य-एक समय था, जब प्रकृति और वन्यजीव फ़ोटोग्राफ़ी का अर्थ केवल एक कैमरा और एक टेलीफ़ोटो लेंस लेकर जंगल में निकलना होता था। यह एक साधना थी, जहां फोटोग्राफर घंटों धैर्य के साथ एक ही जगह पर बैठकर सही रोशनी और सही पल का इंतज़ार करता था। लेकिन आज का दौर बदल चुका है। आधुनिक तकनीक ने इस कला को एक नए आयाम पर पहुंचा दिया है, जहां कैमरा सिर्फ एक यंत्र नहीं, बल्कि एक तीसरी आंख बन गया है-एक ऐसी आंख जो अदृश्य को भी देख सकती है, दूरियों को मिटा सकती है और प्रकृति के मूक संवाद को हम तक पहुंचा सकती है।

आज की नेचर और वाइल्डलाइफ़ फ़ोटोग्राफ़ी कला, विज्ञान और प्रौद्योगिकी का एक खूबसूरत संगम है। यह जुनून अब केवल धैर्य का खेल नहीं रहा, बल्कि यह अत्याधुनिक उपकरणों, सॉफ्टवेयर और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के तालमेल से बुनी गई एक ऐसी गाथा बन गया है, जो न केवल हमें प्रकृति का अद्भुत सौंदर्य दिखाती है, बल्कि उसके संरक्षण के लिए एक आवश्यक संदेश भी देती है।

नया दौर: साधन और तकनीक

पिछली सदी के भारी-भरकम और सीमित क्षमताओं वाले कैमरों की जगह अब हल्के, तेज़ और अत्यधिक कुशल उपकरण आ गए हैं। इस क्रांति का श्रेय मुख्य रूप से मिररलेस कैमरों को जाता है। डीएसएलआर के मुकाबले ये कैमरे तेज़, हल्के और शांत होते हैं, जो वन्यजीव फ़ोटोग्राफ़ी के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। इनका साइलेंट शूटिंग मोड फोटोग्राफर को बिना किसी शोर के जंगली जानवरों की तस्वीरें लेने की सुविधा देता है, जिससे जानवर परेशान नहीं होते। वहीं, हाई- आईएसओ क्षमता कम रोशनी में भी बेहतरीन तस्वीरें लेने में मदद करती है, जैसे कि सुबह की पहली किरण में या शाम के धुंधलके में। लेंसों की दुनिया में भी अभूतपूर्व बदलाव आया है। आज के टेलीफ़ोटो लेंस (जैसे 600एमएम या 800एमएम) न केवल पहले से कहीं अधिक तेज़ और तीक्ष्ण हैं, बल्कि उनमें इन-बिल्ट इमेज स्टेबिलाइज़ेशन भी होता है, जो हाथ से ली गई तस्वीरों में कंपन को कम करता है। इन पारंपरिक उपकरणों के अलावा, ड्रोन ने फ़ोटोग्राफ़ी को एक नया परिप्रेक्ष्य दिया है। एक ड्रोन हमें पक्षियों की नज़र से जंगलों, पहाड़ों और नदियों के अद्भुत एरियल शॉट्स लेने की सुविधा देता है। यह बिना किसी जानवर को परेशान किए, दूर से ही उसके प्राकृतिक आवास का एक भव्य दृश्य प्रस्तुत कर सकता है। हालांकि, ड्रोन का उपयोग करते समय वन्यजीवों की सुरक्षा और नैतिकता का ध्यान रखना अत्यंत आवश्यक है, जिसके लिए सरकारें भी नियम बना रही हैं।

तकनीकी क्रांति: एआई और सॉफ्टवेयर की भूमिका

आज फ़ोटोग्राफ़ी केवल शटर दबाने तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का प्रवेश एक गेम-चेंजर साबित हुआ है। एआई ने फ़ोटोग्राफ़ी के हर चरण को प्रभावित किया है।

- **योजना और खोज :** अब ऐसे स्मार्टफ़ोन ऐप्स मौजूद हैं जो एआई और डेटा का उपयोग करके फोटोग्राफर को बताते हैं कि सूर्योदय या सूर्यास्त का सबसे अच्छा समय और स्थान कौन सा होगा। ये ऐप्स चंद्रमा की गति, तारों की स्थिति और यहां तक कि ज्वार-भाटे तक का सटीक अनुमान देते हैं, जिससे फोटोग्राफर अपनी यात्रा की योजना बेहतर तरीके से बना सकते हैं।
- **क्षेत्र में : एआई-**संचालित ऑटोफोकस प्रणाली ने वन्यजीव फ़ोटोग्राफ़ी को बहुत आसान बना दिया है। आज के कैमरे जानवरों की आंखों को ट्रैक कर सकते हैं, चाहे वह कितनी भी तेज़ी से हिल-डुल रहा हो। यह तकनीक किसी उड़ते हुए पक्षी या दौड़ते हुए चीते की तस्वीरें लेते समय असाधारण रूप से सटीक परिणाम देती है।
- **पोस्ट-प्रोडक्शन (तस्वीर के बाद) :** यहां एआई का सबसे बड़ा प्रभाव देखा जा सकता है।
- **नॉइज़ रिडक्शन : हाई-** आईएसओ तस्वीरों में आने वाले दाने (नॉइस) को एआई-आधारित सॉफ्टवेयर इतनी सफाई से हटाते हैं कि तस्वीर की गुणवत्ता पर कोई असर नहीं पड़ता।
- **शार्पनेस और डिटेल :** एआई तस्वीरों को बिना किसी मानवीय हस्तक्षेप के, उनकी तीक्ष्णता और बारीक विवरणों को बढ़ा सकता है।
- **ऑटोमैटिक एडिटिंग :** सॉफ्टवेयर अब तस्वीर से अवांछित तत्वों को स्वचालित रूप से हटा सकते हैं, जैसे कि किसी तार या छोटी टहनी को, जो तस्वीर को खराब कर रही हो।
- **फ़ोकस स्टैकिंग :** यह तकनीक कई तस्वीरों को मिलाकर एक ऐसी तस्वीर बनाती है जिसमें हर तत्व बिल्कुल स्पष्ट हो। यह तकनीक मैक्रो फ़ोटोग्राफ़ी में बेहद उपयोगी है।
- यह सभी सुविधाएं फोटोग्राफर को न केवल बेहतर तस्वीरें लेने में मदद करती हैं, बल्कि उन्हें कलात्मकता पर अधिक ध्यान केंद्रित करने का समय भी देती हैं।

फ्रेम से परे: नैतिकता और जिम्मेदारी

जब तकनीक इतनी शक्तिशाली हो जाती है, तो नैतिकता और जिम्मेदारी का महत्व और भी बढ़ जाता है। एक फ़ोटोग्राफ़र का पहला कर्तव्य प्रकृति और वन्यजीवों का सम्मान करना है। एक अच्छी तस्वीर के लिए किसी जानवर को परेशान करना या उसके प्राकृतिक आवास में बाधा डालना अनैतिक है। ‘लीव नो ट्रेस’ का सिद्धांत आज के फ़ोटोग्राफ़रों के लिए एक मंत्र की तरह है, जिसका अर्थ है कि वे प्रकृति में सिर्फ़ पैरों के निशान छोड़ें और कुछ न ले जाएं। फोटोग्राफी अब केवल एक कला नहीं, बल्कि नागरिक विज्ञान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी है। कई फ़ोटोग्राफ़र अपनी तस्वीरों के माध्यम से वैज्ञानिक अनुसंधान में योगदान दे रहे हैं। वे जानवरों की पहचान, उनके प्रवास के पैटर्न और दुर्लभ प्रजातियों की मौजूदगी से जुड़ी जानकारी साझा करते हैं, जो संरक्षण प्रयासों के लिए अमूल्य है।

भविष्य की ओर एक नई दृष्टि

- नेचर और वाइल्डलाइफ़ फ़ोटोग्राफ़ी का भविष्य अकल्पनीय रूप से उज्ज्वल है।
- **आभासी वास्तविकता और संवर्धित वास्तविकता :** आने वाले समय में, हम केवल तस्वीरें नहीं देखेंगे, बल्कि वर्चुअल रियलिटी के माध्यम से खुद को जंगल के भीतर महसूस कर सकेंगे। हम किसी जानवर के जीवन को 360-डिग्री के अनुभव में देख पाएंगे, जिससे जागरूकता का एक नया स्तर पैदा होगा।
- **हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग :** यह तकनीक दृश्य प्रकाश से परे की तस्वीरें लेगी, जिससे हमें प्रकृति के ऐसे रंग और पैटर्न देखने को मिलेंगे जो हमारी नग्न आंखों के लिए अदृश्य हैं।
- **एआई-संचालित कहानी :** एआई भविष्य में फोटोग्राफर की सहायता करेगा कि वे कैसे अपनी तस्वीरों को एक कहानी में पिरो सकते हैं, और यह भी सुझाएगा कि कौन सी तस्वीरें सबसे ज्यादा प्रभावी होंगी।
- आज की नेचर और वाइल्डलाइफ़ फ़ोटोग्राफ़ी तकनीक और कला का एक अद्भुत मिश्रण है। जहां तकनीक ने हमें प्रकृति को अभूतपूर्व विस्तार से देखने का मौका दिया है, वहीं कला ने हमें उस सौंदर्य से जुड़ने का रास्ता दिखाया है। अंत में, यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि सभी उन्नत उपकरणों और एआई की मदद के बावजूद, एक अच्छी तस्वीर का सार हमेशा उस मानवीय दृष्टि में रहेगा जो प्रकृति से प्रेम करती है, उसका सम्मान करती है और उसकी रक्षा करने का संदेश देती है। कैमरा केवल एक उपकरण है, लेकिन वह संदेश जो यह पहुंचाता है, वह अमर है।

सेल्फी जुनून: एक डिजिटल रोग या आत्म-अभिव्यक्ति का साधन!

आज की डिजिटल दुनिया में ‘सेल्फी’ शब्द सिर्फ एक तस्वीर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सामाजिक और सांस्कृतिक परिघटना बन चुका है। स्मार्टफोन के फ्रंट कैमरे ने हर व्यक्ति को अपनी कहानी का नायक बना दिया है। सेल्फी लेना अब सिर्फ अपनी यादें संजोने का तरीका नहीं, बल्कि खुद को अभिव्यक्त करने, सामाजिक पहचान बनाने और दुनिया के साथ जुड़ने का एक जुनून बन गया है। यह जुनून इतना व्यापक है कि इसे ‘सेल्फाइटिस’ नामक एक मानसिक स्थिति भी माना गया है।

महिलाओं में बढ़ती असावधानी

हाल के वर्षों में यह देखा गया है कि युवा वर्ग, खासकर युवतियां और महिलाएं, सेल्फी लेते समय अत्यधिक असावधान हो जाती हैं। सोशल मीडिया पर आकर्षक और अनूठी तस्वीर डालने की होड़ में, वे अक्सर ‘मुंह बिगाड़कर’ या अजीबोगरीब मुद्राएं बनाते समय अपने आसपास के खतरों को नजरअंदाज कर देती हैं। उनका सारा ध्यान कैमरे पर होता है, जिससे वे भूल जाती हैं कि वे किसी ऊंचे पहाड़ की चोटी, पुल की रेलिंग, या नदी के किनारे खड़ी हैं। इसी असावधानी के कारण कई दुखद दुर्घटनाएं हुई हैं, जिनमें संतुलन बिगड़ने से जान चली गई है। यह प्रवृत्ति दर्शाती है कि सेल्फी लेते समय सिर्फ जोखिम भरे स्थान पर होना ही खतरनाक नहीं है, बल्कि उस क्षण की पूरी असावधानी भी मौत का कारण बन सकती है।

सेल्फी के जुनून से बचाव, सावधानियां

सेल्फी लेने की आदत को पूरी तरह से छोड़ना संभव नहीं है, लेकिन इसे एक जिम्मेदारीपूर्ण और सुरक्षित तरीके से अपनाया जा सकता है। हमेशा सुरक्षित स्थानों पर ही सेल्फी लें। उन जगहों से बचें जहां फिसलने, गिरने या किसी जानवर के हमले का खतरा हो। किसी भी तस्वीर से पहले अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दें। यह विचार करें कि क्या कोई तस्वीर आपके जीवन से अधिक महत्वपूर्ण है? भारत के कई शहरों, जैसे मुंबई और गोवा, में खतरनाक जगहों पर ‘नो-सेल्फी ज़ोन’ घोषित किए गए हैं। इन क्षेत्रों का सम्मान करें और नियमों का पालन करें। कई बार खतरनाक सेल्फी लेने के चक्कर में हम न केवल अपनी, बल्कि दूसरों की जान को भी खतरे में डाल देते हैं। हमेशा अपने आसपास के लोगों का ध्यान रखें। सोशल मीडिया पर लगातार अपडेट रहने और दूसरों से सत्यापन की लत से बचें। अपनी तस्वीरों को अपनी खुशी के लिए लें, न कि दूसरों को प्रभावित करने के लिए।

सेल्फी लेना एक कला है, और हर कला की तरह, इसे भी संयम और जिम्मेदारी से अपनाना चाहिए। यह हमारी यादों को सहेजने, आत्मविश्वास बढ़ाने और खुद को व्यक्त करने का एक सुंदर माध्यम हो सकता है, बशर्ते हम इसे जुनून न बना लें। जीवन से बढ़कर कोई तस्वीर नहीं हो सकती। आइए, हम अपने ‘सेल्फी जुनून’ को एक ‘सेल्फी विवेक’ में बदलें, जहां हर तस्वीर एक सुरक्षित और सार्थक कहानी कहे।

सकारात्मक पहलू: आत्म-अभिव्यक्ति और आत्मविश्वास

सेल्फी को अक्सर एक सतही आदत माना जाता है, लेकिन इसके कई सकारात्मक पहलू भी हैं। यह आत्म-अभिव्यक्ति का एक शक्तिशाली माध्यम है, जहां लोग अपनी खुशी, सफलता और अद्वितीय पलों को साझा कर सकते हैं। सही एंगल से ली गई एक अच्छी सेल्फी व्यक्ति के आत्मविश्वास को बढ़ा सकती है। यह उसे खुद को बेहतर तरीके से देखने और स्वीकार करने में मदद करती है। सेल्फी के माध्यम से हम अपने जीवन के महत्वपूर्ण पलों, जैसे किसी यात्रा, समारोह या दोस्तों के साथ बिताए गए समय को आसानी से कैद कर सकते हैं। सोशल मीडिया पर अपनी सेल्फी साझा करके हम अपने दोस्तों और परिवार से जुड़े रहते हैं। यह एक संवाद का माध्यम भी है, जहां लोग एक-दूसरे के जीवन के बारे में अपडेट रहते हैं। जहां सेल्फी आत्म-अभिव्यक्ति का एक साधन है, वहीं इसका अत्यधिक जुनून एक गंभीर समस्या बन चुका है। सेल्फी लेने का मुख्य उद्देश्य अक्सर दूसरों से ‘लाइक्स’ और ‘कमेंट्स’ प्राप्त करना होता है। यह दूसरों से सत्यापन पाने की एक लत पैदा करता है, जिससे व्यक्ति का आत्म-सम्मान बाहरी प्रतिक्रियाओं पर निर्भर हो जाता है। सोशल मीडिया पर ‘परफेक्ट’ तस्वीरों की होड़ लोगों में असुरक्षा की भावना पैदा करती है। लोग अपनी असली छवि को छिपाकर एक आदर्श डिजिटल छवि बनाने की कोशिश करते हैं, जिससे मानसिक तनाव और हीन भावना बढ़ सकती है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि एक ‘अद्वितीय’ सेल्फी लेने की चाहत में लोग अक्सर अपनी जान जोखिम में डाल देते हैं। यह जुनून उन्हें ऊंची चट्टानों, चलती ट्रेनों के सामने या खतरनाक जानवरों के पास जाने के लिए प्रेरित करता है, जिसका परिणाम अक्सर दुखद होता है।

'सब ठीक है' की मुस्कान के पीछे का डिप्रेशन

'सब ठीक है' – ये तीन शब्द जब मुस्कान के साथ बोले जाते हैं, तो अक्सर सामने वाले को यह विश्वास हो जाता है कि वास्तव में सब ठीक है, लेकिन भारत में मानसिक स्वास्थ्य के परिदृश्य को देखें तो यह वाक्य एक चुप्पी की परत के नीचे दबे उस दर्द की झलक देता है, जिसे हम अक्सर नज़रअंदाज़ कर देते हैं। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण (2015-16) के अनुसार, भारत की लगभग 14 प्रतिशत आबादी किसी न किसी मानसिक विकार से पीड़ित है, जिसमें डिप्रेशन सबसे सामान्य है। फिर भी, ऐसे लोगों में से लगभग 80 प्रतिशत कभी किसी चिकित्सकीय मदद तक नहीं पहुंचते। कारण? क्योंकि हमारे समाज में मानसिक बीमारी को अब भी कमज़ोरी माना जाता है और व्यक्ति अपनी मनोदशा छिपाने के लिए एक नकली मुस्कान ओढ़ लेता है।

अमेरिकी मनोविश्लेषक कार्ल जंग ने लिखा था -"सबसे भयावह बात है स्वयं को पूरी तरह स्वीकार करना।" जब व्यक्ति अपने ही भीतर स्वीकार नहीं कर पाता कि वो टूट रहा है, तो वो दुनिया के सामने मजबूती का अभिनय करता है - एक खामोश अभिनय, जो भीतर से धीरे-धीरे उसे खा जाता है। यह मुस्कराहट दरअसल एक 'कॉपिंग मेकेनिज्म' बन जाती है, जिसमें व्यक्ति अपनी तकलीफों को ज़ाहिर करने से ज्यादा, उन्हें दबाकर जीने लगता है -और यही चुप्पी डिप्रेशन की ज़मीन तैयार करती है।

वीरेंद्र कुमार
स्वतंत्र लेखक

डिप्रेशन केवल उदासी नहीं है- यह एक जटिल मानसिक स्थिति है जो व्यक्ति की सोच, व्यवहार, ऊर्जा और संबंधों को गहराई से प्रभावित करती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लू एच ओ) के अनुसार, डिप्रेशन 2030 तक वैश्विक स्तर पर कार्यक्षमता को प्रभावित करने वाली सबसे बड़ी बीमारी बनने वाली है। भारत में हर साल लगभग दो लाख लोग आत्महत्या करते हैं और इनमें से एक बड़ा हिस्सा अवसादग्रस्त होते हैं। आश्चर्यजनक रूप से, इनमें कई लोग ऐसे होते हैं जो रोज़ाना ऑफिस जाते हैं, परिवार के साथ बैठते हैं, दोस्तों से मज़ाक करते हैं -और फिर भी अकेले होते हैं। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के प्रसिद्ध क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट डॉ. स्टीवन हेस के अनुसार, "जो व्यक्ति लगातार यह दिखाने की कोशिश करता है कि वह ठीक है, वह अक्सर सबसे जयादा मदद की ज़रूरत में होता है।" यह 'फंक्शनल डिप्रेशन' का रूप होता है - जहां व्यक्ति जीवन की सभी बाहरी जिम्मेदारियां निभाता रहता है, लेकिन भीतर से धीरे-धीरे खाली होता जाता है। ऐसे लोग अपनी भावनाओं को या तो दबा देते हैं या उन्हें पहचान ही नहीं पाते। क्योंकि समाज ने 'मजबूत बने रहो' और 'कमज़ोरी मत दिखाओ' जैसे आदर्श गढ़ दिए हैं, जिससे व्यक्ति के पास अपनी टूटन को स्वीकारने की कोई सुरक्षित जगह नहीं बचती। मुस्कुराहट, जो कभी खुशी की पहचान होती थी, अब एक ढाल बन जाती है-एक मास्क, जिसके पीछे बहुत कुछ असली छिपा होता है।

'स्माइलिंग डिप्रेशन' या 'हाई-फंक्शनिंग डिप्रेशन

- इस 'मुस्कुराते हुए डिप्रेशन' को समझने के लिए हमें इसके लक्षणों को उस पारंपरिक समझ से बाहर देखना होगा, जिसमें डिप्रेशन का मतलब सिर्फ रोना, अकेले रहना या काम में रुचि न लेना माना जाता है। आधुनिक मनोविज्ञान में इसे 'स्माइलिंग डिप्रेशन' या 'हाई-फंक्शनिंग डिप्रेशन' कहा जाता है, जहां व्यक्ति पूरी तरह से "नॉर्मल" दिखता है - वह सोशल मीडिया पर एक्टिव रहता है, मीटिंग में प्रेजेंटेशन देता है, बच्चों को स्कूल छोड़ता है, और ज़रूरत पड़े तो चुटकुले भी सुना देता है। लेकिन भीतर वह भावनात्मक रूप से टूट रहा होता है, आत्म-मूल्य में कमी महसूस करता है और जीवन की अर्थवत्ता पर सवाल उठाता है। यह विरोधाभास एक बेहद खतरनाक स्थिति पैदा करता है, क्योंकि ऐसे लोग न तो मदद मांगते हैं और न ही आसपास के लोग उन्हें ज़रूरतमंद समझते हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेज़ की रिपोर्ट के अनुसार, डिप्रेशन से पीड़ित लगभग 60 प्रतिशत लोग कभी इसे ज़ाहिर ही नहीं करते, और यह अनुपचारित रह जाता है। इस स्थिति में 'सब ठीक है' कहना दरअसल एक सामाजिक उत्तरदायित्व से बचाव है-जैसे कि दर्द जताना एक अपराध हो। यह सोच गहराई से जुड़ी है हमारे समाज की उस मानसिकता से, जो भावना को कमजोरी और संघर्ष को निजी विफलता मानती है। जब तक यह सोच नहीं बदलेगी, तब तक ऐसी मुस्कराहटें हमें धोखा देती रहेंगी -और हम उन लोगों को खोते रहेंगे जो हर दिन हमारे साथ दिखते हैं, लेकिन अकेले जूझते हैं।
- इस जटिल मनःस्थिति के समाधान की दिशा में पहला कदम है-स्वीकृति। व्यक्ति को यह समझने और स्वीकारने की ज़रूरत है कि मानसिक अस्वस्थता कोई शर्म की बात नहीं, बल्कि एक सामान्य, मानवीय अनुभव है। जैसे हम जुखाम या बुखार में डॉक्टर के पास जाते हैं, वैसे ही डिप्रेशन के लिए भी साइकोलॉजिकल या साइकेट्रिक मदद लेना बिलकुल स्वाभाविक है। दूसरी महत्वपूर्ण बात है-बातचीत। अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन की एक स्टडी बताती है कि नियमित बातचीत और भावनाओं की अभिव्यक्ति, डिप्रेशन से उबरने में दवा जितनी ही प्रभावी भूमिका निभा सकती है। यहां 'टॉक थेरपी' यानी काउंसलिंग का महत्व बढ़ जाता है। प्रसिद्ध मनोविश्लेषक विक्टर फ्रैंकल ने कहा था -"जब हम किसी स्थिति को बदलने में सक्षम नहीं होते, तो हमें स्वयं को बदलने की चुनौती मिलती है।" इसका मतलब यही है कि अगर हम परिस्थितियां नहीं बदल सकते, तो कम से कम खुद को इस लायक बना सकते हैं कि उनसे स्वस्थ तरीक़े से निपट सकें। आज भारत में हजारों प्रशिक्षित काउंसलर, ऑनलाइन थेरपी प्लेटफ़ॉर्म और हेल्पलाइन नंबर उपलब्ध हैं - लेकिन ये तभी मदद करेंगे जब व्यक्ति स्वयं पहल करेगा, और समाज उसे इस पहल के लिए प्रोत्साहित करेगा। इसके लिए यह ज़रूरी है कि हम अपने घरों, स्कूलों, ऑफिसों और सोशल ग्रुप्स में मानसिक स्वास्थ्य को बातचीत का हिस्सा बनाएं- बिना झिझक, बिना जजमेंट के। तभी वह मुस्कान सच्ची होगी जो आज सिर्फ एक मुखौटा बनकर रह गई है।

डिप्रेशन से निपटना एक सामाजिक ज़िम्मेदारी

लेकिन डिप्रेशन से निपटना केवल व्यक्तिगत प्रयास का विषय नहीं है-यह एक सामाजिक ज़िम्मेदारी भी है। हमारे घरों में, कार्यस्थलों पर, स्कूलों और कॉलेजों में एक ऐसा वातावरण बनाना ज़रूरी है जहां कोई भी व्यक्ति अपनी मन :स्थिति को बिना डर या शर्म के व्यक्त कर सके। विशेषकर पुरुषों और बुज़ुर्गों के संदर्भ में यह और भी ज़रूरी है, क्योंकि परंपरागत सामाजिक ढांचे में इन्हें 'मजबूत' बने रहना सिखाया गया है। यही कारण है कि पुरुषों में आत्महत्या की दर महिलाओं से लगभग तीन गुना अधिक पाई जाती है, जैसा कि एनसीआरबी की 2023 की रिपोर्ट दर्शाती है। इस सामाजिक दबाव के चलते न केवल व्यक्ति, बल्कि पूरा परिवार अवसाद की गिरफ्त में आ सकता है। समाज को यह समझना होगा कि मानसिक स्वास्थ्य केवल 'पागलपन' या 'कमज़ोरी' से नहीं जुड़ा है, बल्कि यह भी स्वास्थ्य का उतना ही महत्वपूर्ण हिस्सा है जितना शारीरिक स्वास्थ्य। मीडिया, मनोरंजन और साहित्य को भी इस विषय को गंभीरता से लेना होगा-नकारात्मक या मज़ाकिया चित्रण के बजाय संवेदनशील और शिक्षाप्रद प्रस्तुतियां देनी होंगी। स्कूलों में 'इमोशनल इंटेलिजेंस' और मानसिक स्वास्थ्य पर कक्षाएं होनी चाहिए, और दफ़्तरों में 'मेंटल हेल्थ डे' या 'काउंसलिंग सेल' जैसी पहलें शुरू की जानी चाहिएं। जब तक हम एक समाज के तौर पर इस चुप्पी को तोड़ने का साहस नहीं दिखाएंगे, तब तक हर घर, हर दफ़्तर में कोई न कोई 'सब ठीक है' कहता हुआ भीतर ही भीतर टूटता रहेगा और हम अनजान बने रहेंगे।

हमें स्वीकार करना होगा 'सब ठीक है'!

हमें यह स्वीकार करना होगा कि 'सब ठीक है' कह देने से चीज़ें सचमुच ठीक नहीं हो जातीं। यह वाक्य कई बार एक दर्दनाक चुप्पी को ढकने की कोशिश मात्र होता है - एक ऐसी चुप्पी जो भीतर बहुत कुछ कह रही होती है। ऐसे में ज़रूरत है संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाने की, जहां हम अपने आसपास के लोगों को केवल उनके शब्दों से नहीं, उनकी खामोशी, हावभाव और व्यवहार से भी समझने की कोशिश करें। अगर कोई दोस्त अचानक बहुत शांत हो गया है, कोई सहकर्मी बार-बार थका हुआ महसूस करता है, या कोई करीबी हमेशा मुस्कुराकर टाल देता है-तो यह संकेत हो सकते हैं कि उसे किसी की सुनने की ज़रूरत है। ऐसे में केवल इतना पूछ लेना- "सच में सब ठीक है?" - किसी की ज़िंदगी बचा सकता है। आत्महत्या की रोकथाम में काम कर रही संस्थाएं जैसे आई कॉल, आसरा, फोर्टिस मानसिक स्वास्थ्य हेल्पलाइन आदि ऐसे बहुत से प्लेटफॉर्म्स हैं जो गुमनाम और सुरक्षित मदद उपलब्ध कराते हैं। लेकिन यह मदद तभी प्रभावी होगी जब समाज उसे स्वीकारेगा, प्रोत्साहित करेगा और खुले मन से उसके बारे में बात करेगा। अंततः यह हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम एक ऐसा माहौल बनाएं जहां लोग नकली मुस्कानों के पीछे छिपने को मजबूर न हों - बल्कि सचमुच कह सकें, "हां, अब सब सच में ठीक है।" यही वह बदलाव है जो आज के समय में सबसे ज़रूरी और सबसे मानवीय है।

शालाक्य तंत्र में है विभिन्न रोगों का आधुनिक तकनीक के साथ एकीकृत उपचार

डॉ अजॉय विश्वाम
एसोसिएट प्रोफेसर शालाक्य तंत्र, रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालय बरेली।

आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति हजारों वर्षों से मानव स्वास्थ्य की रक्षा और संवर्धन में अपना योगदान देती आ रही है। इसमें वर्णित अष्टांग आयुर्वेद के आठ अंगों में से एक शालाक्य तंत्र विशेष रूप से आंख, कान, नाक, गला और मुख से संबंधित रोगों के निदान और उपचार के लिए प्रसिद्ध है। "शालाक्य शब्द का अर्थ है पतली छड़नुमा उपकरण, जिनसे सूक्ष्म जांच और चिकित्सा की जाती थी। सुश्रुत संहिता में इस तंत्र का विस्तृत विवरण मिलता है। आज के युग में जब प्रदूषण, डिजिटल स्क्रीन का अत्यधिक उपयोग, अनियमित जीवनशैली और तनाव ने इन्द्रियों से संबंधित रोगों को बढ़ा दिया है, तब शालाक्य तंत्र और आधुनिक चिकित्सा तकनीक का संगम एक अत्यंत प्रभावी और सुरक्षित विकल्प बनकर उभर रहा है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और आधुनिक प्रासंगिकता

प्राचीन आयुर्वेदाचार्यों ने हजारों वर्ष पहले ही आंख, कान, नाक और मुख के रोगों के कारण, लक्षण और उपचार को विस्तार से समझा। आज भी इन सिद्धांतों की वैज्ञानिकता आधुनिक चिकित्सा में मान्य है।

उदाहरण के लिए-आंखों की ताजगी बनाए रखने के लिए नेत्र तर्पण जैसी पद्धतियां अब आर्टिफिशियल टीयर्स और ओक्युलर ल्यूब्रिकेंट्स के सिद्धांत से मेल खाती हैं।

नस्य क्रिया से नाक और साइनस की सफाई का सिद्धांत आज सलाइन नेज़ल स्प्रे और नेज़ल इरिगेशन में अपनाया जाता है।

गण्डूष का प्रभाव बैक्टीरिया को कम करने में आधुनिक माउथवॉश के समान है, लेकिन औषधीय तेल के उपयोग से दीर्घकालिक लाभ मिलता है।

शालाक्य तंत्र के प्रमुख क्षेत्र

- नेत्र रोग विज्ञान-दृष्टि दोष, ड्राई आई, मोतियाबिंद, ग्लॉकोमा, नेत्रशोथ।
- कर्ण रोग विज्ञान-कान का दर्द, श्रवण शक्ति में कमी, टिनिटस, कान बहना।
- नासिका रोग विज्ञान-साइनस, एलर्जी, नाक से खून, नाक बंद होना।
- कंठ रोग विज्ञान-स्वरयंत्र की समस्या, टॉन्सिलाइटिस, गले की सूजन।
- मुख और दंत रोग विज्ञान-पायरिया, मसूड़ों से खून, दांत दर्द, बदबू।

आधुनिक तकनीक के साथ संयोजन

नेत्र चिकित्सा

नेत्र तर्पण के साथ ओसीटी (ऑप्टिकल कोहेरेंस टोमोग्राफी) और फंडस कैमरा जैसे आधुनिक उपकरणों से आंख के अंदरूनी हिस्से की सूक्ष्म जांच की जाती है। आयुर्वेदिक औषधियों से आंखों की देखभाल के साथ लेज़र तकनीक द्वारा मोतियाबिंद और रेटिना समस्याओं का त्वरित समाधान संभव है।

नेत्र तर्पण-औषधीय घी को आंखों में रोककर पोषण देना, ड्राई आई, थकान और दृष्टि दोष में अत्यंत लाभकारी।

पुटपाक-औषधीय द्रव की भाप से आंखों को स्निग्धता और शीतलता प्रदान करना।

अंजन-औषधीय लेप या काजल से आंखों की सफाई और रोग निवारण।

शिरोभ्यंग व शिरोधारा-नेत्र एवं मस्तिष्क को शांत करके तनावजन्य नेत्र रोगों का समाधान। नेत्र सेंक, नेत्र आश्चयोतन, नेत्र पिण्डी, नेत्र बिडायक आदि क्रियाओं द्वारा नेत्र रोगों में लाभदायक एवं नेत्र स्वास्थ्य बनाए रखने में सहायक होते हैं।

कर्ण चिकित्सा में संयोजन- कर्ण पूरण ,कर्ण धूपन जैसी पारंपरिक विधि के साथ ऑडियोमेट्री टेस्ट और ओएई (ओटोएकॉस्टिक उत्सर्जन) जैसी जांचें श्रवण क्षमता की सटीक माप देती हैं। कान में संक्रमण के लिए औषधीय तेल और आधुनिक माइक्रो सक्शन डिवाइस का संयुक्त उपयोग तेजी से राहत देता है।

कर्ण पूरण – औषधीय तेल को कान में डालकर दर्द, सूजन और श्रवण समस्याओं का इलाज, अनिद्रा की अवस्था मंव अत्यंत उपयोगी।

धूमपान चिकित्सा-औषधीय धुएं से कान-नाक-गले के रोगों में राहत।

कर्ण धूपन-औषधि द्रव्यों के धुएं से कान के संक्रमण, स्राव आदि को ठीक किया जाता है, कर्ण कृमि (मैगट्स) में भी धूपन अत्यंत प्रभावी है।

नासिका चिकित्सा

नस्य क्रिया के साथ सीटी स्कैन पैरानैसल साइनस (पीएनएस) जांच रोग के स्थान और गंभीरता का पता लगाने में मदद करती है। एलर्जिक राइनाइटिस में औषधीय नस्य के साथ एयर प्यूरीफायर का उपयोग लाभकारी सिद्ध होता है। नाक के माध्यम से औषधीय घी या तेल प्रविष्ट कराना नस्य, जो साइनस, माइग्रेन, सिरदर्द, एलर्जी और नाक के रोगों में लाभकारी है।

गला और मुख रोग

- गण्डूष और कवल के साथ आधुनिक लैरिंगोस्कोपी द्वारा स्वरयंत्र और गले की सूक्ष्म जांच की जाती है। दंत समस्याओं में हर्बल मंजन के साथ डिजिटल डेंटल एक्स-रे और अल्ट्रासोनिक स्केलिंग का उपयोग बेहतर परिणाम देता है।
- गण्डूष और कवल-औषधीय काढ़ा या तेल से गरारे और कुल्ले करके मुख रोगों का निवारण।
- टॉन्सिल, आवाज की समस्या, मुख के छाले और गले के संक्रमण का उपचार।

दंत चिकित्सा

- दंत मंजन, प्रतिसारण, गण्डूष और औषधीय कुल्ला मसूड़ों को स्वस्थ रखते हैं और दांतों की उम्र बढ़ाते हैं।
- पायरिया, मसूड़ों से खून और दांत दर्द में विशेष लाभ।
- सुश्रुत संहिता में वर्णित 101 प्रकार की शलाकाओं का उद्देश्य रोग प्रभावित अंग की सूक्ष्म जांच था। आज इनका स्थान एंडोस्कोप, माइक्रोस्कोप, लेज़र डिवाइस और डिजिटल स्कैनर ने ले लिया है। लेकिन सिद्धांत वही है- रोग की गहराई तक जाकर उसे समझना और उपचार करना।

आधुनिक युग में शालाक्य तंत्र की आवश्यकता

आज की जीवनशैली में आंखों की थकान, ड्राई आई, स्क्रीन से संबंधित दृष्टि दोष, कानों में शोर (टिनिटस), प्रदूषणजनित एलर्जी, साइनस, गले की खराश, और दंत रोग तेजी से बढ़ रहे हैं। शालाक्य तंत्र इन समस्याओं का प्राकृतिक, दुष्प्रभाव-रहित और लंबे समय तक असरदार समाधान प्रदान करता है। जब इसे डिजिटल डायग्नॉस्टिक्स और मॉडर्न सर्जिकल टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ा जाता है, तो उपचार और भी तेज, सटीक और सुरक्षित हो जाता है।

रोकथाम और स्वास्थ्य संवर्धन

शालाक्य तंत्र केवल इलाज नहीं करता, बल्कि रोग से बचाव पर भी बल देता है:

- सुबह-शाम नेत्र पर ठंडे पानी के छींटे।
- कान में नुकीली वस्तु न डालना।
- मौसमी, संतुलित और ताजे भोजन का सेवन।
- मुख और दांतों की नियमित सफाई।
- नस्य और गण्डूष को दैनिक दिनचर्या में शामिल करना।

क्या है नियम- 20-20-20 नियम के अनुसार हर 20 मिनट स्क्रीन जैसे मोबाइल, लैपटॉप या टीवी देखने के बाद 20 सेकंड के लिए 20 फीट दूर किसी वस्तु को देखना चाहिए। ऐसा करने से आंखों को आराम मिलता है, पलक झपकने की प्राकृतिक दर बनी रहती है और डिजिटल स्क्रीन से होने वाली थकान, सूखापन और धुंधलापन कम होता है। ईएनटी के दृष्टिकोण से भी यह नियम उपयोगी है। लंबे समय तक हेडफोन या ईयरबड का लगातार उपयोग कानों को थका देता है और सुनने की क्षमता पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है, साथ ही 60-60 का नियम अपनाना चाहिए। जिसमें वॉल्यूम 60 प्रतिशत से कम और एक बार में 60 मिनट से कम समय तक सुनना शामिल है।

शालाक्य तंत्र आयुर्वेद की वह धरोहर है, जो आधुनिक तकनीक के साथ मिलकर और भी सशक्त हो जाती है। पारंपरिक विधियों की जड़ से जुड़ी वैज्ञानिकता और आधुनिक जांच-उपचार उपकरणों की सटीकता का संगम, रोगियों को सुरक्षित, प्रभावी और दीर्घकालिक राहत प्रदान करता है। कई प्रतिष्ठित संस्थान जैसे रोहिलखंड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल, बरेली में शालाक्य तंत्र की पारंपरिक विधियों को मॉडर्न ऑप्थैल्मोलॉजी, ईएनटी और डेंटल साइंस की तकनीकों से जोड़ा जा रहा है। यहां पर रोगी को आयुर्वेदिक औषधियों के साथ-साथ आधुनिक जांच और सर्जरी की सुविधा भी दी जाती है, जिससे उपचार के परिणाम बेहतर और स्थायी होते हैं।

साप्ताहिक राशिफल

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

मेष
यह सप्ताह यात्राओं पर जाने के लिए अनुकूल रहेगा। आप बड़े पैमाने पर विभिन्न स्थानों पर अपनी प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए यात्रा करेंगे। पिता और बुजुर्गों का साथ मिलने से आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। गुरुओं से आशीर्वाद प्राप्त के लिए एक लाभकारी समय है, घर में आनंद का माहौल रहेगा।

वृष
इस सप्ताह का आरंभ आपके स्वास्थ्य, खुशी, कार्य कुशलता, आत्मविश्वास और धैर्य के लिए शुभ रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यों को पूरा करने में आ रही बाधाएं समाप्त होगी। कोई नया काम शुरू करने का प्लान बन सकता है सप्ताह के मध्य भाग में भाग्य का सहयोग प्राप्त होने से आपके महत्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे और आप प्रसन्न रहेंगे।

मिथुन
इस सप्ताह की शुरुआत में आपका वैवाहिक जीवन के सुख में वृद्धि होगी आपको सलाह दी जाती है कि आप पारिवारिक जीवन और सामाजिक जीवन की जिम्मेदारियां को पूरा करने का भरपूर प्रयास करें। साझेदारी से संबंधित निर्णय लेने के लिए समय उपयुक्त है।

कर्क
इस सप्ताह आपको कई बार ऐसा महसूस होगा कि आपके द्वारा किए गए प्रयास या फिर परिश्रम का आपको कम फल प्राप्त हो रहा है। स्वजनों के सहयोग और समर्थन को लेकर भी आप थोड़ा कम संतुष्ट रहेंगे। आपको करियर-कारोबार के सिलसिले में लंबी दूरी की यात्रा पर निकलना पड़ सकता है।

सिंह
इस सप्ताह की शुरुआत भले ही थोड़ी उतार-चढ़ाव भरी रहने वाली हो लेकिन उत्तरार्ध तक चीजें एक बार फिर पटरी पर लौटती हुई नजर आएंगी। ऐसे में आपको इस सप्ताह यदि किसी कार्य में मनचाही सफलता न मिले तो निराश होने की बजाय लगातार उस दिशा में प्रयास करते रहना उचित रहेगा।

कन्या
इस सप्ताह करियर-कारोबार से लेकर निजी जीवन से जुड़ी समस्याएं घेरे रहने वाली हैं। जिनका सामना आपको बड़ी सूझबूझ और धैर्य से करना होगा। आपके कामकाज में अड़ंगे आते हुए नजर आएंगे। कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर से सहयोग और समर्थन और सहयोग भी बामुश्किल मिल पाएगा।

तुला
यह सप्ताह मिलाजुला रहने वाला है। यदि आप व्यवसाय से जुड़े हैं तो आपको इस सप्ताह बाजार में बड़े उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है। कारोबार की दृष्टि से पूर्वार्ध तो ठीक-ठाक रहेगा लेकिन उत्तरार्ध में आपको अपने कंपटीटर से कड़ा मुकाबला करना पड़ेगा।

वृश्चिक
यह सप्ताह मध्यम फलदायी है। आर्थिक दिक्कतों से बचने के लिए सप्ताह की शुरुआत से अपने धन का प्रबंधन करके चलें और धन के लेनदेन में सावधानी बरतें। किसी कार्य विशेष के लिए किए गए प्रयासों में सफलता न मिलने के कारण मन खिन्न रहेगा। इस दौरान नौकरीपेशा लोगों के कार्य अथवा स्थान में बदलाव के भी आसार बन रहे हैं।

धनु
यह सप्ताह शुभता और सौभाग्य लिए हुए है। इस सप्ताह किसी व्यक्ति विशेष की मदद से आपके जीवन से जुड़ी बड़ी मुश्किलें दूर हो जाएंगी। इस पूरे सप्ताह आपको स्वजनों और इष्ट-मित्रों का सहयोग और समर्थन मिलेगा। सप्ताह के पूर्वार्ध में विशेष परिश्रम और भागदौड़ से आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य पूरा होगा।

मकर
इस सप्ताह काफी भागदौड़ वाला साबित होगा। इस सप्ताह आपको छोटी-छोटी चीजों के लिए अधिक परिश्रम और प्रयास करना पड़ सकता है। सप्ताह की शुरुआत में आपका पूरा ध्यान घरेलू मसलों को सुलझाने पर केंद्रित रहेगा। इस दौरान घर के किसी सदस्य की सेहत भी आपकी चिंता का बड़ा कारण बनेगी।

कुंभ
सप्ताह के शुरुआत में अति उत्साह से बचने की आवश्यकता रहेगी। इस दौरान जल्दबाजी अथवा अति आत्मविश्वास के कारण आपके बनते काम भी बिगड़ सकते हैं। ऐसे में किसी भी कार्य को धैर्यपूर्वक और सलीके से करने का प्रयास करें। घर-परिवार में पैतृक संपत्ति आदि को लेकर विवाद हो सकता है।

मीन
इस सप्ताह के प्रारंभ में कामकाज के सिलसिले में जरा ज्यादा ही भागदौड़ करनी पड़ सकती है लेकिन सकारात्मक पक्ष यह है कि आपके द्वारा की गई मेहनत का पूरा फल मिलेगा। इस सप्ताह पैसा और प्यार दोनों आपकी झोली में गिरेगा। स्वजनों के साथ पैदा हुई गलतफहमियां दूर होंगी और एक बार फिर साथ जुड़कर आगे बढ़ने का मौका मिलेगा।

वर्ग पहेली (काकुरो)

काकुरो पहेली वर्ग पहेली के समान हैं, लेकिन अक्षरों के बजाय बोर्ड अंकों (1 से 9 तक) से भरा है। निर्दिष्ट संख्याओं के योग के लिए बोर्ड के वर्गों को इन अंकों से भरना होगा। आपको दी गई राशि प्राप्त करने के लिए एक ही अंक का एक से अधिक बार उपयोग करने की अनुमति नहीं है। प्रत्येक काकुरो पहेली का एक अनूठा समाधान है।

काकुरो 22

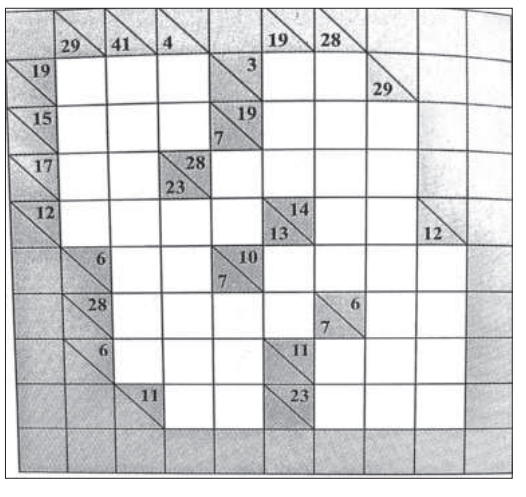

काकुरो 21 का हल

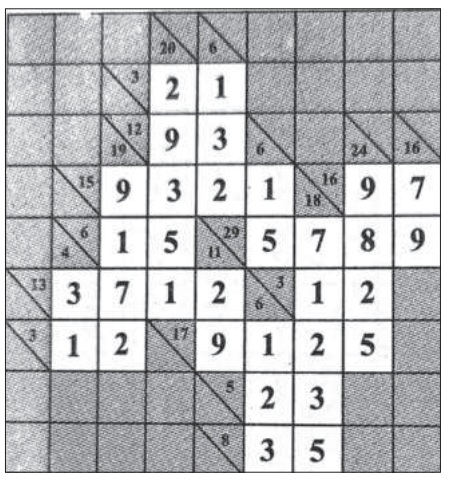

शब्द संसार

कहानी

असली व्रत

महज़ तीन-चार महीने ही बीते होंगे कि अयान और सान्वी अपने तीन बच्चों-रेयान, अनन्या और अद्विका के साथ गांव से आकर एक बड़े मेट्रो सिटी में बस गए थे। गांव में खेत, ट्यूब वैल, खेतों में लहलहाती फसलें तो वहीं चरागाहों में चरते ढ़ोर, तालाब, जोहड़ और खुली हवा थी, लेकिन शहर में तेज़ रफ्तार जिंदगी, ट्रैफिक व फैक्ट्रियों का शोर और धुंआ, और हर तरफ भाग-दौड़ और आपा-धापी भरा माहौल था। शहर की सुबह हल्की-सी धुंध और तेज़ रफ्तार के संग जागती थी। सड़कों पर दूध और अख़बार वाले साइकिलें दौड़ाते निकल जाते, तो कहीं ऑटो और बसों की घरघराहट सुनाई देती। गाड़ियों के हॉर्न, चाय की दुकानों से उठती भाप, और फुटपाथ पर जल्दी-जल्दी कदम बढ़ाते लोग-सब मिलकर एक अलग-सी भागदौड़ का संगीत रचते।

आसमान में उगता सूरज कांच की ऊंची इमारतों पर सुनहरी चमक बिखेर देता, और पार्कों में कुछ लोग अब भी मॉर्निंग वॉक या योग में मग्न रहते। इस भीड़-भाड़ के बीच, हर कोई अपने दिन की दौड़ शुरू करने को तैयार दिखता। शुरुआत में तो बच्चे शहर आकर काफी खुश हुए। उनके तीन बच्चे-रेयान, अनन्या और अद्विका-नई-नई चीज़ों में खोए रहते और उन्हें शहर में आकर एक अलग ही रोमांच का अनुभव हुआ, लेकिन जैसे-जैसे समय के पंख लगते जा रहे थे, उनका यह रोमांच जैसे खत्म सा हो रहा था। कुछ ही समय में उन्होंने यह महसूस किया कि यहां की जिंदगी में शोरगुल, प्रदूषण और हर कहीं तन्हाइयों का ही आलम है, मन की शांति बहुत कम या न के बराबर ही है। सान्वी को सबसे ज्यादा चिंता इस बात की थी, कि शहर की आपाधापी भरी जिंदगी में उसके बच्चों का ध्यान पढ़ाई और संस्कारों से भटक न जाए। वह चाहती थी कि उसके बच्चे अन्य बच्चों की भांति सिर्फ और परीक्षाओं में अंकों और प्रतियोगिता के पीछे न भागें, बल्कि जीवन में 'धैर्य' और 'आत्मसंयम' भी सीखें। अयान का भी यह मानना था कि जीवन में सफलता सिर्फ और सिर्फ मेहनत से नहीं, बल्कि सही मनोवृत्ति से मिलती है। सफलता के लिए स्पष्ट लक्ष्यों के साथ धैर्य और सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखना बहुत ही महत्वपूर्ण और आवश्यक है। एक दिन की बात है। सुबह के समय सान्वी घर में झाड़ू-पौंछा कर रही थी। तभी उनके मोहल्ले में लाउडस्पीकर की आवाज उसके कानों में गूंजी-'सुनिए...सुनिए...सुनिए...आपके शहर में आगामी सप्ताह भव्य जन्माष्टमी उत्सव, मटकी-फोड़, झूलन और भजन-संध्या का आयोजन

किया जा रहा है। आप सभी से निवेदन है कि आप इस पावन अवसर पर सभी जरूर-जरूर पधारें और पुण्य के भागीदार बनें।' सान्वी झाड़ू पौंछा करते-करते यह सब बड़े ध्यान से सुन रही थी। लाउडस्पीकर पर घोषणा सुनकर वह मन ही मन जैसे मुस्काई और दौड़कर अयान के कमरे में आई और उससे कहने लगी-' सुना आपने? अपने शहर में जन्माष्टमी उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। ये अच्छा मौका है, बच्चों को भगवान कृष्ण जी का असली संदेश समझाने का।' अयान, सान्वी की बातों से जैसे सहमत था। वह सान्वी की बात सुनकर मन ही मन मुस्काया और सान्वी को कहा- 'तुम बिल्कुल ठीक कहती हो। अच्छा तो मेरे लिए एक गरमागरम चाय तो दे दो।' सान्वी ने अपने पति अयान की बात सुनी और चाय बनाने के लिए रसोई में आ गई। थोड़ी देर बाद उसने अयान को चाय सर्व की और उसने खुद भी चाय की चुस्कियां लीं।

बाद में वह घर के काम-काज में व्यस्त हो गई। उसे पता ही नहीं चला, धीरे-धीरे शाम होने लगी थी। शाम को सब खाने की मेज़ पर बैठे थे। सान्वी ने बच्चों से पूछा- 'अच्छा बताओ तो, कि हम जन्माष्टमी क्यों मनाते हैं?' रेयान बोला- 'क्योंकि इस पावन दिन, कृष्ण भगवान का जन्म हुआ था।' अनन्या ने भी चहककर कहा- 'और इस दिन भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं की झांकियां निकाली जाती हैं, लड्डू गोपाल जी की पूजा-अर्चना की जाती है, हंसी-ठिठोली होती है, जागरण किए जाते हैं, और हम माखन-मिश्री खाते हैं!' तभी अद्विका भी मासूमियत से बोली-'और इस दिन दही की मटकी (दही हांडी) भी फोड़ते हैं!' अयान ने हंसते हुए हामी में अपना सिर हिलाया- 'बेटा! ये सब सही है, लेकिन इसकी असली वजह कुछ और है।' इसी बीच, सान्वी ने थोड़ा गंभीर होकर कहा-'बेटा, मनोवैज्ञानिक भी कहते हैं कि हमारे मन की गलत आदतें-जैसे गुस्सा, लालच, आलस्य-हमारे दुखों का मूल कारण हैं। भगवान कृष्ण ने हमें यह सिखाया है कि व्रत, तप और उपासना से हम इन्हें नियंत्रित कर सकते हैं।'

इस पर रेयान ने अपनी भौंहें सिकोड़कर पूछा- 'लेकिन ये सब करना इतना जरूरी क्यों है?' तभी अयान ने जवाब दिया- 'क्योंकि जब मन पर हमारा नियंत्रण होता है, तो डर और अज्ञान का अंधेरा अपने आप मिट जाता है। तब ही मनुष्य को असली सुख की प्राप्ति होती है। बेटा! मन ही वास्तव में मनुष्य की सभी शक्तियों का स्त्रोत है। मन की शक्ति से ही मनुष्य जीतता है और मन की दुर्बलता से ही हार जाता है। मन 'चेतन' और 'अचेतन' दोनों ही स्तरों पर व्यक्ति के संपूर्ण व्यवहार और व्यक्तित्व को प्रभावित करता है। मन की स्थिरता और शुद्धता से ही हमारे संकल्प को दृढ़ता प्राप्त होती है।' सान्वी ने तुरंत एक विचार रखा- 'क्यों न इस जन्माष्टमी हम सब बिना गुस्से, नाराज़गी या शिकायत के इस त्योहार को हर्षोल्लास और खुशियों संग मनायें?' बच्चे थोड़े चौंके। 'मतलब, होमवर्क ज्यादा हो तो भी कुछ न बोलें?' अनन्या ने संदेह से पूछा। 'हां,' सान्वी हंस पड़ी-'और अगर खिलौना टूट भी जाए, तो भी नहीं।' जन्माष्टमी का दिन आया। सुबह से ही घर में मीठी-सी शांति थी। उस दिन अनन्या अपनी मम्मी सान्वी के कहने पर रसोई घर में गैस चूल्हे पर दूध गर्म कर रही थी, दरअसल वह अपने पापा के मोबाइल में विडियो गेम खेल रही थी कि अचानक दूध उबलकर गैस चूल्हे और आसपास फैल गया, लेकिन उसने बिना शिकायत के, बिना कुछ कहे खुद ही उसे साफ कर दिया।

सुनील कुमार महला
स्तंभकार

रेयान की ऑनलाइन क्लास में आज नेटवर्क नहीं आ रहा था, पर उसने नाराज़ होने की बजाय अपनी टेक्स्ट बुक निकाल ली और उसे पढ़ने लगा। उधर, अद्विका चुपचाप ड्रॉइंग बनाने में व्यस्त नजर आ रही थी। अयान और सान्वी ने एक-दूसरे को देखा-मानो घर में हवा भी हल्की हो गई हो। साढ़े तीन बज चुके थे। दोपहर की चाय बनी, अयान और सान्वी ने चाय का सेवन किया। चाय पीने के बाद सान्वी कपड़ों को इस्त्री करने में व्यस्त हो गई। उधर, दोपहर में अयान ने बच्चों को झूले पर बैठाकर भगवान कृष्ण की कहानियां सुनाईं- 'बेटा! कृष्ण कभी कठिनाइयों से नहीं भागे, बस मुस्कुराकर उनका सामना किया।' उस दिन शाम को मोहल्ले में मटकी-फोड़ प्रतियोगिता शुरू हुई। ऊंची मटकी देखकर अनन्या पीछे हटने लगी- 'अरे! ये तो बहुत ऊंची बांधी गई है!'

तभी रेयान ने उसका हाथ थामा- 'डर को मन में जगह मत देना, याद है?' कुछ देर बाद टीमवर्क से उन्होंने मटकी फोड़ दी। माखन, मिश्री और खिलौनों की बारिश से सब खिलखिला कर हंस पड़े। रात को घर लौटते समय सान्वी ने पूछा-'तो, आज कैसा लगा?' रेयान ने कहा- 'गुस्सा न करने से दिन आसान लग रहा था। आज तो समय का जैसे पता ही नहीं चला।' अनन्या बोली-'और डर अपने आप कम हो गया।' अद्विका खुशी से बोली- '....और हम जीते भी!' अयान ने धीरे से कहा- 'यही है जन्माष्टमी का असली व्रत-अपने मन को काबू में रखना, डर और अज्ञान को दूर करना, और हमेशा खुश रहना।' उस दिन के बाद, महीने में एक दिन जैसे उनका 'मनोवृत्ति व्रत' का दिन बनने लगा था और धीरे-धीरे उनकी यह आदत उनकी रोज़मर्रा की जिंदगी में उतर गई। शहर का शोर अब भी था, लेकिन इस परिवार के भीतर एक शांत झील थी-जहां लहरें आतीं, पर उन्हें डुबो नहीं पातीं। और हर साल जन्माष्टमी पर, वे उस दिन को याद करते, जब उन्होंने माखन और मिश्री के साथ-साथ मन की 'मीठी शांति' का भी स्वाद चखा था। उन्होंने यह सीख लिया था कि प्रेम, क्षमा, और अध्यात्म के मार्ग पर चलकर, हम अपने भीतर की बुराई पर विजय प्राप्त कर सकते हैं और अपने जीवन को सकारात्मकता और खुशी से भर सकते हैं।

कविताएं/गीत

आजादी

आजादी के शुभअवसर पर,
एक वचन फिर लेना हैं भारत
मां के स्वाभिमान के खातिर,
फिर से बलिदान देना हैं।

भारत के हर कण कण नें,
हमको फिर से पुकारा हैं,
यदि पाक मंसूबे नहीं रुके,
तो, सन 71 फिर दोहराना हैं।

यदि भारत मां के आंचल
को, आंख उठाकर, फिर
देखोगे, तो हैं कसम, इस
माटी की, घर में घुसकर
मारे जाओगे।

भारत मां के हर युवा को,
एक और पैगाम देना हैं,
भारत को विकसित राष्ट्र
बनाने में हम सबको सहयोग
देना हैं।

प्रदीप तिवारी
कानपुर

हनीमून

सोच-समझकर जाना
प्यारे,
गोवा,ऊंटी, देहरादून।
नहीं भरोसा रहा किसी
का,
किसके सिर पर चढ़ा है
खून।
मीठी बातों में मत आना,
क्यों अनजान जगहों पर
जाना।
राज छुपा है किसके
दिल में,
वल्लाह हनीमून पर खून।
पहले छह महीने साथ
गुजारें,
एक-दूजे को परख
निहारें।
किससे चेटिंग किससे
बातें,
हार्ट इमोजी और बैलून।
बने भरोसा जब साथी पर,
प्रेमिल युगल दीया -बाती
पर।
फिर घूमों ये दुनिया सारी,
फरवरी, मार्च मई या
जून।।

नरेन्द्र सिंह " नीहार
लेखक, नई दिल्ली

...एक थी युवती

मैंने देखी एक थी युवती।।
झील सी आखें, नजरे
कटार थीं,
चेहरे पर लालिमा, होंठ
गुलाब सी,
जैसे उजले बादलों में बिजली
चमकती।
मैंने देखी एक भी युवती॥

बाल जैसे घुमड़ती काली
घटा थी,
नथनी जैसे भोर का चमकता
सितारा थी,
ऋषियों के मन को भी मदहोश
करती।
मैंने देखी एक भी युवती ।।

कमर मोरनी सी, हिरनी सी
चाल थी,
मुस्कुराहट पर उसके हर
जान कुर्बान थी,
खुदा ने उतारी हो जैसे खुद
कोई मूर्ति।
मैंने देखी एक भी युवती।।
प्रकृति का शायद वह अद्भुत
रूप थी,
यौवन झलकती जैसे अमृत
की प्याली थी,
नारी के सम्पूर्ण श्रृंगार को
उभारती ।
मैंने देखी एक भी युवती॥

कमर करधनी जैसे लिपटी
स्वंय चांदनी थी,
पायल - की झन्कार निर्जीव
में भी फुकते प्राण थी,
साड़ी में लिपटी हो साक्षात
जैसे प्रकृति।
मैंने देखी एक भी युवती॥

जगपाल सिंह भाटी
बरेली

व्यंग्य

अक्ल बड़ी या भैंस

अक्ल के पीछे लठ्ठ लेकर फिरने वाले हिन्दी साहित्य के साहित्याचार्यों ने गागर में सागर भरने के लिए किसिम-किसिम के मुहावरों और लोक कहावतों का प्रयोग भाषायी सौन्दर्य की अभिवृद्धि में किया है। बलिहारी है उनके बुद्धि की। अक्ल बड़ी या भैंस प्रचलित लोक कहावत है। इसका अर्थ आप अक्ल के अंधों से भी पूछेंगे तो रुपाकृति देखकर वह भैंस को बड़ी ठहराने में कोई गुरेज़ नहीं करेंगे। सतही तौर पर इसका प्रयोग हास्य उत्पन्न करने के लिए किया जाता है। भला भैंस और अक्ल से क्या कोई तुक-ताल हो सकता है? काली-कलूटी महाकाय भैंस के सामने अक्ल की क्या बिसात कि वह सामना कर सके। कुछ सिरफिरे कवियों ने तो काली और मोटी औरत को देखकर भैंस की उपमा तक दे डाली। बेचारी भैंस उसे अपनी बिरादरी में पाकर खुश होकर जुगाली कर रही है। किसी की इतनी तौहीन करने की इजाज़त आखिर उन्हें किसने दी।

रमेश चन्द्र द्विवेदी
पूर्व प्रधानाचार्य, नैनीताल

संस्कृत भाषा की एक सूक्ति है- बुद्धिर्यस्य बलं तस्य अर्थात जिसके पास बुद्धि है उसके पास बल संरक्षित है। निःसंदेह भैंस बलवान होती है, इस सत्य से कोई इंकार नहीं कर सकता लेकिन बुद्धिहीनता उसकी कमजोरी है। शारीरिक क्षमता को बल कहते हैं। बौद्धिक तत्व का प्रादुर्भाव मस्तिष्क से होता है। भैंस का सिर मनुष्य की खोपड़ी की अपेक्षा की गुना बड़ा होता है। दो सौ पचास ग्राम की यह बुद्धि (वैज्ञानिकों के अनुसार) आश्चर्यजनक रूप से सब पर भारी पड़ती है। बड़े से बड़े शक्तिशाली जानवर को भी अपने अंकुश में रखने की क्षमता रखती है। सर्कस का रिंग मास्टर अपनी अंगुलियों पर जंगल के राजा सिंह को नचाता है। धरती के सबसे बड़े जानवर हाथी से घंटी बजवाता है। मदारी बंदर का नाच दिखाता है।

छोटा सा खरगोश अपने बुद्धि चातुर्य से वनराज को कुंए में ढकेल देता है। अब इन अक्ल के अंधों को कौन समझाए जो हमेशा अक्ल की बात करते हैं। ऐसा कभी-कभार ही होता है जब अक्ल पर पत्थर पड़ जाता है तो अक्ल भैंस चराने चल देती है। अक्ल के दुश्मन लोग अक्ल को ठिकाने लगाने के चक्कर में पड़े रहते हैं। अब इन अक्ल के अंधों का नाम नयन सुख रख भी दिया जाय तो क्या फायदा। मैं तो हमेशा से अक्ल का पक्षधर रहा हूं भैंस को पानी में जाना है तो जाए।

अक्लमंदों को एक बात आज तक समझ में नहीं आई वो भैंस के आगे बीन बजाते रहते हैं। बेचारी भैंस मस्ती में आकर जुगाली करती रहती है। प्रायः देखने में यह भी आता है कि जिसकी लाठी उसकी भैंस हो जाती है। यहां न्याय का सिद्धान्त बल पर आधारित है। क्या यह जंगल राज से कम है? यह तो जबरदस्ती का सौदा हुआ। आज कल यही हो रहा है। इसीलिए गोस्वामी तुलसीदास जी को बाध्य होकर कहना पड़ा-समरथ को नहिं दोष गुसाईं।

पहलवान अपनी ताकत का दांव-पेंच अखाड़ों में लगाते हैं। राजनेता अपनी प्रभुता का प्रयोग गुंडा तत्वों द्वारा अपने विरोधियों को निपटाने में करते हैं। खेल के मैदान से लेकर राजनीति के मैदान तक ताकत का प्रयोग बदस्तूर जारी है। उत्तर प्रदेश के एक राजनेता अपनी प्रभुसत्ता का इस्तेमाल अपनी खोई हुई भैंस को खोजने में लगा देते हैं। बिहार के चारा घोटाले से चर्चित नेता चरवाहा स्कूल खोल देते हैं। सब समय का फेर है। कुछ लोग तो जरूरी कामों को छोड़कर भैंस चराने निकल पड़ते हैं। इन सब दावों और प्रतिदावों को प्रस्तुत करने के बाद मेरी अल्पबुद्धि इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि अंततः अक्ल ही बड़ी होती है। पाठकों का अनुभव अलहदा हो सकता है। भैंस का बल प्रतीक है अज्ञानता का अक्लमंदी प्रतीक है बुद्धिमत्ता का। भैंस की खाल मोटी होती है इसलिए उसकी अक्ल भोथरी होती है। मोटी खाल वालों ज़रा सावधान हो जाओ नहीं पतली खाल वाले तुम पर शासन करने के लिए तैयार बैठे हैं। भैंस की बुद्धि साधन है साध्य नहीं। भैंस अपना दूध स्वयं नहीं पीती। अक्लमंदों में वह बांट देती है। परोपकार की यह उदात्त भावना अगर सीखनी है तो कोई भैंस से सीखे। मनुष्य तो उसका दूध पीकर उसका चारा तक साफ कर देता है। धन्य हो अक्लमंद मनुष्य। शायद इसीलिए राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त को लिखना पड़ा- यही पशु प्रवृत्ति है जो आप-आप ही चरे।

समीक्षा

सुभाष-एमिली : प्रेम और कर्त्तव्य की दास्तान

पुस्तक : सुभाष-एमिली : प्रेम और कर्तव्य की दास्तान
लेखक : राजगोपाल सिंह वर्मा
प्रकाशन : हिन्द युग्म, नोएडा
वर्ष : 2025
पृष्ठ : 300
मूल्य : 399
समीक्षक : नीलिमा पांडेय

यह पुस्तक एमिली शेंकल के जीवन के ऐतिहासिक तथ्यों पर आधारित है। यह उनके व्यक्तिगत जीवन, सुभाष चंद्र बोस के साथ उनके संबंध, पत्राचार, पुत्री अनिता और जीवन के अन्य पहलुओं के बारे में विस्तृत चर्चा करती है। एमिली शेंकल (26 दिसंबर 1910-13 मार्च 1996) एक ऑस्ट्रियाई महिला थीं, जिन्हें नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पत्नी और उनकी बेटी अनिता बोस फाफ की मां के रूप में जाना जाता है। उनकी कहानी सुभाष चंद्र बोस के साथ उनके प्रेम संबंधों और स्वतंत्रता संग्राम की पृष्ठभूमि में उनके बलिदानों के लिए उल्लेखनीय है।

इस पुस्तक में प्रेम, बलिदान, और देशभक्ति की कहानी है। सुभाष चंद्र बोस भारतीय इतिहास के एक प्रिय नायक हैं। उनकी निजी जिंदगी के बारे में कम जानकारी उपलब्ध होने के कारण यह पुस्तक पाठक वर्ग में रुचि जगाएगी। युवा पाठकों में यह स्वतंत्रता संग्राम के प्रति उत्सुकता बढ़ा सकती है। सुभाष और एमिली का रिश्ता भारतीय और पश्चिमी संस्कृतियों के मिलन का भी प्रतीक है, जो वैश्वीकरण और सांस्कृतिक विविधता के दौर में आज के पाठको के लिए सहज और प्रासंगिक है। परोक्ष रूप से यह पुस्तक द्वितीय विश्व युद्ध, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की पृष्ठभूमि और अन्य समकालीन घटनाओं से भी परिचित करवाती है। सरल भाषा में लिखी गई एक रोचक ऐतिहासिक दास्तान है। आधुनिक इतिहास में रुचि हो तो ज़रूर पढ़ी जा सकती है।

संवेदनाओं का हिमालय थे चौक यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर अमृत लाल नागर

शबाहत हुसैन विजेता, लखनऊ

अमृत विचार। वह बालक स्कूल जा रहा था। रास्ते में अपने दरवाजे पर खड़ी चार साल की बच्ची रोती हुई दिखी। बच्ची के हाथ में दरवाजे पर लगा तारकोल लग गया था, जो छूट नहीं रहा था। अपनी गोरी-गोरी हथेलियां काली हो जाने के दुःख में वह रो रही थी। बालक ने उसे चुप कराया, फिर तमाम कोशिशों के बाद उसके हाथ से तारकोल निकाल दिया। हाथ साफ़ होने पर बच्ची की किलकारियां गूंजीं तो दूर से बच्चों का खेल देख रहीं बच्ची की मां और दादी बालक के साथ उसके घर जा पहुंचीं। बच्ची की दादी ने बालक के पिता से बच्ची के लिए बालक का हाथ मांग लिया। पिता बोले कि बच्चे हैं, पढ़ तो लेने दीजिये लेकिन दादी ने कहा कि मेरी लल्ली के होठों पर मुस्कान लाने वाला अब कहीं जाएगा नहीं। थोड़ी ना-नुकुर के बाद दोनों की शादी हो गई।

बच्ची के रुदन पर व्यथित हो जाने वाला यह बालक कोई और नहीं हिन्दी साहित्य में मील का पत्थर रच देने वाले अमृत लाल नागर थे। नागर जी बचपन से ही संवेदनशील थे। 17 अगस्त 1916 को पैदा हुए अमृत लाल नागर की 1931 में शादी हो गई। सोलह साल की उम्र

में उन्होंने कहानियां लिखनी शुरू कीं और सत्रह की उम्र में पहली कहानी छप भी गई।

अमृत लाल नागर ने सिर्फ इंटर तक पढ़ाई की लेकिन उन पर 100 से ज्यादा लोगों को पीएचडी मिल चुकी है। हर साल उनके साहित्य पर लोग रिसर्च करते हैं। तमाम विश्वविद्यालयों ने चाहा कि अमृत लाल नागर का नाम उनके साथ जुड़ जाए। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति ने एक बार अमृत लाल नागर से विश्वविद्यालय में एडमिशन लेने के लिए कहा तो उन्होंने जवाब दिया कि चौक ही मेरी यूनिवर्सिटी और मैं चौक यूनिवर्सिटी का वाइस चांसलर हूं।

अमृत लाल नागर ने पूरी जिन्दगी साहित्य रचा। उनके उपन्यासों पर धारावाहिक बने। फिल्म इंडस्ट्री को भी उन्होंने काफी योगदान दिया। फिल्मों में एक भाषा से दूसरी भाषा में डबिंग की शुरुआत नागर जी ने ही की। आकाशवाणी में वह पहले ड्रामा प्रोड्यूसर थे लेकिन कभी धन्ना सेठ नहीं बन पाए। उतना ही हाथ आया जिससे किसी तरह से परिवार चल जाए लेकिन जिन्दगी के उसूल ऐसे थे कि बड़े-बड़े शर्मा जाएं। एक बार संजय गांधी लखनऊ आए और उनसे कहलवाया कि आज शाम की जनसभा में वह मंच पर मेरे साथ रहें। सन्देश लाने वाले से नागर जी ने कहलवाया कि हम शाम को सिर्फ भांग छानते हैं। उस वक्त किसी से भी नहीं मिलते।

जिन्दगी को लेकर नागर जी के नजरिये पर बात करें तो जिन्दगी लैला है, उसे मजनू की तरह से प्यार करो लेकिन मौत को लेकर उनका नजरिया समझना हो तो नागर जी ने लिखा था कि मैं अपने लिए सर्वदा ऐसी मौत की कामना करता हूं जो मेरे परिवार, मित्रों, बंधुओं और लाखों मनुष्यों को शोकग्रस्त कर दे। सच कहता हूं यदि आज भारत वर्ष के तमाम पेपर और मैगजीन मेरे शोक में अपने कालम काले कर दें। इक्के वाले मेरे शोक में काम बंद कर दें, यूनिवर्सिटी, कालेज वगैरह सब बंद हो जाएं तो शायद बड़ी प्रसन्नता के साथ मर जाऊंगा।

... और सचमुच 23 फरवरी 1990 को नागर जी नहीं रहे, तो लखनऊ ठहर गया। इक्के वालों ने काम बंद कर दिया। बाजार बंद थे। पूरा शहर शोकग्रस्त था। अखबारों के पहले पेज पर छपा था उड़ गया मानस का हंस।

आधी दुनिया

भारतीय स्त्री विमर्श की संकल्पना

समाज विज्ञान की परिधि में स्त्री-विमर्श उभरती हुई अंतरानुशासनिक ज्ञान परंपरा है, जो ज्ञानात्मक विधाओं के पार जाती है। यह अनुभावजन्य ज्ञान को ज्ञान परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माने जाने के लिए संघर्षरत है जो इस बात में विश्वास करती है कि उंगली से परखकर चावल के पक जाने की समझ और रोटी को गोल बेलने के लिए किसी शास्त्रीय ज्ञान की आवश्यकता नहीं है। यह रोजमर्रे की जिंदगी में घटित होने वाली प्रक्रियाएं हैं जो सदियों से एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक लोकगीतों, मुहावरों और नसीहतों के रूप में हम तक पहुंचती रही है। प्रमुख चिंतक सैंड्रा हार्डिंग इसे 'स्टैंड प्वाइंट थ्योरी' के रूप में परिभाषित करती हुई यह तर्क देती हैं कि इस समाज में प्रत्येक व्यक्ति का ज्ञान वैध है, इसलिए समग्र ज्ञान के दावे के लिए यह आवश्यक है कि विज्ञान एवं समाज विज्ञान खंडित मानी जाने वाली ज्ञान परंपराओं को समावेशी दृष्टि के साथ आत्मसात करे। भारतीय इतिहास में स्त्रियों, दलितों एवं अल्पसंख्यक समुदायों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाईं। युद्ध सिर्फ राजाओं ने नहीं लड़ा, बल्कि वह खानसामा भी लड़ रहा था जिसने हजारों सिपाहियों का भोजन रोज तैयार किया पर खानसामा, वैद्य, भिश्ती, लुहार, सभी इतिहास के पन्नों में अदृश्य थे। ऐसे में, स्त्रियों की भूमिका का उल्लेख तो बहुत दूर की बात है।

डॉ. सुप्रिया पाठक
एसोसिएट प्रोफेसर

प्रसिद्ध इतिहासकार ई.एच.कार का मानना था कि इतिहास में प्रमाणित तथ्यों का संग्रह होता है। इतिहासकार को ये तथ्य दस्तावेजों, शिलालेखों आदि के रूप में उपलब्ध होते हैं। जैसे मछली विक्रेता के पास मछलियां। इतिहासकार उन्हें इकट्ठा करता है, घर ले जाता है और अपनी पसंद के अनुसार पकाता और परोसता है। अर्थात इतिहास अपनी लेखन प्रक्रिया में समाज के ऊपरी पायदान पर बैठे लोगों का प्रतिनिधित्व करता है, अभिवंचित तबके का नहीं। महत्वपूर्ण विचारणीय बिन्दु यह है कि युद्ध से लौटने के बाद निचले तबके के समुदायों के अनुभव भी इनकी दादी-नानी ने अपने बच्चों को सुनाया होगा, उनकी अपनी वीरगाथाएं रही होंगी, जिसे दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से प्रामाणिक माने जाने वाले इतिहास ने कभी वीरता माना ही नहीं। समाज के जो तबके इतिहास का हिस्सा बने उसमें बमुश्किल ही अभिवंचित समाज शामिल हो पाया। आज तक जिन स्त्रियों के संबंध में हमने पढ़ा वे सभी समाज के उच्च तबके का नेतृत्व कर रही थीं। जॉन डब्ल्यू. स्कॉट ने अपने आलेख जेंडर ऐज ए यूजफुल कैटेगरी ऑफ हिस्टोरीकल एनालिसिस में इतिहास लेखन एवं इतिहास के विश्लेषण के क्रम में 'जेंडर' को एक महत्वपूर्ण श्रेणी के रूप में शामिल किए जाने की तरफ ध्यान आकर्षित किया। उनका मानना था कि स्त्रियों का अनुभव संसार बहुत विशद है। इसने इतिहास में स्त्रियों की अदृश्यता के प्रश्न तथा विमर्श को नया अर्थ प्रदान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्त्रियों की विविध भूमिकाएं एवं योगदान

इतिहास लेखन की शुरुआत सिर्फ स्त्रियों को इतिहास में दृश्यमान करने के उद्देश्य से नहीं हुई थी, बल्कि सामाजिक एवं ऐतिहासिक प्रक्रियाओं में स्त्रियों की विविध भूमिकाओं एवं योगदान को रेखांकित करने तथा उसका दस्तावेजीकरण करने के घोषित एजेंडे के साथ हुई थी। अर्थात इतिहास में स्त्रियों के अनुभवों को शामिल करना, ज्ञान परंपरा का प्रस्थान बिंदु था। विभिन्न कार्यकर्ताओं तथा समाज वैज्ञानिक शोधकर्ताओं ने ज्ञान की इस नई परंपरा को निर्मित करने, दुनिया को नई नजर से देखने तथा स्त्रियों के प्रति समाज के नजरिए को बेहतर बनाने की कोशिश की। इसके पीछे विचार यह था कि स्त्रियों को इतिहास में सिर्फ गणनात्मक आधार पर शामिल न किया जाए और न ही स्त्रियों को सिर्फ इतिहास के पन्नों में स्थान दिया जाए, बल्कि ज्ञान-निर्माण की पूरी प्रक्रिया में उनके बौद्धिक हस्तक्षेप को समग्रता एवं तथ्यात्मकता के साथ शामिल किया जाए। आलोचनात्मक बौद्धिक परंपरा तथा संस्थागत स्वरूप में दर्शन पैराडाइम शिफ्ट या विश्व दृष्टि में बदलाव था।

इसका ज्ञानात्मक संबंध समाजविज्ञान के अन्य विषयों जैसे समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, राजनीतिशास्त्र, इतिहास, भाषा तथा साहित्य जैसे विषयों के साथ है जिन्हें प्रस्थान बिंदु के रूप में अपनाते हुए इसने ज्ञान-उत्पादन की प्रक्रिया में विशेष भूमिका निभाई है। इस यात्रा में इसने स्थापित मूल्यों, अवधारणाओं, तकनीकों, प्रविधियों तथा अन्य अकादमिक प्रक्रियाओं पर विषयों की परिधि लांघ कर सकारात्मक हस्तक्षेप दर्ज किया है एवं यह बात स्थापित कर पाने में सफल रहा कि स्त्रियां ज्ञान परंपरा के हर अनुशासन में ना सिर्फ हाशिए पर हैं बल्कि उन्हें अदृश्य भी रखा गया है। हालांकि, सामाजिक सैद्धान्तिकी ऐतिहासिक संदर्भों में सार्वभौमिक सी होती है, पर हर देश का देशज संदर्भ मुक्ति के विमर्श को अपने सांचे में ढालकर नूतन सिद्धांत की समझ विकसित करता है। भारत में विमर्श कभी भी एकरेखीय नहीं रहा। जाति, वर्ग, धर्म, क्षेत्रीयता तथा भाषा के प्रश्नों पर स्त्री समुदाय के समक्ष 'सार्वभौमिक बहनापे' की भावना कई स्तरों पर आड़े आती रही। बावजूद इसके, अपनी यात्रा में इसने न सिर्फ पाश्चात्य दर्शन के सैद्धान्तिक पक्ष की पुनर्विवेचना की अपितु भारतीय लोक परंपरा एवं आख्यानों के साथ बहनापे का रिश्ता जोड़ते हुए स्त्री-मुक्ति के तीखे प्रतिरोधी स्वर को भी तलाशने और पहचानने की कोशिश शुरू की। अस्मिता का विमर्श दरअसल आत्म या स्व के बोध का विमर्श है। जिसकी परिणति स्व की प्राप्ति के प्रयत्नों के रूप में होती है और आंदोलनों का स्वरूप ग्रहण करती है। बचपन में सामाजिक-सांस्कृतिक रूप से संस्कारित होता 'स्त्रीत्व' एवं 'पुरुषत्व' के भाव से भरा हुआ मन अपने मनमाफिक से 'वंचित' हो जाने की टीस को आजीवन अपने अंत: स्थल में छुपाए अपनी अस्मिता का गुपचुप संधान करता है। यह भाव ही समाज में लैंगिक जड़ताओं एवं पूर्वाग्रहों के खांचे को तोड़कर ट्रांसजेंडर पहचानों को भी स्वीकार्यता दिलाने की लड़ाई लड़ता है। मैं जिंदगी का जश्न मनाता चला गया, हर फिक्र को धुएं में उड़ाता चला गया...का फकीराना अंदाज भी तो आत्म के संधान एवं मुक्ति के विमर्श का ही आख्यान है। अस्मिता का यह आंदोलन अपनी प्रक्रिया में सिर्फ स्व तक ही सीमित नहीं होता बल्कि परकाया प्रवेश भी करता है।

भारतीय संस्कृति और समाज का अभिन्न अंग हैं स्त्रियां

भारतीय ज्ञान परंपरा को समझने एवं उसे व्याख्यायित करने के लिए विशुद्ध देशज अवधारणाओं एवं अनुभवजन्य ज्ञान के महत्व को समझना होगा। लोक से शास्त्रीय तक का सफर तय करना होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात कि 'ज्ञान' की प्रचलित परिपाटी से इतर समाज के हाशियाकृत समुदायों के आख्यानों को वृहत्तर 'महाआख्यानों के साथ शामिल किए बिना भारतीय ज्ञान परंपरा को समृद्ध नहीं किया जा सकता और न ही इसे समग्र ज्ञान परंपरा माना जा सकता है। भारत में संस्कृति जीवन के सभी पहलुओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। स्त्रियां भारतीय संस्कृति और समाज का अभिन्न अंग रही हैं। हालांकि, भारत में स्त्रियों की स्थिति कई वर्षों से बहस और चर्चा का विषय रही है। विभिन्न नीतियों के माध्यम से लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए सरकार के प्रयासों के बावजूद, उचित कार्यान्वयन की कमी या धीमी प्रगति ने स्त्रियों के जीवन में महत्वपूर्ण सुधार में बाधा उत्पन्न की है। जबकि कानून द्वारा दोनों लिंगों को समान अधिकार, अवसर और वेतन प्रदान किए जाने की सांविधिक प्रस्तावना के बावजूद यह प्रावधान अक्सर कागज़ों में ही रह जाते हैं। यह हमारे समाज में व्याप्त लैंगिक भेदभाव को उजागर करता है। भारत में गहरी जड़ें जमाए हुए सांस्कृतिक मानदंड इस लैंगिक असमानता के मुख्य कारण हैं। स्त्री सशक्तीकरण के तमाम दावों के बावजूद भारतीय संस्कृति की परस्पर विरोधी प्रकृति के कारण स्त्रियों की भूमिका और स्थिति को बदलने में सीमित प्रगति हुई है। यह कमी न केवल स्त्रियों के लिए बल्कि पूरे देश के लिए चिंताजनक है।

नारी अस्मिता का विमर्श

हमारे समाज में स्त्री अस्मिता का विमर्श आमतौर पर परिवार, विवाह एवं सार्वजनिक जीवन में स्त्रियों की उपस्थिति के प्रति संवेदनशीलता बरते जाने के इर्द गिर्द घूमता रहता है। स्त्रियां भी मनुष्य हैं, इस नाते उनके मन एवं शरीर पर उनका अधिकार है-यह स्वीकार करने एवं उसके अनुरूप स्वयं को ढाल लेने की सहजता अभी भी हमारी सामाजिक सांस्कृतिक निर्मिति का हिस्सा नहीं बन पाई है। इस पृथ्वी पर दो भिन्न लिंगों में जन्म लेने के बाद स्त्री-पुरुष ने एक-दूसरे के अविभाज्य अंग के रूप में मनुष्यता की विकास यात्रा प्रारंभ की। उन दोनों ने अब तक के इस सफर में अनगिनत पड़ाव पार किए। पुरुष ने शिकार का मार्ग चुना और स्त्री अपने मातृत्व के दायित्व के साथ संग्राहक की भूमिका निभाती रही। प्रारंभिक समाजों से लेकर अब तक स्त्रियों को प्रकृति के साथ जोड़ कर देखा गया और यह धारणा कायम रही कि स्त्रियां अपने नैसर्गिक गुणों के कारण प्रकृति के अधिक निकट हैं। कई बार इस प्रक्रिया में प्रकृति का भी स्त्रीकरण हुआ क्योंकि प्रकृति में भी स्त्रियों के समान गुण पाए गए। इसकी झलक हमें अधिकांश साहित्यिक लेखनों में देखने को मिलती है। स्त्रियों के घरेलू, पवित्र, नैतिक, शुद्ध, सौम्य, दयालु, शालीन, सरल और सुंदर रूप को प्रकृति की विशेषताएं से जोड़ा गया जबकि पुरुषों को मेहनती, औद्योगिक, तर्कसंगत, मुखर और स्वतंत्र रूप में देखा जाता था। इन दोनों की चारित्रिक विशेषताओं में एक लैंगिक विरोधाभास था जिसे बाद में विद्वानों द्वारा जेंडर की सामाजिक-सांस्कृतिक निर्मिति के द्विभाजन के सिद्धांत के रूप में देखा गया। संस्कृतियों एवं सभ्यताओं के निर्माण में सहचर बनी स्त्री की भूमिका सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं थी, बल्कि अपने शरीर से उसने पाढ़ी दर पीढ़ी तक संततियों को जन्म दिया जो आज भी बदस्तूर जारी है। हालांकि, इतिहास लेखन की पुरुषवादी परंपरा ने उसके इस अतुलनीय योगदान को न सिर्फ अपने लेखकीय परिदृश्य से 'ओझल' किया बल्कि उसे 'विस्मृत' कर दिया। इतिहास में पुरुषों की उत्पादक और स्त्री की पुनरुत्पादक भूमिकाओं का जिक्र हुआ जिसके फलस्वरूप आदिमानव के इतिहास में आदिमानवी की भूमिकाएं गौण हो गईं। इस प्रवृत्ति ने स्त्रियों को सिर्फ एक 'शरीर' में तब्दील कर दिया जिसे बयां करने, रचने एवं उसकी यौनिकता को नियंत्रित करने का अधिकार पुरुषों ने अपने पास सुरक्षित रखा। स्त्रियों के प्रति उपभोगपूर्ण दृष्टि सिर्फ इतिहास-लेखन तक ही सीमित नहीं थी बल्कि भाषा एवं साहित्य ने भी उसके अवमूल्यन में कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी। स्त्री शरीर के इर्द-गिर्द रचित रीतिकालीन साहित्य ने कभी भी उसे मनुष्य के रूप में स्वीकार नहीं किया। मलिक मुहम्मद जायसी के नख-शिख वर्णन में अभिव्यक्त अद्वितीय एवं अलौकिक सौंदर्य की प्रतिमूर्ति स्त्री सिर्फ पुरुषों की यौन परिकल्पना में साकार होती रही जिसका वास्तविक जीवन की स्त्री के साथ सौंदर्य एवं प्रेम के स्तर पर कोई मेल नहीं था। अर्थात साहित्यिक भाषा एवं शब्दावली ने स्त्री शरीर एवं उसकी आकांक्षाओं को अपने अनुरूप निर्धारित किया। भारत में, विगत चालीस वर्षों में हुए साहित्य विमर्श ने 'स्त्री शरीर' को अपनी सैद्धांतिक विमर्श का प्रस्थान बिंदू बनाया एवं उसे नए अर्थ-संदर्भों के साथ पुनर्परिभाषित किया। भारतीय स्त्री विमर्श ने भाषा, साहित्य तथा अन्य ज्ञानानुशासनों में 'स्त्री' की इयत्ता को देशज परंपराओं एवं प्रकृति के साथ उसके संबंधों के आधार पर नई दृष्टि से प्रस्तुत किया।

जहां अभाव है, वहां भाव पैदा होगा... इस बोध ने स्त्रियों के अंदर स्वयं को अभिव्यक्त करने की आवश्यकता को जन्म दिया और अस्मिता विमर्श के रूप में स्त्रीवाद ने सैद्धांतिक एवं सृजनात्मक अभिव्यक्तियों में अपना सकारात्मक हस्तक्षेप दर्ज करना प्रारंभ किया। स्त्री मुक्ति सिर्फ चंद स्त्रियों की मुक्ति से जुड़ा हुआ मसला नहीं बल्कि यह विविधताओं और भिन्नताओं का सामूहिक उत्सव है जो जाति, लिंग, धर्म और देश से परे जाता है। यह जो खत्म को किसी जगह, ये ऐसा सिलसिला नहीं की तर्ज पर लयबद्ध होता है...एक कोरस है, संगीत है जो अत्यंत मद्धम स्वर में सदियों से हमारी अंतश्चेतना में ध्वनित हो रहा है। उत्तर-आधुनिक तथा उत्तर-संरचनावादी हस्तक्षेपों ने इस विचारधारा के वैविध्य को और बढ़ाया जिससे स्त्रीवाद को समझने की एक नई दृष्टि मिली। उनका मानना था कि शोषक एवं शोषित के बीच सत्ता-संबंधों को व्यापक प्रश्नों के दायरे में समस्या के रूप में देखने से यह पता चलता है कि किस प्रकार सामाजिक विमर्श में सत्य के मनमाफिक अर्थ के प्रति सहमति का निर्माण किया जाता है। उन्होंने सत्ता के साथ शोषण के अनिवार्यत: जुड़े होने की व्याख्या की। अपने समस्त वैचारिक विमर्शों की यात्रा करते हुए स्त्रीवाद आज बहुल रूपों में हमारे सामने है।

क्राफ्ट मेकिंग

बच्चों के लिए क्राफ्ट बनाना बहुत पसंद होता हैं। और यह बच्चों की रचनात्मकता क्षमता को बढ़ाता हैं। साथ ही इससे पेंटिंग, पेपर क्राफ्ट, रीसाइकिल्ड क्राफ्ट से बच्चों की सोचने की क्षमता बढ़ती हैं और बच्चों की मोटर स्किल्स को भी सुधारती हैं। यह क्राफ्ट बच्चें घर पर बहुत आसानी से बना सकते हैं।

रंगीन पेपर मछली

इसके लिए आवश्यक सामान रंगीन चार्ट पेपर, कैंची, गोंद, स्केच पेन चाहिए होगा।

बनाने की विधि :- एक बड़े पेपर को मछली के आकार में काटेंगे। छोटी-छोटी रंगीन पट्टियां काटना हैं और उन्हें मछली के पंख और पूंछ के रूप में चिपकाना हैं। स्केच पेन से मछली जैसी आंखें बनाएं। अब पेपर मछली बनकर तैयार हैं

पेपर फ्लावर गारलैंड

इसके लिए आवश्यक सामान रंगीन पेपर, धागा, गोंद, कैंची चाहिए होगा।

बनाने की विधि :- सबसे पहले पेपर से फूलों के डिजाइन काटना हैं। फिर प्रत्येक फूल के बीच में छेद करें और धागे में पिरो लें। अब इसे कमरे की सजावट के लिए उपयोग कर सकते हैं।

पेपर तितली

इसके लिए जरूरी सामान कैंची, गोंद, पेंसिल, स्केच पेन, रंगीन पेपर चाहिए होता हैं।

बनाने की विधि :- पेपर को आधा मोड़े, पंखों का डिज़ाइन बनाए और उसी आकार में काट लें। एक पतली पट्टी को रोल करके सिलेंडर जैसा आकार दें। फिर दो पतली पट्टियां को घुमावदार मोड़कर बॉडी पर चिपकाना हैं। स्केच पेन से अच्छा सा डिज़ाइन बनाएं और गोल आंखें बनाए। अब आपकी सुंदर पेपर तितली तैयार हैं।

पॉपअप कार्ड

इसे बनाने के लिए जरूरी सामान रंगीन कार्डस्टॉक, गोंद, कैंची, स्केल, पेंसिल, स्केच पेन चाहिए होता हैं।

बनाने की विधि :- सबसे पहले कार्डस्टॉक को आधा मोड़ें। फिर अंदर की ओर दो समानांतर कट लगाएं और पट्टी को बाहर की तरफ मोड़ें। पॉपअप डिज़ाइन (जैसे हार्ट, फ्लावर या केक) बनाएं और पट्टी पर चिपकाएं। बाहर और अंदर से डेकोरेट करें और मैसेज लिखें। अब आपका पॉपअप कार्ड तैयार हैं। आप जन्मदिन या किसी खास अवसर के लिए पॉपअप कार्ड बना सकते हैं।

बच्चों से संवाद है ज़रूरी

माता-पिता बच्चों को खुद से कटने ना दें। आज की तारीख में रेगुलर बातचीत ही वो खिड़की है जिससे हम बच्चों के जीवन और मन में झांक सकते हैं।

डॉ. रश्मि मोघे हिरवे
मनोचिकित्सक

- बच्चे जब स्कूल से आते हैं तो उनसे बात कीजिये, अगर उस वक्त थके हों तो बाद में शाम को उनसे बात कीजिये, हल्के फुल्के ढंग से उनसे अलग-अलग विषयों पर बात कीजिये (बात करने की जबरदस्ती न करें और न ही नकारात्मक टिप्पणियां करें)
- उनसे बातचीत का एक रास्ता सदैव खुला रखें और ये आदत बचपन से ही डालें तो आप अपने बच्चे की दुनिया से कटेंगे नहीं और उनके जीवन मे क्या चल रहा है उसका अंदाज़ आपको रहेगा।
- और कभी किसी मुद्दे या कैरियर चॉइस आदि हेतु काउंसलिंग या परेशानी हेतु इलाज की ज़रूरत भी पड़ी तो भी आप मनोचिकित्सक और काउंसलर को ठीक ठीक जानकारी दे पाएंगे।
- आज के मोबाइल युग मे बच्चे से संवाद साधना बहुत ज़रूरी है दुनिया के प्रपंचों से उन्हें बचाने हेतु। बच्चे के स्कूल कोचिंग से आने के बाद प्रश्न पूछें (उदाहरण) जैसे कि
  - आज कौन आपके साथ बैठा था?
  - क्या आज कोई टेस्ट लिया गया था स्कूल में?
  - आज क्या क्या पढ़ाया गया?
  - क्या खेल खेले? क्या नया सीखा?
  - टिफिन में बाकी बच्चे क्या लाए थे?
  - क्या किसी को कोई सजा मिली आज?
  - आज सबसे ज्यादा मज़ा किस चीज में आया?
  - क्या कोई बात बुरी लगी आज तुम्हे। वगैरह वगैरह।

  बच्चे के कौन मित्र हैं, उनके क्या शौक हैं? उनके माता पिता क्या करते हैं? दोस्त कहां रहते हैं? शिक्षकों, बस ड्राइवर, कंडक्टर आदि का व्यवहार कैसा है आदि आदि। आपके बच्चे और आप अलग-अलग विश्व में ना जिएं। दोनो के बीच एक पुल अवश्य होना चाहिए।

खाना खजाना

मावा कचौरी

चटपटी कचौरियों का स्वाद तो सभी ने कई बार लिया है, लेकिन क्या मावा (खोया) से भरी मुंह में मिठास घोलने वाली मावा कचौरी को ट्राई किया है। बात अगर मीठे की हो तो राजस्थानी स्टाइल में बनने वाली टेस्टी मावा (खोया) कचौड़ी का कोई भी जवाब नहीं है।

नीता भारती
फूड ब्लॉगर

सामग्री

- मैदा – 2 कप
- घी – 4 टेबल स्पून (मोयन के लिए)
- नमक – 1 चुटकी
- पानी– आवश्यकतानुसार (गूंदने के लिए)

स्टफिंग के लिए

- मावा (खोया)– 1 कप (150 ग्राम, भुना हुआ)
- पिसी चीनी– 1/2 कप
- कटे हुए काजू– 2 टेबल स्पून
- पिस्ता कटे हुए-1-टीएसपी
- कटे हुए बादाम– 2 टेबल स्पून
- किशमिश– 1 टेबल स्पून
- इलायची पाउडर– 1/2 टीस्पून
- जायफल ,एक बड़ी इलायची के दाने, हरी इलायची 3-4
- जावित्री, 4-5 काली मिर्च थोड़ा लेकर कूट ले
- गुलाब जल-1टीएसपी

चाशनी के लिए

- चीनी – 1 कप
- पानी – 1/2 कप
- केसर के धागे – कुछ (वैकल्पिक)
- इलायची पाउडर – 1/4 टीस्पून
- नींबू रस– 1/2 टीस्पून (चाशनी जमने से रोकेगा)
- तलने के लिए घी या रिफाइंड तेल

बनाने की विधि सबसे पहले आप मैदा में घी और एक चुटकी नमक डालें अच्छे से मिक्स करें ताकि आटे में मोयन अच्छी तरह मिल जाए (हाथ में दबाने पर टिके रहना चाहिए) अब थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर सेमी सॉफ्ट लेकिन चिकना आटा गूंदें इसे ढककर 15–20 मिनट के लिए रख दें। स्टफिंग तैयार करना एक कड़ाही में मावा हल्का गुलाबी होने तक भून लें (अगर पहले से भुना है तो ज़रूरत नहीं) गैस से हटाकर ठंडा करें और उसमें पिसी चीनी, कटे ड्रायफ्रूट्स, इलायची पाउडर और जायफल वाला मिक्सर मिलाएं, मिक्स करके छोटी-छोटी लोइयां बना लें।

कचौरी बनाना- अब आटे की छोटी-छोटी लोइयां बनाएं हर लोई को बेलकर थोड़ा मोटा पूड़ी जैसा बनाएं बीच में मावे की स्टफिंग रखें और चारों तरफ से बंद करके गोल कचौरी बनाएं। किनारे अच्छे से दबा दें ताकि फटे नहीं सारी कचौरियों को इसी तरह तैयार करें।

कचौरी तलना- एक कड़ाही में घी या तेल गरम करें (मीडियम फ्लेम पर) तेल बहुत ज्यादा गरम न हो, नहीं तो कचौरी बाहर से जल जाएगी और अंदर कच्ची रह जाएगी अब धीमी आंच पर कचौरियों को सुनहरा और कुरकुरा होने तक तलें टिश्यू पेपर पर निकालें।

चाशनी बनाना- एक पैन में चीनी और पानी डालें, मिलाएं और उबालें, उबाल आने पर इलायची और केसर डालें एक तार की चाशनी तैयार करें नींबू का रस डालकर गैस बंद कर दें।

कचौरी को जब खाना हो तब इसमें एक छेद करके उसमें चाशनी डालें फिर निकालकर प्लेट में रखें और ऊपर से थोड़े ड्रायफ्रूट्स और केसर से सजाएं।

सुझाव- मावे को अच्छे से ठंडा करके ही चीनी मिलाएं वरना पानी छोड़ सकता है। मीडियम या लो फ्लेम पर ही कचौरी तलें ताकि अंदर तक कुरकुरी बने।

देशभक्ति के तरानों के साथ किया गया ध्वजारोहण

सरकारी कार्यालयों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, ब्लॉक मुख्यालयों, स्कूलों में फहराया झंडा, पूर्व सैनिकों ने निकाली तिरंगा रैली

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : तहसील के नगर देहात क्षेत्र में सरकारी अर्द्धसरकारी संस्थानों में स्वतंत्रता दिवस का पर्व हर्षोउल्लास से मनाया गया। ध्वजारोहण के बाद तिरंगा यात्रा निकाली गई।

मीरगंज तहसील परिसर में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी इशिता किशोर ने ध्वजारोहण किया। उनके साथ तहसीलदार आशीष कुमार सिंह, नायब तहसीलदार अरविंद कुमार, आदित्य कुमार, अनिल कुमार,आदि। तहसील सभागार में बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम किए। एसडीएम ने स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को एवं अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

शेरगढ़,: भाकियू जिलाध्यक्ष (टिकैत) दुर्गेश मौर्य और भाकियू (भानु) के राष्ट्रीय महासचिव शोएब इजहार खान के नेतृत्व में क्षेत्र में तिरंगा यात्रा निकाली गई। ब्लॉक कार्यालय पर ब्लॉक प्रमुख भूपेंद्र कुर्मी, ,नगर पंचायत कार्यालय में चेयरमैन बुद्धसेन मौर्य,पशु चिकित्सालय में डॉ.समर राही ने ध्वजारोहण किया।

फरीदपुर:, द्वारिकेश चीनी मिल में ध्वजारोहण के बाद मौजूद लोगों को यूनिट हेड आर के गुप्ता ने संबोधित किया। कार्यक्रम में सुनील पुनिया, शैलेंद्र कुलश्रेष्ठ, विशाल सूरी, शुगर मिल कर्मचारी एवं डिसलरी सहित सुरक्षा विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे कार्यक्रम का संचालन सुशील कुमार उप प्रबंधक प्रशासनिक के निर्देशन में की गया

राइस इंडस्ट्रीज में हुए ध्वजारोहण में एमएलसी कुंवर महाराज सिंह, पूर्व बार अध्यक्ष रविंद्र सिंह राठौड़, देवेंद्र सिंह परमार, व्यापार मंडल से राजेंद्र गुप्ता, , अनुज पांडे, महावीर जायसवाल, अनुज शुक्ला, सतीश पांडे, आदि उपस्थित थे।

बिथरी चैनपुर, ब्लॉक परिसर में ब्लॉक प्रमुख ब्रजेश कुमारी, भाजपा नेता एडवोकेट हरेंद्र पटेल और खंड विकास अधिकारी आशीष पाल ने ध्वजरोहण किया।उनके साथ ब्लॉक में तैनात सभी स्टाफ मौजूद रहा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर एमओआईसी डॉ उत्तरा शर्मा ने डॉक्टरों और अन्य स्टाफ के साथ ध्वजारोहण किया।थाने मे इंस्पेक्टर चंद्र प्रकाश शुक्ला, एस जी एल इंटरनेशन स्कूल मे स्कूल के अध्यक्ष राम शंकर सक्सेना ने ध्वजारोहण किया। नरियावल स्थित प्राइम हॉस्पिटल मे मैनेजिंग डायरेक्टर डा मिनहाज अली ने ध्वजारोहण कर मिष्ठान वितरण किया।

तहसील परिसर में एसडीएम इशिता किशोर ध्वजारोहण करते हुए। साथ में हैं तहसीलदार आशीष कुमार सिंह, नायब तहसीलदार अरविंद कुमार ।

फतेहगंज पश्चिमी, हिन्दू युवा वाहिनी ने पूर्व फौजी सुनील सिंह के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली। तिरंगा यात्रा का हिंदू युवा वाहिनी के जिला अध्यक्ष सर्वेश सिंह और रमेश सागर ने फूलमाला पहनाकर स्वागत किया। तिरंगा यात्रा में पूर्व मेज़र रामसिंह, फौजी तुलाराम मौर्या, रमन जायसवाल, सुशांत दीक्षित, विक्रम सिंह परमार, संजय चौहान, डॉ हरिओम सिंह, ओमेंद्र चौहान आदि रहे। सुरक्षा के लिए चौकी प्रभारी अनूप सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौजूद रहे।

भुता में विधायक डॉ श्याम बिहारी लाल के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं व विश्व हिंदू महासंघ ने विशाल तिरंगा रैली निकाली। थाना प्रभारी रविंद्र कुमार , ब्लॉक प्रमुख जगमोहन सिंह यादव ने ध्वजारोहण किया।

फतेहगंज पूर्वी: साधन सहकारी समिति पर सचिव राकेश कुमार, थाना परिसर पर थाना अध्यक्ष संतोष कुमार प्राथमिक विद्यालय सिमरा हरचंद सिंह में प्रधान अरविंद कुमार ने शाहपुर बनियान में सुनील शुक्ला,निवडिया में अर्पणा शर्मा , अशोकपुर में कामरान खान ने ध्वजारोहण किया। तिरंगा यात्रा भी निकाली गई। इसके आयोजक सजीत मिश्रा, पवन राज मिश्रा, अतुल किशोर मिश्रा, अरुण कुमार, ऋषभ मिश्रा, सुधीर सिंह, , प्रशांत मिश्रा, अजय गुप्ता, अंकुश गौड़, मुनीष पाठक,आदि लोग रहे ।

रिठौरा ।राजश्री इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टेक्नोलॉजी में संस्थान के चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, सचिव राकेश कुमार अग्रवाल, एकेडमिक एडवाइजर तूलिका अग्रवाल,सीओओ ऋषभ बंसल, 21 यूपी बटालियन से कर्नल देवाशीष एवं लेफ्टीनेंट कर्नल संजय नायर ने ध्वजारोहण किया ।

कैंट,: लालफाटक के शिवधाम कालोनी स्थित वृद्धजन आवास गृह में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रबंधक कांता गंगवार ने ध्वजा रोहण किया। कैंट के शंकर होटल चौराहे पर निरीक्षक अपराध कैंट शैलेन्द्र कुमार ने, छावनी परिषद कार्यालय में सीईओ डॉ तनु जैन ने, रक्षा संपदा कार्यालय में डीईओ शिल्पा ग्वाल , सदर बाजार के शान्ति हायर सेकेंड्री स्कूल में प्रबंधक शशिकांत जायसवाल, ने ध्वज फहराया।

नवाबगंज। नगरपालिका परिषद अध्यक्ष प्रेम लता राठौर ने नगर पालिका के मुख्यालय, पालिका केंद्र में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इस अवसर पर नीरेंद्र सिंह राठौर व वार्ड के सभासद सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

बिशारतगंज। नगर पंचायत कार्यालय पर चेयरमैन मो. ताज उर्फ लाल मियां ,रेलवे स्टेशन पर एसएस आई के झा, ब्लॉक प्रमुख यशवंत सिंह, सीएचसी पर डॉ सुशील कुमार गुप्ता ने ध्वजारोहण किया। नगर पंचायत बिशारतगंज में ध्वजारोहण 12 निर्वाचित और तीन नामित सभासद हैं। लेकिन ध्वजारोहण के समय चेयरमैन के अलावा सभासद कमालुद्दीन मंसूरी, सभासद प्रदीप साहू और सभासद पति रूम सिंह सागर,मुसर्रत अल्वी ही रहे।

रिछा चौकी पर दूसरे दिन तक लहराता रहा राष्ट्रीय ध्वज

देवरनियां : पुलिस चौकी रिछा पर स्वतंत्रता दिवस पर फहराया गया राष्ट्रीय ध्वज सूर्यास्त के बाद अंधेरे में भी लहरात रहा। दूसरेदिन शनिवार को स्थानीय नागरिकों ने दोपहर में भी इसे लहराता हुआ देखा। देवरनियां थाना प्रभारी आशुतोष द्विवेदी से मालूम किया गया, तो वह मौन हो गये।

स्कूल कालेजों में उत्साह से मनाया आजादी का जश्न

परेड की सलामी लेते इफ्को के वरिष्ठ महाप्रबंधक सत्यजित प्रधान । ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : स्कल कॉलेज में बच्चों ने आजादी का जश्न जोश खरोश से मनाया। शिक्षकों ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर दर्शकों का मनमोह लिया।

बरेली, : इफको टाउनशिप में हुए स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि इफको के वरिष्ठ महाप्रबधक सत्यजित प्रधान ने सुरक्षा जवानों की परेड का निरीक्षण किया और झंडारोहण कर सलामी ली। केन्द्रीय विद्यालय, शिक्षा केन्द्र टाइनी टाट्स स्कूल के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। परीक्षा में अव्वल आये केन्द्रीय विद्यालय के छात्र-छात्राए को पुरस्कृत किया।

भोजीपुरा: हांडा पब्लिक स्कूल मे स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। कालेज प्रबंधिका प्रवीन हांडा व प्रधानाचार्या दमयंती कौशिक ने ध्वजा रोहण किया। स्कूल बैंड ने मार्च पास्ट किया ।

गांव मुड़िया हाफिज की गौंटिया में प्राइमरी स्कूलों की बाल वाटिका से सजाया गया। बच्चों में मिष्ठान वितरण किया गया।

भमोरा: लाल सिपटृर लाल राम बेटी डिग्री कॉलेज बल्लिया मे अनिल गुप्ता ने,रामनिवास पार्वती देवी इंटर कॉलेज बल्लिया में शिवेन गुप्ता ने,बाबा रामदास ग्रुप ओफ पी जी कॉलेज कॉलेज भोलापुर में आर डी गुप्ता ने ध्वजारोहण किया।

IS 15700:2018

उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद
कार्यालय सम्पत्ति प्रबन्धक
122 सिविल लाइन्स, बरेली E-Mail Id:-upavp.bly@rediffmail.com

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि परिषद की आवासीय / व्यावसायिक सम्पत्तियों के निम्नलिखित आवेदकों द्वारा नाम के सामने अंकित सम्पत्ति का हस्तानान्तरण / नामान्तरण किये जाने हेतु परिषद में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया गया है :-

क्र. सं.	मूल आवंटी का नाम	भवन / भूखण्ड सख्या, सेक्टर / खण्ड व योजना का नाम	मृत्यु दिनांक	मूल आवंटी के उत्तराधिकारी अथवा आवेदक का नाम	उत्तराधिकारी के पक्ष में अनापत्तिकर्ताओं के नाम	मूल आवंटी से मृतक का संबंध
1.	स्व0 श्री कृष्ण प्रकाश अग्रवाल पुत्र स्व0 श्री मोती राम अग्रवाल	भूखण्ड सं0-बी-250, राजेन्द्र नगर यो0सं0-2, बरेली	15.09.2018	श्री मुकुल अग्रवाल पुत्र स्व0 श्री कृष्ण प्रकाश अग्रवाल	श्रीमती अर्चना अग्रवाल एवं श्रीमती आरती अग्रवाल	पुत्र

उपर्युक्त नामान्तरण के सम्बन्ध में यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह साक्ष्य सहित प्रकाशन तिथि से 30 दिनों के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त करा दें। निर्धारित तिथि तक कोई आपत्ति पत्र प्राप्त न होने पर परिषद अभिलेखों के कॉलम-5 पर लिखित व्यक्ति का नाम दर्ज कर लिया जायेगा तथा उसके बाद किसी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

सम्पत्ति प्रबन्धक

कार्यालय ग्राम पंचायत घंघोरा पिपरिया विकास खण्ड भोजीपुरा, जनपद बरेली

पत्रांक-01/नीलामी/2025-26 दिनांक 13.08.2025

सूचना

ग्राम पंचायत घंघोरा पिपरिया में 02 (दो) दुकानों का निर्माण ग्राम पंचायत की स्वयं की आय सृजित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। उक्त दुकानों की आवंटन के संबंध में समस्त ग्रामवासियों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 22 अगस्त 2025 को ग्राम पंचायत घर में प्रातः 11:00 बजे बैठक आयोजित की जाएगी।

इच्छुक व्यक्तियों से अनुरोध है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर आवंटन प्रक्रिया में भाग लें। अनुपस्थित रहने की दशा में बाद में कोई दावा स्वीकार नहीं किया जाएगा।

स्थान : ग्राम पंचायत घर, घंघोरा पिपरिया
दिनांक: 22.08.2025, समय: प्रातः 11:00 बजे

सांसद-विधायक ने किया मेले का उद्घाटन

क्योलडिया,अमृत विचार: प्राचीन श्री कृष्ण जन्माष्टमी मेले का शनिवार को अर्बन कोआपरेटिव बैंक की अध्यक्ष श्रुति गंगवार व विधायक डॉक्टर एमपी आर्य ने फीता काटकर शुभारंभ किया। श्रुति गंगवार में कहा की मेला लोगों को एकता को बढ़ाता है। इस दौरान छद्मी लाल आचार्य, रविंदर गंगवार, बाबूराम सक्सेना, आदि रहे।

मीरगंज: ग्राम पंचायत गूला में जन्माष्टमी मेला कमेटी का सांसद बरेली छत्रपाल सिंह गंगवार एवं विधायक डॉक्टर डीसी वर्मा ने सामूहिक रूप से फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर अजयवीर सिंह, निरंजन यदुवंशी संतोष शर्मा, डॉ रामेंद्र चौहान, प्रधान छोटेलाल कोरी, आदि रहे।

शाहजहांपुर का नाम गुलामी का प्रतीक, बदला जाए: उमा

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : स्टेशन रोड तिराहे पर लोधी समाज की ओर से वीरांगना रानी अवंतीबाई लोधी की जयंती पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। पूर्व मुख्यमंत्री साध्वी उमा भारती ने प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर सांसद, मंत्री और बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे। गौरीशंकर गुलड़िया स्कूल के बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

उमा भारती ने कहा कि शाहजहांपुर गुलामी का प्रतीक नाम है, इसे सांस्कृतिक या स्वतंत्रता सेनानी से जुड़े किसी नाम से बदला जाना चाहिए। उन्होंने भाजपा को लोधी समाज से मिली मजबूती का जिक्र करते हुए कहा कि इसी कारण पिछड़े वर्गों ने भी पार्टी पर भरोसा किया।

आंवला में लोगों का अभिवादन करतीं उमा भारती, साथ में हैं मंत्री बीएल वर्मा व धर्मपाल।

राममंदिर आंदोलन को याद करते हुए उमा ने कहा कि यह धर्म नहीं बल्कि राष्ट्रवाद की लड़ाई थी। उन्होंने कहा राम भारत की पहचान हैं, जबकि बाबर विदेशी आक्रांता था। कारसेवकों पर गोली न चलाने का कल्याण सिंह का निर्णय ही मंदिर निर्माण का आधार बना,

सांसद डॉ. साक्षी महाराज ने कहा कि राममंदिर आंदोलन में कल्याण सिंह और उमा भारती का योगदान ऐतिहासिक रहा। केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा और पूर्व सांसद राजवीर सिंह राजू भैया ने भी लोधी समाज की राष्ट्रवादी भूमिका पर बल दिया। कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा अखिलेश यादव की पार्टी में मुख्यमंत्री से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष तक सब कुछ वह और उनका परिवार है। जबकि भाजपा में कार्यकर्ता ही सबकुछ है। इस दौरान विधायक वरखेडा स्वामी प्रवक्तानंद, विधायक एटा विपिन कुमार डेबिड, सांसद फरूखाबाद मुकेश राजपूत, पूर्व सांसद गंगाचरण राजपूत, पूर्व सांसद घनश्याम सिंह लोधी, महापौर शाहजहांपुर अर्चना वर्मा,आदि रहे।

अखिलेश पर उमा और धर्मपाल के तंज

उमा भारती – भाजपा ने 40–50 साल तपस्या की है, तब यह स्थिति बनी। अखिलेश पहले अपनी पार्टी के अंदर सफाई अभियान चलाएँ, तभी लोकतंत्र की बात करें।

धर्मपाल सिंह – अखिलेश का पीडीए महज ढकोसला है। सपा में सबकुछ परिवार के हाथ में है। असल मायने में यह पारिवारिक डवलपमेंट अथॉरिटी है।

झलकियां

- मंच पर चढ़ते समय पूर्व सांसद धर्मेंद्र कश्यप गिर पड़े।
- उमा भारती ने मंच पर ही रोटी खाई और डीजे की तेज आवाज बंद कराई।
- बीच सड़क पर मंच बनने से रास्ता बंद रहा, टैंकर चालक प्रदर्शन करते रहे।

कार्यालय जिला पंचायत, शाहजहांपुर

पत्रांक: सी-360/जि.पं.नि.अनु./2025-26 **निविदा सूचना** दिनांक: 14.08.2025

संशोधित निर्माण नियमावली के अनुसार जिला पंचायत, सिंचाई विभाग/लोक निर्माण विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि पंचम राज्य वित्त आयोग के अन्तर्गत वर्ष 2025-26 की निम्नांकित परियोजनाओं के निर्माण हेतु दिनांक 04.09.2025 को मोहरबंद निविदाएं अपराहन् 02:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। जो उसी दिन सायं 03 बजे से कार्यालय जिला पंचायत शाहजहांपुर में निविदा समिति द्वारा उपस्थित ठेकेदारों के समक्ष खोली जायेगी। इच्छुक ठेकेदार दिनांक 03.09.2025 को सायं 05 बजे तक निर्धारित निविदा शुल्क जमाकर टेन्डर फार्म कार्यालय से क्रय कर सकते है। इच्छुक ठेकेदार को कार्य के सम्मुख अंकित दो प्रतिशत धरोहर धनराशि (एन.एस.सी/ टी.डी.आर./एफ.डी.आर.) निविदा के साथ संलग्न करना अनिवार्य होगा। जो अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत शाहजहांपुर के नाम बंधक होगी। निविदायें स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार सक्षम अधिकारी में निहित है। निविदा से सम्बन्धित अन्य शर्ते कार्यालय दिवस में देखी जा सकती है। आमंत्रित निविदाओं के कार्यादेश धनराशि की उपलब्धता के आधार पर निर्गत किये जायेंगे। आमंत्रित की जाने वाली निविदाओं का विवरण निम्नवत् है:-

क्र. सं.	विकास खण्ड	कार्य का नाम	धनराशि जी.एस.टी. सहित	2% धरोहर धनराशि	निविदा शुल्क मय जी.एस.टी.	कार्य पूर्ण करने की अवधि
01.	सिन्धौली	ग्राम सिन्धौली में मेन बाजार से पंचायत रोड पर पैच मरम्मत कार्य।	0.99	1980	300	3 माह
02.	जैतीपुर	ग्राम गोगेपुर मार्ग से भुडिया तक लेपन अनुरक्षण कार्य।	1.35	2700	300	3 माह
03.	सिन्धौली	ग्राम पुवायां पटई मार्ग से नगरिया प्रयागपुर तक डामर पैच मरम्मत कार्य	1.68	3360	300	3 माह
04.	जैतीपुर	ग्राम कटरा सिउरा जैतीपुर मार्ग से बैसरा बिसरी लिंक मार्ग तक लेपन अनुरक्षण कार्य।	1.98	3860	300	3 माह
05.	जैतीपुर	ग्राम बंदिया कलां जैतीपुर मार्ग पर लेपन अनुरक्षण कार्य।	2.11	4220	300	3 माह
06.	सिन्धौली	ग्राम पटई मार्ग से भूड़खेड़ा तक डामर पैच मरम्मत कार्य।	3.58	7160	710	3 माह
07.	भावलखेड़ा	मोहम्मदी मार्ग से ग्राम रहीमपुर तक पैच मरम्मत कार्य।	3.75	7500	710	3 माह
08	मदनापुर	हठीपुर कुर्रिया में नहर पटरी से श्री अभय के फार्म तक डामर पैच मरम्मत कार्य।	4.08	8160	710	3 माह
09.	जैतीपुर	ग्राम नगला देहात माली से कन्हान तक लेपन अनुरक्षण कार्य।	4.16	8320	710	3 माह
10.	भावलखेड़ा	पट्टी बहादुरपुर से रूर्कपुर तक लेपन मरम्मत कार्य।	4.23	8460	710	3 माह
11.	सिन्धौली	ग्राम मुडिया पमार लिंक रोड से चंदपई तक डामर पैच मरम्मत कार्य।	4.48	8960	710	3 माह
12.	खुदागंज	निगोही खुदागंज रोड से कन्धरापुर लिंक मार्ग तक लेपन मरम्मत कार्य।	5.31	10620	1200	3 माह
13.	ददरौल	ग्राम भटेला मार्ग से रसूलपुर चठिया तक डामर मरम्मत कार्य।	5.46	10920	1200	3 माह
14.	तिलहर	बिहारीपुर मुडिया में डामर पैच मरम्मत कार्य।	5.86	11720	1200	3 माह
15.	मदनापुर	गुलैलाखेडा तिलहर मुख्य मार्ग से महियावर तक पैच मरम्मत कार्य।	5.99	11980	1200	3 माह
16.	मदनापुर	ग्राम गिरधरपुर में लेपन मरम्मत कार्य।	6.43	12860	1200	3 माह
17.	खुटार	खुटार बंडा मार्ग से पिपरिया भगवंत तक डामर पैच मरम्मत कार्य।	6.69	13380	1200	3 माह
18.	कांट	ग्राम कुर्रिया कला में बड़ी पुलिया से पुलिस चौकी की ओर डामर पैच मरम्मत कार्य।	7.5	15000	1200	3 माह
19.	जलालाबाद	खण्डहर मुख्य मार्ग से सुल्तानपुर	7.57	15140	1200	3 माह
20.	निगोही	गंगा जमुनी से अन्ड खेडा तक लेपन मरम्मत कार्य।	8.00	16000	1200	3 माह

अभियन्ता
जिला पंचायत शाहजहांपुर

अपर मुख्य अधिकारी
जिला पंचायत शाहजहांपुर

मदरसे में डाला ताला तो आमने सामने आए दो पक्ष

संवाददाता, फतेहगंज पश्चिमी

अमृत विचार : क्षेत्र के गांव कुरतरा में शुक्रवार को मदरसा में ताला डालने को लेकर एक ही समुदाय के दो पक्ष आमने-सामने आ गए। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया। विवाद शांत न होने पर पुलिस ने प्रधान के बेटे समेत दो लोगों को हिरासत में लिया।

जानकारी के अनुसार, इमाम को लेकर पिछले कई महीनों से गांव में दो पक्षों में विवाद चला आ रहा है। बताया गया कि प्रधान पक्ष मस्जिद में एक इमाम को लाए। इन्हीं इमाम से मदरसे में बच्चों को पढ़ाने के लिए कहा तो इमाम ने दो जगह काम करने से असमर्थता जता दी। मस्जिद के लिए नया इमाम रख लिया गया। लगभग तीन माह से अंदर ही अंदर यह तनातनी चल रही थी।

15 अगस्त की सुबह मदरसे के इमाम सुबह कुछ समय के लिए मदरसे में स्थित अपने आवास से चले गये तो प्रधान पक्ष के लोगों ने मदरसे में ताला डाल दिया तो इमाम ने बच्चों संग मदरसे के बाहर ही ध्वज फहराया। तभी दोनों पक्ष आमने सामने आ गये। शुक्रवार को पूरे दिन माहौल तनावपूर्ण रहा। पुलिस ने दोनों पक्षों से एक एक व्यक्ति को हिरासत में लिया रात भर थाने में बैठाए रखा। शनिवार की सुबह दोनों पक्षों में समझौता हो गया। दोनों पक्षों ने कार्रवाई नहीं करने का आवेदन दिया है।

सेंथल में अकीदत से मनाया गया चेहल्लुम

सेंथल, अमृत विचार: शुक्रवार को हजरत इमाम हुसैन और शोहदा-ए-कर्बला का चेहलुम अकीदत के साथ मनाया गया। अकीदतमंदों ने जंजीर और छुरीयो का मातम कर रसूले खुदा को शहीदाने कर्बला का पुरसा पेश किया। पूरे दिन मजलिसों-मातम का सिलसिला चला।

पहली मजलिस इमामबाड़ा खुर्द में हुई जिसको मौलाना तंजीम हुसैन जैदी ने खिताब कर शहीदाने कर्बला की शहादत बयान की। दूसरी मजलिस दरगाह हजरत अब्बास में आयोजित की गई। मजलिस के बाद दरगाह हजरत मौला अली से ताजिए का जुलूस उठकर इमामबाड़ा कला गया। इस दौरान डॉ अकील जैदी, असद जैदी, मुनीब हुसैन, सैफ जैदी, फुजैल, मुहामिद जैदी आदि मौजूद रहे। इमामबाड़ा कला में आयोजित मजलिस को अल्लामा शाहीन रजा जैदी ने खिताब किया। रसूला तालिब हुसैन, लाईखेड़ा, लाडपुर, टांडा सादात, पनुआ आदि गांवो के ताजिए भी कर्बला पहुंचे और या हुसैन की सदाओं के साथ दफन किए गए।

जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग-द्वितीय, बरेली उ.प्र.

इजराय संख्या-28/2025

पुनीत गुप्ता बनाम आई.सी.एल. म्युचुअल बेनिफिट

नोटिस

1. आई.सी.एल. म्यूचुअल बेनिफिट्स कॉर्पोरेशन लि. कॉर्पोरेट ऑफिस-41 सी, गांधी नगर पंचम एम.आर.आई. सेन्टर के सामने, बरेली। रजिस्टर्ड ऑफिस-10, जमुना बिहार, नार्थ सिटी एक्सटेंशन के सामने, पीलीभीत रोड, बरेली। **2. आई.सी.एल. मल्टी ट्रेडिंग इंडिया लि.** कॉर्पोरेट ऑफिस-41 सी, गांधी नगर पंचम एम.आर.आई. सेन्टर के सामने, बरेली। रजिस्टर्ड ऑफिस-10, जमुना बिहार, नार्थ सिटी एक्सटेंशन के सामने, पीलीभीत रोड, बरेली। **3 आई.सी.एल. आर्गनिक डेयरी** कॉर्पोरेट ऑफिस-41 सी, गांधी नगर पंचम एम.आर.आई. सेन्टर के सामने, बरेली। रजिस्टर्ड ऑफिस-10, जमुना बिहार, नार्थ सिटी एक्सटेंशन के सामने, पीलीभीत रोड, बरेली। **4. गिरीराज फाइनेन्सियल सर्विसेज प्रा. लि.** कॉर्पोरेट ऑफिस-41 सी, गांधी नगर पंचम एम.आर.आई. सेन्टर के सामने, बरेली। रजिस्टर्ड ऑफिस-10, जमुना बिहार, नार्थ सिटी एक्सटेंशन के सामने, पीलीभीत रोड, बरेली। **5. विटेसी एग्रो. लि.** कॉर्पोरेट ऑफिस-41 सी, गांधी नगर पंचम एम.आर.आई. सेन्टर के सामने, बरेली। रजिस्टर्ड ऑफिस-10, जमुना बिहार, नार्थ सिटी एक्सटेंशन के सामने, पीलीभीत रोड, बरेली। 6. रूप किशोर गोला पुत्र श्री नत्थू लाल गोला कॉर्पोरेट ऑफिस-41 सी, गांधी नगर पंचम एम.आर.आई. सेन्टर के सामने, बरेली। रजिस्टर्ड ऑफिस-10, जमुना बिहार, नार्थ सिटी एक्सटेंशन के सामने, पीलीभीत रोड, बरेली।

आपको सूचित किया जाता है कि परिवाद संख्या 04/2024 में इस आयोग के निर्णय/ आदेश दिनांकित 15.01.2025 का अनुपालन आपके द्वारा नहीं किया गया है। उक्त परिवाद से सम्बन्धित इजराय वाद संख्या 28/2025 में सुनवाई हेतु अग्रिम तिथि 20.09.2025 नियत की गयी है।

अतः आप दिनांक 20.09.2025 को समय प्रातः 10:30 बजे जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग-द्वितीय बरेली में स्वयं उपस्थित हो। आज दिनांक 13.08.2025 को जारी किया गया।

आज्ञा से-अध्यक्ष
जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग-द्वितीय, बरेली।

मोटर बोट आने से मचा हड़कंप

मीरगंज: थाना क्षेत्र के गांव गोरा लोकनाथपुर में रामगंगा के किनारे मोटरबोट को देखकर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। थाना प्रभारी ने जानकारी दी कि किसान की मोटरबोट कुछ दिन पूर्व गुम हो गई थी। पानी ज्यादा होने से मोटर बोट शिवपुरी से मरीगंज की तरफ आ गई। रामगंगा में बढ़ते जलस्तर के बीच मोटरबोट देखकर ग्रामीण भयभीत हो गये।ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी थानाध्यक्ष प्रयागराज सिंह ने बताया कि सिरौली क्षेत्र के एक किसान ने उनको कुछ दिनो पहले अपनी मोटर बोट के गुम हो जाने की सूचना दी थी। पुलिस ने मोटर बोट मालिक को सूचना दे दी है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
7906732664, 8445507002

NOTICE

I, Rahul Singh, serving in 59 Engineer Regiment (Bengal Sappers), Army No. 18018548H, state that in my service book, my father Shivpal Singh date of birth has been incorrectly recorded as 01.01.1975. The correct date of birth is 01.01.1967, which I want to be recorded in my service book. This date is also mentioned on the Aadhaar card & pan card. Therefore, the said date of birth should be corrected accordingly.Rahul SinghSon of Shivpal Singh Resident of Village Manavapur, Post Bhalliya Buzurg, Tehsil Lakhimpur, District Kheri.

सूचना

मैं 59 इन्जीनियर रेजीमेन्ट (बंगाल संपर) राहुल सिंह आर्मी नं. 18018548 एच. तैनात हूं। मेरी सर्विस बुक में मेरे पिता शिवपाल सिंह की जन्मतिथि 01.01.1975 त्रुटिवश अंकित हो यी है। जबकि सही जन्मतिथि 01.01.1967 है जो कि मैं अपनी सर्विस बुक में अंकित कराना चाहता है। जो कि आधार कार्ड व पैन कार्ड पर दर्ज है। उक्त सही जन्मतिथि संशोधित की जाये। **राहुल सिंह पुत्र शिवपाल सिंह निवासी ग्राम मनवापुर पो. भल्लिया बुजुर्ग तह. लखीमपुर खीरी**

सूचना

मेरे पति चिरोंजी लाल वर्मा पुत्र पुत्तू लाल वर्मा का चाल चलन घर परिवार व समाज के प्रति अच्छा नही है। ये मानसिक रूप से कमजोर है और किसी के कुछ कहने पर वही करने लगते है स्वयं की सोच-विचार की शक्ति नही है। मेरे पति चिरोंजी लाल वर्मा के द्वारा किये गए किसी प्रकार के कृत्यों का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य का कोई वास्ता सरोकार नही होगा। यदि कोई व्यक्ति इनसे कोई लेंन-देंन या वास्ता सरोकार रखता है तो इसका उत्तरदायी वह स्वयं होगा। **कमला देवी पत्नी चिरोंजी लाल वर्मा निवासी ग्राम मीरपुर, पोस्ट मीरपुर जिला-खीरी**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं राजेश्वरी देवी पत्नी स्व. बाबूराम मो. गढ़ी गड़िपुरा तहसील सदर, शाहजहांपुर अपने पुत्र रवि वर्मा को उसके गलत आचरण के कारण अपनी समस्त चल व अचल संपत्ति से बेदखल एवं संबंध विच्छेद करती हूं। रवि वर्मा द्वारा किए गए किसी कृत्य की जिम्मेदारी मेरी व मेरे परिवार की नहीं होगी।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अपने पुत्र छोटे एवं पुत्रवधू सोनम को उनके गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण उन्हें अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य का मुझसे व मेरे परिवार के किसी भी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **शकील अहमद पुत्र हुसैन अहमद निवासी जाफरपुर थाना शीशगढ़ तह. मीरगंज जिला बरेली**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे ड्राइविंग लाइसेंस नं. UP2520140018922 में मेरा नाम भूलवश भागवती शर्मा (BHAGWATI SHARMA) दर्ज हो गया है जबकि मेरा वास्तविक नाम भाग्यवती शर्मा (BHAGYAWATI SHARMA) है। आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में भी मेरा नाम भाग्यवती शर्मा ही दर्ज है। **भाग्यवती शर्मा पत्नी पशुपति शर्मा निवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी कॉलोनी जोगीनवादा, जिला बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार

रविवार, 17 अगस्त 2025

मेरा मुझ में कुछ नहीं,
जो कुछ है सो तेरा।
तेरा तुझकौं सौंपता,
क्या लागै है मेरा॥

कबीर दास जी कहते हैं, मेरे पास अपना कुछ भी नहीं है। मेरा जीवन, मेरी संपत्ति, मेरा यश सब कुछ तुम्हारा ही है। जब मेरा कुछ भी नहीं है तो उसके प्रति मोह कैसा? तेरी दी हुई चीजों को तुम्हें समर्पित करते हुए मेरी क्या हानि है? इसमें मेरा अपना लगता ही क्या है?

जीएसटी 2.0: घरेलू उद्योग को सुदृढ़ करने की तैयारी

पीएम मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले की प्राचीर से जीएसटी 2.0 का एलान किया है। इससे जीडीपी में गिरावट होने की संभावना है, लेकिन घरेलू उद्योग को इससे बल मिलेगा। इन प्रस्तावित सुधारों का सबसे बड़ा फायदा उपभोक्ता मांग में वृद्धि के रूप में दिखेगी, क्योंकि जीएसटी की दरों में कटौती से आवश्यक और रोजमर्रा की उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों में कमी आएगी, जिससे खरीद क्षमता बढ़ेगी और वास्तविक घरेलू मांग में भी तेजी आएगी।

प्रो. एचसी पुरोहित
कोआर्डिनेटर, सेंटर फॉर हिंदू स्टडीज, दून विश्वविद्यालय

प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त, 2025 की स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से प्रस्तावित आर्थिक सुधारों का जिक्र करते हुए जीएसटी 2.0 का एलान किया है। इसमें दीवाली तक यानि अक्टूबर माह तक जीएसटी दरों में कटौती करने और कर ढांचे को सरल बनाने का प्रस्ताव शामिल है। इस क्रम में वित्त मंत्रालय ने वर्तमान में जारी 0, 5%, 12%, 18%, और 28% की कर प्रणाली की जगह दो-स्लैब संरचना (स्टैंडर्ड और मर्ज) पेश की है, केवल कुछ चुनिंदा वस्तुओं के लिए विशेष दरें प्रस्तावित की गई हैं। अनुमान है कि 12% स्लैब की लगभग 20% वस्तुएं जैसे पैक्ड फूड, पेय, वस्त्र, होटल सेवाएं आदि जिसे 5% या 18% में स्थानांतरित किया जा सकता है, जिससे राजस्व में लगभग 50,000 करोड़, जिससे लगभग 0.15% जीडीपी को नुकसान हो सकता है, लेकिन इससे घरेलू उद्योग को प्रोत्साहन होगा और 0.6–0.7% जीडीपी तक पहुंचने की संभावना है।

इन प्रस्तावित सुधारों का सबसे बड़ा फायदा उपभोक्ता मांग में वृद्धि के रूप में देखने को मिलेगा, क्योंकि जीएसटी की दरों में कटौती से आवश्यक और रोजमर्रा की उपभोक्ता वस्तुओं की कीमतों में कमी आएगी, जिससे खरीद क्षमता बढ़ेगी और वास्तविक घरेलू मांग में भी तेजी आएगी। विशेष कर कटौती का असर रसोई और गैर-टिकाऊ वस्तुओं पर अधिक होगा, जिससे एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा मिलेगा, क्योंकि दो-स्लैब मॉडल, संशोधित इनपुट टैक्स क्रेडिट और कम विवादित ढांचे से एमएसएमई और अन्य व्यवसायों के आसानी से संचालन और नकदी प्रवाह में सुधार की संभावना बढ़ेगी। इस व्यापक सुधार से व्यापार लागत कम होगी और भारतीय वस्तुओं की वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ेगी, जिससे निर्यात क्षेत्र विशेष रूप से लाभान्वित होगा। कर ढांचे की सरलता, तकनीकी असाधारण स्वचालित रिफंड और स्थिरता से निवेश के अवसरों में वृद्धि की संभावनाएं पैदा होंगी, ये सुधार भारत को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने की दिशा में सहायक साबित होंगे।

भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार हो रहे आर्थिक सुधारों के कारण मजबूती से आगे बढ़ रही है। हाल ही में जारी राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के आंकड़े बताते हैं कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रा स्फीति की दर पिछले आठ वर्षों के न्यूनतम स्तर पर है, जिससे महंगाई में कमी का मुख्य कारण समझा जा सकता है। विशेष तौर पर खाद्य पदार्थों की कीमतों में कमी के रूप में भी इसे देखा जा सकता है। इसके अलावा मानसून की बेहतर स्थिति से खरीफ की अच्छी बुवाई भी स्थिरता के लिए एक अच्छा संकेत है। 14 अगस्त को एसएंडपी (स्टैंडर्ड एंड पूवर्स) ग्लोबल रेटिंग्स द्वारा भारत को BBB श्रेणी निवेश में रखा है, जो 18 वर्षों के बाद अपग्रेड किया गया है। इससे पहले वर्ष 2007 में अपग्रेड किया गया था, स्पष्ट है कि भारत की अर्थव्यवस्था में आज निवेश करना सुरक्षित है, मौद्रिक नीति निवेश के अनुकूल है और निवेशकों को आकर्षित कर रही है। यह रेटिंग बताती है कि भारत अपने ऋण और वित्तीय दायित्वों को पूरा करने में सक्षम है, परंतु इसकी वित्तीय स्थिति और नीतियों पर दबाव भी मौजूद है। BBB का मतलब है कि देश की आर्थिक और राजनीतिक स्थिति में स्थिरता है, परंतु बाहरी झटकों जैसे वैश्विक मंदी, तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव, चालू खाते का घाटा आदि का असर पड़ सकता है।

इससे ऊपर की रेटिंग श्रेणी में A या AA को अधिक भरोसेमंद माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय निवेशक और फंड मैनेजर BBB रेटिंग को संकेत मानते हैं कि भारत में निवेश किया जा सकता है, लेकिन जोखिम कुछ अधिक है। उच्च रेटिंग मिलने पर विदेशी निवेश और सस्ता कर्ज मिलने की संभावना बढ़ जाती है। अगर रेटिंग घटकर जंक श्रेणी में चली जाए तो निवेशकों का भरोसा कमजोर हो जाता है। भारत की तुलना में चीन को A+ श्रेणी प्राप्त है, यह रेटिंग A- ग्रेड की ऊपरी श्रेणी में आती है, जो भारत के मुकाबले ज्यादा भरोसेमंद और स्थिर आर्थिक स्थिति को दर्शाती है। वहीं अमेरिका AA+ श्रेणी में है, यह रेटिंग दुनिया की सबसे भरोसेमंद स्थिर अर्थव्यवस्थाओं को दर्शाती है। पाकिस्तान को B- श्रेणी की रेटिंग है, यह रेटिंग 'स्पेक्यूलेटिव ग्रेड' यानी 'जंक' की श्रेणी में आती है, जिसका अर्थ है कि भुगतान में संभावित मुश्किलें और निवेशकों के लिए उच्च जोखिम मौजूद हैं। प्रधानमंत्री द्वारा लाल किले की प्राचीर से जीएसटी दरों में बदलाव का यह आह्वान घरेलू बाजार में उपभोक्ता वस्तुओं की मांग बढ़ाने में सहायक होगा, जिससे औद्योगिक विकास को गति मिलेगी विशेष तौर पर सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को विस्तार देने के साथ ही यह रोजगार सृजन के लिए भी महत्वपूर्ण कारक सिद्ध होगा। इस श्रेणी में सबसे नीचे 'D' रेटिंग है, जिसका अर्थ है कि देश ने अपने वित्तीय दायित्वों का भुगतान बंद कर दिया है, यानी डिफॉल्ट कर चुका है और वह अधिकांश दायित्वों का भुगतान करना जारी नहीं रखेगा।

अलास्का मीटिंग: नतीजा सिफर, उम्मीदें बरकरार

अलास्का में पुतिन और डोनाल्ड ट्रंप की तीन घंटे तक चली लंबी मीटिंग बेनतीजा रही। दुनिया भर की नजर दोनों देशों के दिग्गज नेताओं पर थी। भारत भी चाहता है कि रूस और यूक्रेन का युद्ध खत्म हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस और यूक्रेन की यात्रा के दौरान युद्ध को समाप्त करने के लिए बातचीत की थी, मगर दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्ष युद्ध पर अड़े हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस मामले में फिर से पहल की है। इसी संदर्भ में अलास्का में ट्रंप और पुतिन की महत्वपूर्ण मीटिंग हुई। इस बैठक का फिलहाल कोई बड़ा नतीजा नहीं निकल सका है, लेकिन अमेरिका और रूस के राष्ट्रपतियों के बीच हुई बातचीत में निष्कर्ष निकलता दिखाई दे रहा है। यूक्रेन और रूस के बीच लेन-देन की सहमति बन जाती है, तो युद्ध घंटों में समाप्त हो सकता है। डोनाल्ड ट्रंप युद्ध खत्म करने की कोशिशों को प्रगतिकारक मान रहे हैं। अलास्का की बैठक इस मामले में भी अहम है कि युद्ध रोकने के प्रयास किए जा रहे हैं। इससे दुनिया में शांति का संदेश भी जाता है। पुतिन ने युद्ध को ट्रेजडी कहा और आगामी दिनों में मास्को में नई बैठक का न्योता भी दिया है।

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार

जेलेंस्की ट्रंप पर नाराज हो सकते हैं, लेकिन अहम यह है कि अमेरिका युद्ध विराम के लिए प्रयत्न कर रहा है। अरबों रुपये का नुकसान होने के बाद भी दोनों देश जिद छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं। भारत जैसे शांतिप्रिय देश ने रूस के राष्ट्रपति पुतिन से कहा था कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं है। आज के परिपेक्ष्य में युद्ध लड़ा ही नहीं जाना चाहिए। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध अच्छे हैं, लेकिन युद्ध खत्म करने पर बात नहीं बन सकी। यूक्रेन नाटो की मदद से युद्ध लड़ रहा है। अमेरिका भी नाटो का सदस्य है। नाटो की सदस्यता की वजह से अमेरिका का नाम भी खराब हो रहा है। यूरोपीय देश शांति के पक्षधर हैं। कई लाख मौतें दुनिया के इतिहास का काला सच हैं, जिसके लिए दोनों देश जिम्मेदार हैं। निर्दोष लोगों के शवों पर राजनीति करना राजधर्म कदापि नहीं हो सकता है। जानमाल की जवाबदेही सरकार की होती है। दुनिया दो विश्व युद्ध देख चुकी है, अब तीसरा विश्व युद्ध नहीं सह सकती है।

> बैठक का फिलहाल कोई बड़ा नतीजा नहीं निकल सका है, लेकिन अमेरिका और रूस के राष्ट्रपतियों के बीच हुई बातचीत में निष्कर्ष निकलता दिखाई दे रहा है। यूक्रेन और रूस के बीच लेन-देन की सहमति बन जाती है, तो युद्ध घंटों में समाप्त हो सकता है।

युद्ध विराम विश्व शांति के लिए जरूरी है। जेलेंस्की चाहते हैं कि युद्ध विराम हो जाए, क्योंकि युक्रेन कठिन दौर से गुजर रहा है। वह चाहते हैं कि ईमानदारी से युद्ध का अंत हो। अलास्का की मीटिंग ने दोनों देशों के बीच युद्ध विराम का खाका तैयार करने का काम किया है। ट्रंप की चाहत है कि वह युद्ध को खत्म करा सकें, ताकि वह नोबल शांति पुरस्कार के दावेदार बन सकें। आने वाले दिनों में ट्रंप और पुतिन की मीटिंग मास्को में होनी है। अगर इसमें युद्ध खत्म करने पर सहमति बन जाती है, तो ट्रंप निश्चित तौर पर इसका क्रेडिट लेना चाहेंगे। अलास्का में दोनों देशों के बीच हुई बैठक के बाद यह निष्कर्ष निकलता है कि यह समझौते की शुरुआत है। दूसरी बैठक को लेकर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि दोनों देशों के बीच सहमति बनेगी और युद्ध खत्म होगा।

स्कूलों में अनिवार्य हो बाल साहित्य

बच्चे आदत से चाहे कैसे भी हों, स्वभाव से वे हंसमुख होते हैं। वे अपने मन के राजा होते हैं। कंप्यूटर, मोबाइल, वीडियो गेम, कार्टून, सीरियल और फास्टफूड के मध्य पल रहे नन्हें-मुन्ने बच्चों में अब फिर से संस्कार सिंचन आवश्यक हो गया है। कहते हैं कि बालमन पर समझ की जो छवियां बनती हैं, वे बहुधा जीवन भर उनको प्रभावित करती हैं। उनके मन मस्तिष्क में स्थापित रहती हैं। छोटी वय में ही बालकों को पुस्तक पठन के लिए प्रेरित किया जाना आवश्यक है। बच्चों की किताबों और पत्रिकाओं में उनके लिए जो लिखा जाता है, वही बाल साहित्य कहलाता है। जरूरत है कि बच्चों को अच्छा बाल साहित्य उपलब्ध करवाया जाए। उनमें किताबों के पठन- पाठन के संस्कार विकसित किए जाएं। यही सुसंस्कार बालमन को प्रेरित करते रहेंगे और उन्हें जीवन में श्रेष्ठ नागरिक बनने की दिशा प्रदान करते रहेंगे। कोर्स की किताबें पढ़ने से बालकों का बाह्य विकास होता है, परंतु बाल साहित्य पढ़ने से आंतरिक विकास होता है। यह मात्र बच्चों का मनोरंजन ही नहीं करता अपितु उन्हें नर से नारायण बनाने की प्रेरणा भी देता है।

राजकुमार जैन राजन
लेखक

प्राथमिक कक्षा से ही विद्यर्थियों के पाठ्यक्रम में श्रेष्ठ और प्रेरक बाल साहित्य पढ़ाया जाए, बल्कि बालसाहित्य को अनिवार्य कर दिया जाए। विद्यर्थियों को महापुरुषों की जीवनियां पढ़ाई जाएं। घटना प्रधान कहानियों के माध्यम से मूल्यपरक शिक्षा को बढ़ावा दिया जाए। श्रेष्ठ बाल साहित्य के माध्यम से नैतिकता के सिद्धांत और नियमों को पढ़ाया जाना चाहिए। हमारी उज्ज्वल सांस्कृतिक परंपराओं का दिग्दर्शन कराया जाए। जब तक इस कार्य को हम एक मिशन की तरह आगे नहीं बढ़ाएंगे, हम सांस्कृतिक, आध्यत्मिक और नैतिक चेतना को जगाने में सफल नहीं हो सकेंगे। आज आधुनिक परिवेश के अनुरूप बाल साहित्य की आवश्यकता है। उपयोगी बाल साहित्य की आड़ में बच्चों को अब केवल उपदेशात्मक साहित्य नहीं दिया जा सकता। बच्चे उपदेश सुनना ही नहीं चाहते। उन्हें चाहिए ऐसी किताबें जो उनके दृष्टिकोण को समुन्नत बनाएं और उससे उपजे प्रश्नों के उत्तर मिलें। एडवेंचर, साहस, सामान्य ज्ञान, विज्ञान आदि से जुड़ी रचनाएं इस कमी को पूरा कर सकती हैं। इसका मतलब यह भी नहीं है कि उन्हें यही विषय पसंद आते हैं, वे चरित्र कथाएं, जीवनियां, पौराणिक आख्यान परीकथाएं, राजा-रानी, जादुई एवं रहस्य रोमांच की कहानियां भी खूब पसंद करते हैं, जो केवल उपदेशात्मक न हों बल्कि भाषा, शैली, कथ्य में वह बालमन को कहीं छूता चले और अपना प्रभाव बच्चों के हृदय पर

अंकित कर दें। शिक्षाविद् और सरकारें इस बात पर अपना ध्यान केंद्रित करें कि प्राथमिक कक्षाओं से ही बच्चों के आध्यत्मिक-वैज्ञानिक निर्माण को प्रमुखता दें तो शिक्षा जगत की अहम समस्याओं का समाधान हो सकता है। इससे तैयार होने वाली पीढ़ी एक नए भारत के निर्माण की रूप रेखा तय करेगी और मशीन होती मनुष्यता के खतरों का उन्मूलन करते हुए भारत को पुनः प्रतिष्ठा दिलाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकेगी।

पहाड़ संकेत से दे रहे हैं बड़ी चेतावनी

बीते कुछ दिनों में जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कई इलाकों में भारी बारिश के बाद भयानक नुकसान की खबरें आई हैं। इन पहाड़ी राज्यों के कई इलाकों में भारी बारिश के बाद लैंडस्लाइड और बादल फटने की वजह से जन-धन की हानि हुई है। ये घटनाएं कई सवाल खड़े करती हैं। हमारे पहाड़ आखिर ऐसे क्यों दरक रहे हैं? क्या वजह है कि हमारी नदियां इतनी विकराल हो रही हैं? इस तबाही को कुदरत का कहर कहा जाना चाहिए या इंसानी लापरवाही का नतीजा? यह कुछ बड़े सवाल हैं।

वैज्ञानिकों के अनुसार, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से उठने वाली गर्म हवाएं अब हिमालय से टकरा रही हैं और क्यूम्यलोनिम्बस जैसे खतरनाक बादल बना रही हैं, जो 50,000 फीट तक ऊंचे हो सकते हैं। आईएमडी और स्कायमेट जैसे संस्थानों ने पहले भी चेतावनी दी थी कि उत्तराखंड जैसे राज्यों में बारिश का पैटर्न अब अस्थिर हो चुका है। आईपीसीसी की रिपोर्ट बताती है कि पहाड़ों में हर एक डिग्री सेंटीग्रेड तापमान वृद्धि पर वर्षा की तीव्रता 15 प्रतिशत तक बढ़ जाती है। यह मैदानी इलाकों की तुलना में दोगुनी है।

> ऊपरी हिमालय में ग्लेशियरों के गलन की बढ़ती गति और भूगर्भीय हलचलें बड़े पैमाने पर मलबा जुटा रही हैं। वहां बारिश और हिमस्खलन से अस्थाई झीलें बन रही हैं। बादल फटने और अतिवृष्टि जैसे प्रकोपों के दौरान मलबा कई गुना ताकत से बहकर नीचे तबाही मचा डालता है।

जलवायु परिवर्तन के कारण ऊपरी हिमालय में ग्लेशियरों के गलन की बढ़ती गति और भूगर्भीय हलचलें बड़े पैमाने पर मलबा जुटा रही हैं। वहां बारिश और हिमस्खलन से अस्थाई झीलें बन रही हैं। बादल फटने और अतिवृष्टि जैसे प्रकोपों के दौरान मौका पाते ही सारा मलबा बाढ़ और भूस्खलन को साथ लेकर कई गुना ताकत से बहकर नीचे तबाही मचा डालता है। धराली के जल प्रलय के पीछे भी विशेषज्ञ यही अनुमान लगा रहे हैं कि पानी का ऐसा रौद्र रूप ऊपर किसी अस्थायी ताल अथवा झील के टूटने से ही संभव है। देशवासियों ने इससे पहले उत्तराखंड में 13-14 मई 2013 की केदारनाथ त्रासदी और सात फरवरी 2021 का चमोली जिले में ऋषि गंगा और धौली गंगा के अप्रत्याशित सैलाब की दर्दनाक तस्वीरें देखी थीं। सब कुछ बिल्कुल वही था।

रोहित माहेश्वरी
स्वतंत्र पत्रकार

ऊपरी हिमालय में अतिवृष्टि अथवा बादल फटने से ताल टूट गए और हजारों टन मलबे के साथ आए सैलाब ने नीचे बस्तियों को तहस-नहस कर डाला। जलवायु परिवर्तन, अनियंत्रित विकास और नीति स्तर पर लापरवाही ने इस पहाड़ी राज्य को बार-बार त्रासदी के मुहाने पर लाकर खड़ा किया है। अभी हाल में सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश में अनियंत्रित और अराजक पर्यटन को लेकर यहां तककह डाला कि सूरते-हाल यही रहा तो हिमाचल देश के नक्शे से मिट जाएगा। अदालत ने वहां आई आपदाओं को कुदरती कोप नहीं, मानवीय कारस्तानी बताया है। सर्वोच्च अदालत 2013 में लगभग यही बातें उत्तराखंड के बारे में भी कह चुकी है। केदारनाथ की विनाशलीला के फौरन बाद 13 अगस्त 2013 को 'अलकनंदा हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट बनाम अनुज जोशी व अन्य' के केस में फैसला सुनाते हुए जस्टिस केएस राधाकृष्णन और जस्टिस दीपक मिश्रा ने उत्तराखंड के सूरत-ए-हाल के लिए जलविद्युत परियोजनाओं को जिम्मेदार ठहराया था जो कि अदालत के ही शब्दों में 'बगैर किसी ठोस अध्ययन के आनन-फानन मंजूर की जा रही हैं।'

केदारनाथ (2013), ऋषि गंगा (2021) और धराली (2025) तीनों त्रासदियों की जड़ में एक ही समस्या है- 'विकास की बिना योजना की दौड़'। राज्य में हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट, सुरंगें, होटल और सड़कें बना दी गईं, वह भी बिना भूगर्भीय अध्ययन के। दून यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर वाईपी सुंदरियाल कहते हैं, "हिमालय एक युवा पर्वत श्रृंखला है, जो अभी भी भूगर्भीय रूप से अधपकी है। इसमें बिना अध्ययन के निर्माण आत्मघाती है।"

पुराने समय में लोगों को प्रकृति के साथ रहने और उसका मिजाज समझने का गहरा और व्यावहारिक सलीका आता था। हिमालय में उच्च पथों पर धार्मिक और सांस्कृतिक यात्राओं का उद्देश्य ही यह था कि वहां होने वाली हर हलचल से वाफिक रहें। अब खासकर पहाड़ों में पर्यटन के बढ़ते रुझान ने नए तरह के दबाव पैदा किए हैं। पुरानी परंपराएं और परिपाटियां पर्यटन का आधुनिक चोला ओढ़कर उद्देश्यों से भटक चुकी हैं। बेशक पर्यटन से लोगों की आजीविका के रिश्ते को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, पर क्या इसे इतनी हद तक छूट दे दी जाए कि आपदा और मनुष्य के बीच बचाव की गुंजाइश न रहे!

श्रेष्ठ लोग क्रोध और ईर्ष्या की आग में जलते नहीं

प्रत्युत्पन्नमति का अर्थ होता है कि सही मौके पर निर्णय लेना या उपाय ढूंढ लेना अथवा जवाब देना। प्रायः बहुतेरों को इस बात का कष्ट होता है कि वे सही समय पर सही निर्णय नहीं ले सके। ऐसे लोग अवसर गंवा देने के लिए पश्चाताप करते हैं।

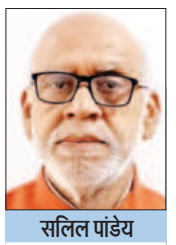

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

बोध कथा है कि एक राजा के दरबार में एक व्यापारी पहुंचा। वह हाथ में कांच जैसे दो टुकड़े लिए हुए था। उसने राजा से कहा कि इसमें एक साधारण कांच का टुकड़ा है और एक हीरा है। जो पहचान कर लेगा कि कौन सा हीरा है, वह उसे मुफ्त में दे देगा और यदि नहीं कर सका तो उसे उतने ही वजन का पैसा देना पड़ेगा। राजा असमंजस में पड़ गया। उसने अपने दरबार में बैठे सभासदों से कहा कि कौन हीरे और कांच के पत्थर की पहचान करेगा। हार जाने के डर से सभी सभासदों ने अपने को असमर्थ बता दिया। अब राजा की बारी थी, लेकिन राजा भी हिम्मत न जुटा सका। उसे डर था कि हीरे के वजन का धन उसे देना पड़ेगा।

यह सिलसिला चल ही रहा था, उसी वक्त एक अंधा भिखारी राजा से धन मांगने गया। भिखारी से कहा गया, 'क्या तुम कांच के पत्थर और हीरे की पहचान कर सकते हो? जिस पर भिखारी ने हामी भर दी। भिखारी ने जब हामी भरी तब सभी सभासद आश्चर्यचकित हो गए कि आंख वाले लोग तो कांच और हीरे में अंतर कर ही नहीं पा रहे, तब यह भिखारी कैसे हिम्मत जुटा रहा है? अंततः भिखारी ने दोनों पत्थर हाथ में लिए और राज-दरबार से बाहर निकल कर थोड़ी देर धूप में खड़ा रहा। इसके बाद वह दरबार में पहुंचा तथा व्यापारी को बताया कि दाहिने हाथ वाला कांच का टुकड़ा है और बाएं हाथ वाला हीरा है।

व्यापारी ने कहा कि भिखारी ने सही पहचान की है। राजा ने भिखारी से पूछा, 'जो काम आंख वाले नहीं कर सके, उसे तुमने चंद मिनटों में कैसे जान लिया?' भिखारी ने उत्तर दिया, 'राजन, दोनों पत्थरों को लेकर मैं धूप में गया। जो कांच का था, वह थोड़ी देर में ही जलने लगा जबकि हीरा ठंडा ही रहा। असली हीरा धूप में जलता नहीं। उक्त बोध कथा का आशय यही है कि जो श्रेष्ठ लोग होते हैं, वे क्रोध और ईर्ष्या से जलते नहीं। जो शांत-प्रकृति के होते हैं, वे हीरे जैसे होते हैं।

दिल्ली में लैंडफिल गैसें बन रही हैं मुसीबत

दिल्ली की आबोहवा खराब करने में कचरों के ऐसे ठिकाने खतरनाक साबित हो रहे हैं, जिनसे लैंडफिल गैसें हवा और जल स्रोतों को एक साथ प्रदूषित करते हैं। दिल्ली समेत समूचे राजनीति क्षेत्र में अनेक लैंडफिल ठिकाने हैं, इसलिए इस पूरे क्षेत्र में कचरे के इन ढेरों से फूटती लैंडफिल नामक शैतानी गैसों से एक बड़ी आबादी का जीना कठिन हो गया है। लैंडफिल गैंसों से बच्चों में ब्लू बेबी सिंड्रोम जैसी बीमारी फैल रही है। इन गैसों के आंख, गले और नाक में स्थित श्लेष्मा परत के संपर्क में आने से दमा, सांस, त्वचा और एलर्जी की बिमारियां बढ़ रही हैं। इन ठिकानों को हटाने और कचरे का वैज्ञानिक ढंग से निस्तारण करने के लिए विभिन्न संस्थाएं राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण और सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटा चुकी हैं, लेकिन अब तक नतीजा ढाक के तीन पात ही रहा है।

अब मौसम विभाग की तर्ज पर लैंडफिल ठिकानों पर 'अर्ली वार्निंग सिस्टम' जैसी व्यवस्था होगी। इस कचरे से उत्सर्जित होने वाली तीव्र ज्वलनशील मीथेन गैस को चिन्हित करने वाले डिटेक्टर भी लगाए जाएंगे। इन ठिकानों के तापमान पर भी निगरानी रखने के लिए 'नान कांटेक्ट इंफ्रारेड थर्मामीटर' लगाए जाएंगे। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीक्यूएम) ने इन साइटों पर आग लगने की घटनाओं को थामने और इससे होने वाले प्रदूषण की रोकथाम के लिए आठ सूत्रीय निर्देश भी जारी किए हैं। दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश एवं राजस्थान सरकार को एनसीआर नगरों की सभी लैंडफिल साइटों पर इन निर्देशों का पालन करना होगा।

दिल्ली में गाजीपुर, भलस्वा तथा ओखला में लैंडफिल ठिकाने हैं। इनमें रोजाना हजारों टन कचरा डाला जाता है। इसके वैज्ञानिक ढंग से निस्तारण के कोई तकनीकी इंतजाम नहीं हैं। एनजीटी ने एक समिति का गठन कर उससे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के कचरे से बिजली पैदा करने की संभावना तलाशने को कहा था, लेकिन दिल्ली सरकार, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड किसी परिणाम तक नही पहुंच पाए। इन ढेरों में अचानक आग भी लग जाती है, इस कारण समूचे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु प्रदूषण जानलेवा साबित होने लगता है। पर्यावरणीय मामलों के प्रमुख वकील गौरव बंसल का कहना है कि ये लैंडफिल कचरों के ठिकाने नहीं हैं, क्योंकि ऐसे ठिकानों के लिए विशेष डिजाइन और कायदे-कानून का प्रावधान है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पूर्व अपर निदेशक डॉ. एसके त्यागी का कहना है कि मीथेन ग्रीन हाउस गैस है। उपग्रह से इसकी निकली छवि को देखा जा सकता है। इसे ट्रैप कर इसका उपयोग करने पर काम होना चाहिए। सबसे ज्यादा जरूरी है कि महानागरों में इस तरह के बड़े कचरे के ढेरों को एकत्रित करने से रोका जाए। इसके लिए कचरे को अलगाने, उसे रिसाइकल करने एवं उससे खाद एवं ईंधन तैयार करने पर विचार होना चाहिए।

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

लैंडफिल गैसें उन स्थलों से उत्सर्जित होती हैं, जहां गड्ढों में शहरी कचरा भर दिया गया हो। इस कचरे में औद्योगिक कचरा भी शामिल हो तो इसमें प्रदूषण की भयानकता और बढ़ जाती है। हमारे देश की महानगर पालिकाएं और भवन-निर्माता गड्ढों वाली भूमि के समतलीकरण का बड़ा आसान उपाय इस कचरे से खोज लेते हैं। इस मिश्रित कचरे में मौजूद विभिन्न रसायन परस्पर संपर्क में आकर जब पांच-छह साल बाद रासायनिक क्रियाएं करते हैं, तो इसमें से जहरीली लैंडफिल गैसें पैदा होने लगती हैं। इनमें हाइड्रोजन पेरोऑक्साइड, हाइड्रोजन ऑक्साइड, मीथेन, कार्बन मोनोऑक्साइड और सल्फर डाइऑक्साइड इत्यादी होती हैं। दफन कचरे में भीतर ही भीतर जहरीला तरल पदार्थ जमीन की दरारों में रिसता है। यह जमीन के भीतर रहने वाले जीवों के लिए प्राणघातक होता है।

भूगर्भ में निरंतर बहते रहने वाले जल-स्रोतों में मिलकर यह शुद्ध पानी को जहरीला बना देता है। गंधक के अनेक जीवाणुनाशक यौगिक भूमि में फैलकर उसकी उर्वरा क्षमता को नष्ट कर देते हैं। अहमदाबाद के निकट मुथिया गांव में एक पायलट परियोजना शुरू की गई है। इसके तहत जमा 60 हजार टन कचरे में 50 हजार केंचुए छोड़े गए थे। इसके नतीजे चौंकाने वाले रहे। यहां चमत्कारिक ढंग से केंचुओं ने इस कचरे का सफाया कर दिया। फलस्वरूप यह स्थल पूरी तरह प्राकृतिक ढंग से जहर के प्रदूषण से मुक्त हो गया। लैंडफिल गैसों से सुरक्षा के लिए कचरे को नष्ट करने के कुछ ऐसे ही प्राकृतिक उपाय अमल में लाने होंगे।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

लाइव कॉन्सर्ट की देश में बढ़ रही दीवानगी

देश में लाइव कॉन्सर्ट की मांग भी बढ़ी है। गन्स एन रोजोज, मरून 5, कोल्डप्ले, ब्रायन एडम्स और एनरिक इग्लेसियस को देखने के लिए दर्शकों को जो चीज आकर्षित कर रही है, वह है पुरानी यादें। 'कोल्डप्ले' ने इसी साल अहमदाबाद में दो लाख से ज्यादा दर्शकों के साथ अपना सबसे बड़ा शो किया था। बीते दिनों मुंबई के महालक्ष्मी रेसकोर्स में 'गन्स एन रोजेज' प्रस्तुत किया। इससे पहले कनाडा के रॉक स्टार ब्रायन एडम्स ने शिलांग, गोवा और कोलकाता सहित सात शहरों में प्रस्तुति दी थी।

हार्ड रॉक का फ्यूजन

कोलकाता का 'अग्निवीणा' रवींद्र संगीत और हार्ड रॉक का अनूठा फ्यूजन है। 70 के दशक में बना यह बैंड बांग्ला साहित्य और लोकगीतों को रॉक के साथ प्रस्तुत करता है। स्पॉटिफी पर इसके एकला चलो के रॉक वर्जन ने जमकर धूम मचाई थी। 1998 में गठित 'फॉसिल्स' बैंड को भी कोलकाता का अग्रणी हार्ड रॉक बैंड माना जाता है।

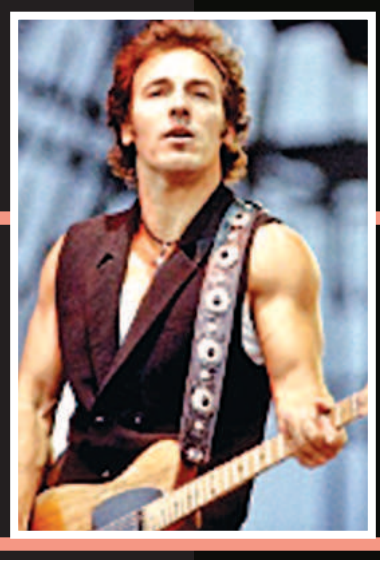

'अनहद' में तीखे सामाजिक बोल

लखनऊ का 'अनहद' बैंड अपने तीखे सामाजिक बोल और रफ रॉक स्टाइल के लिए जाना जाता है। इसका गाना 'मौन क्यों है देश?' युवाओं के बीच क्रांति की तरह वायरल हुआ था। स्पॉटिफी और वॉयनक पर इसका एलबम 'आवाजें' ट्रेंड कर चुका है।

ड्रोन शो और ऑगमेंटेड रियलिटी

आईटी हब बेंगलुरु के स्टार्टअप माहौल से निकला 'रूबरू' बैंड टेक्नोलॉजी और म्यूजिक को मिलाकर परफॉर्म करता है। इसके लाइव परफॉर्मेंस में एलईडी ड्रोन शो और ऑगमेंटेड रियलिटी शामिल रहती है।

बॉलीवुड और वेस्टर्न का मिश्रण

मुंबई के 'साउंड करी' बैंड ने बॉलीवुड और वेस्टर्न रॉक का जबर्दस्त मिश्रण किया है। इनके गानों में इलेक्ट्रॉनिक और इंडी टच देखने को मिलता है। नेटफिल्क्स सीरीज अंडरग्राउंड बांबे में इसका 'सिटी लाइट्स बर्न' है।

- देश के उभरते बैंड्स ने बदल कर रख दिया संगीत का स्वाद
- रॉक बैंड मनोरंजन के साथ ला रहे हैं विचारों की नई लहर

रॉक बैंड्स

नई धुन, नए जोश के साथ मचा रहे धमाल

युवाओं की रॉक म्यूजिक की तरफ बढ़ती लहर ने देश में रॉक बैंड्स को तेजी से उभरने और विभिन्न शैलियों में संगीत पेश करने का मौका दिया है। हिंदी और क्षेत्रीय भाषाओं में गाने वाले ये रॉक बैंड्स देश भर में नई ऊर्जा और नया जोश भर रहे हैं। इनमें से तमाम बैंड्स ने अपनी धुनों और सामाजिक संदेशों के जरिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पहचान बनाई है। विविध शैलियों में संगीत बजाने वाले लोकप्रिय रॉक बैंड में इम्फाल टॉकीज एंड द हाउलर्स, जीरो, पेंटाग्राम, अग्नि, थर्मल एंड ए क्वार्टर, इंडस क्रीड, परिक्रमा, अवियल, सोलमेट, द क्लोन्स, अगम शामिल हैं।

बीट्स नहीं, बोल का अर्थ भी देखती आज की पीढ़ी

आज की युवा पीढ़ी सिर्फ बीट्स नहीं, बोलों में भी अर्थ ढूंढ़ती है। ऐसे में ये रॉक बैंड न केवल मनोरंजन कर रहे हैं, बल्कि विचारों की एक नई लहर भी ला रहे हैं। रॉक बैंड्स के युवा कलाकार अपने अनूठे संगीत से देश की म्यूजिक इंडस्ट्री को एक नया मुकाम देकर साबित कर रहे हैं कि भारत सिर्फ एक संगीत प्रेमी नहीं बल्कि संगीत निर्माता देश भी है।

शशांक दीक्षित
यूपी आइडल लीड सिंगर ऑफ द सफर बैंड

- **ग्रामीण जीवन कर दिया जीवंत :** पटना के 'माटी बैंड' ने हिंदी में ग्रामीण जीवन और संघर्ष को रॉक धुन में पिरोया है। इसके गीत 'धरती बोले' को ऑल इंडिया रेडियो और कई राष्ट्रीय चैनलों ने प्रसारित किया है। बैंड ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव में लाइव परफॉर्म करके 'फोक-रॉक फ्यूजन कैटेगरी' में पहला स्थान पाया था।
- **कविता को रॉक बनाने का हुनर :** भोपाल का 'लफ्ज' बैंड हिंदी कविता को रॉक में बदलने का अनूठा कमाल दिखाता है। इसका कवि दुष्यंत कुमार और गजानन माधव मुक्तिबोध की रचनाओं पर आधारित एलबम 'अनकहे गीत' को साहित्यिक और संगीत दोनों जगह जमकर सराहना मिली है।

सोशल मीडिया में वीडियो बनाने को एक्टिंग न समझें

बॉलीवुड का सितारा बनने के लिए बरेली से तमाम युवा मुंबई का रुख कर रहे हैं। इनमें से अधिकतर को लगता है कि वे भी अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा और दिशा पाटनी की तरह सितारे बन जाएंगे, लेकिन मायानगरी में छोटे-बड़े पर्दे पर काम करने वाले कलाकारों का कहना है, यदि आर्थिक रूप से मजबूत नहीं हैं तो यहां टिकना मुश्किल है। मुंबई आने से पहले बरेली और दिल्ली के थियेटर में एक्टिंग सीखना जरूरी है। यहां काम मिलना कठिन नहीं है, किंतु लगातार मिलते रहना मुश्किल है। मुंबई में धक्के खाने से पहले अपनी अदाकारी पर काम करें। सोशल मीडिया में वीडियो बनाने को एक्टिंग न समझें। सफल कालाकार बनने में उम्र लग जाती है।

एक्टिंग के लिए इंजीनियर की नौकरी छोड़ी

- सिविल लाइंस के आवास विकास कालोनी निवासी फरीन दो साल पहले थिएटर शुरू किया। 12-13 शो किए। नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के आर्टिस्टों से सीखने का मौका मिला। एक शॉर्ट फिल्म बदायूं में की, जिसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी के भाई के साथ का काम करने का मौका मिला। इसके बाद साफ्टवेयर इंजीनियर की नौकरी छोड़कर एक्टिंग के सपने का पीछा करते हुए मुंबई पहुंच गईं। फरीन सनशाइन पिक्चर्स में एक ओटीटी प्लेटफार्म में डबल रोल निभा रही हैं। एक थिएटर कंपनी के साथ वर्कशाप कर रही हैं। वह कहती हैं, अपने अंदर के विद्यार्थी को हमेशा जिंदा रखें, रोज कुछ न कुछ सीखने को मिलेगा।

फरीन

बॉलीवुड में काम मिलना कठिन नहीं, किंतु लगातार मिलना मुश्किल

बैकअप करियर जरूर साथ रखें

सुभाषनगर की गलियों से निकलकर सृष्टि माहेश्वरी ने छोटे पर्दे पर बड़ी पहचान बनाई है। कुमकुम भाग्य, सीआईडी, स्टार प्लस के शो दिव्य दृष्टि, अदालत, लेट्स मीट आदि में काम कर रही हैं। वह 13 साल पहले बरेली से बॉलीवुड गयी थीं। उनका कहना है कि यदि कोई नौकरी करते हैं तो उसमें उम्मीद होती है कि भविष्य में आगे बढ़ेंगे, लेकिन एक्टिंग की दुनिया में हमेशा काम की कोई गारंटी नहीं है। प्रतिस्पर्धा बहुत है, इसलिए हमेशा एक बैकअप करियर जरूर साथ रखें।

अभिनय में भाव की झलक दिखे

मायानगरी का सफर कठिन है, लेकिन हर किसी की अपनी यात्रा और किस्मत है, किसी को जल्दी किसी को देर से फल मिलता है। यह कहन' है, 2019 में फरीदपुर के छोटे से गांव से निकलकर बॉलीवुड में काम कर रही सवी तोमर का। वह अपने एक्टिंग स्किल्स पर आज भी रोज मेहनत करत। हैं। उनका कहना है कि एक्टिंग ऐसी होनी चाहिए, जिसमें भावों की झलक दिखे। मैंने डेढ़ साल तक ऑडीशन दिए, तब जाकर एक टीवी शो में पीछे खड़े होने का रोल मिला, इसके बाद शॉर्ट फिल्में मिलीं। एक-दो गाने किए। यहां आने से पहले थिएटर करना बहुत जरूरी है।

लेखिका
सव्या सिंह तोमर

जॉन अब्राहम की 'तेहरान' थिएटर में नहीं रिलीज हो सकती थी

जॉन अब्राहम की नई फिल्म राजनीतिक जासूसी थ्रिलर 'तेहरान' सीधे ओटीटी पर रिलीज हुई। सच्ची घटनाओं से प्रेरित इस फिल्म में दिखाया गया है कि एसीपी राजीव कुमार (जॉन अब्राहम) दिल्ली में इजराइली दूतावास के पास हुए बम विस्फोट के बाद एक सीक्रेट मिशन पर हैं। कहानी आगे बढ़ने के साथ राजीव खुद को भारत और इजराइल के साथ ईरान की राजनीति के बीच फंसा हुआ पाते हैं। फिल्म में जॉन अब्राहम के साथ मानुषी छिल्लर और नीरू बाजवा भी हैं। जॉन ने बताया कि 'तेहरान'को सिनेमाघरों में रिलीज करने की कोशिश में लगा कि यह फिल्म शायद कभी रिलीज ही नहीं हो पाएगी। सेंसर और अन्य कारणों से फिल्म को मंजूरी मिलने की संभावना बेहद कम थी। लेकिन विदेश मंत्रालय का सहयोग मिला, कुछ सीन काटने पड़े, और फिल्म को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रिलीज करने का रास्ता खुल गया।

जासूसी थ्रिलर : सारे जहां से अच्छा

नेटफ्लिक्स पर स्वतंत्रता दिवस के मौके पर स्ट्रीम हुई राष्ट्र भक्ति से भरपूर इस सीरीज में देश की इंटेलिजेंस एजेंसियों के ऑपरेशन्स की इनसाइड स्टोरी है। कई वेब सीरीज और फिल्मों में एक्टिंग का लोहा मनवा चुके प्रतीक गांधी 'सारे जहां से अच्छा' में जासूस बनकर लौटे हैं। कहानी 70 के दशक के भारत की है। इस जासूसी थ्रिलर के केंद्र में सतर्क और दृढ़ इरादों वाले खुफिया अधिकारी विष्णु शंकर (प्रतीक गांधी) हैं। उन्हें एक गुप्त परमाणु खतरे को नाकाम करने का मिशन सौंपा गया है। विष्णु को अब विश्वास, त्याग और देशभक्ति के बीच संघर्ष करना है। इस सीरीज में सनी हिंदुजा, सुहैल नय्यर, तिलोत्तमा शोम, कृतिका कामरा, रजत कपूर और अनूप सोनी भी हैं।

इस बार दो जॉली का जज साहब के साथ धमाल

अक्षय कुमार और अरशद वारसी की फिल्म 'जॉली एलएलबी- 3' का टीजर बता रहा है कि इस बार इन दोनों जॉली के साथ डबल मजा होने वाला है। इनके बीच फिल्म में एक किरदार ऐसा भी है जो दोनों जॉली पर भारी पड़ सकता है, ये किरदार सौरभ शुक्ला के रूप में जज साहब का है। जॉली एलएलबी-3 सिनेमाघरों में 19 सितंबर को रिलीज होगी। इससे पहले इस फिल्म के दोनों पार्ट बॉक्स ऑफिस पर हिट रहे हैं। साल 2012 में अरशद वारसी ने सबसे पहले जॉली एलएलबी फिल्म की थी।

किआ के कैरेन्स क्लैविस, कैरेन्स क्लैविस ईवी की 21,000 बुकिंग

नई दिल्ली। भारत में प्रीमियम गाड़ियां बनाने वाली किआ इंडिया ने हाल में पेश हुई कारों कैरेन्स क्लैविस और कैरेन्स क्लैविस ईवी की बुकिंग में उपलब्धि हासिल की। पेशकश के चार महीनों में कंपनी के दोनों मॉडलों की कुल बुकिंग 21,000 की है। कंपनी ने कहा कि भारत में परिवारों के बीच किआ की लोकप्रियता बढ़ रही है, क्योंकि उसकी गाड़ियां पेट्रोल-डीजल वाले मॉडलों के साथ ही पर्यावरण के अनुकूल ईवी संस्करण में भी है।

अमृत विचार

बरेली, रविवार, 17 अगस्त 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

भारत-आसियान की समीक्षा बैठक अक्टूबर में

नई दिल्ली। भारत-आसियान मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की समीक्षा वार्ता का अगला दौर इस साल अक्टूबर में जकार्ता में होगा। शुक्रवार को एक सरकारी बयान में यह जानकारी दी गई। वार्ता का दसवां दौर इसी महीने (10-14 अगस्त) यहां संपन्न हुआ। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि संयुक्त समिति ने एआईटीआईजीए (आसियान-भारत वस्तु व्यापार समझौता) की जारी समीक्षा को आगे बढ़ाने पर ध्यान दे रहा है ताकि इसकी प्रभावशीलता, सुगमता और व्यापार सुविधा क्षमताओं को बढ़ाया जा सके। आसियान भारत का एक प्रमुख व्यापार भागीदार बना हुआ है। इसकी हिस्सेदारी भारत के वैश्विक व्यापार का लगभग 11 प्रतिशत है।

10 बड़े वित्तीय संस्थानों की रेटिंग बढ़ी

नई दिल्ली। वैश्विक रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने शुक्रवार को एसबीआई, एचडीएफसी बैंक और टाटा कैपिटल सहित शीर्ष 10 वित्तीय संस्थानों की रेटिंग बढ़ा दी। यह कदम अमेरिकी एजेंसी द्वारा भारत की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग बढ़ाने के एक दिन बाद उठाया गया है। एसएंडपी ने सात भारतीय बैंकों- एसबीआई, आईसीआईसीआई, एचडीएफसी, एक्सिस, कोटक महिंद्रा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया एवं इंडियन बैंक और तीन वित्तीय कंपनियों- बजाज फाइनेंस, टाटा कैपिटल और एलएंडटी फाइनेंस की दीर्घकालिक क्रेडिट रेटिंग बढ़ा दी है।

क्रेडाई-एमसीएचआई के नए अध्यक्ष बने नाहर

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र की शीर्ष संस्था क्रेडाई के महाराष्ट्र चैप्टर ने सुखराज नाहर को अपना नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में रियल एस्टेट डेवलपर का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था क्रेडाई-एमसीएचआई ने कहा कि उसने नाहर समूह के चेयरमैन सुखराज नाहर को 2025-2027 के लिए अपना 18वां अध्यक्ष नियुक्त किया है। क्रेडाई-एमसीएचआई ने नई प्रबंधन समिति की भी घोषणा की, जिसमें बंदिश अजमेरा - निर्वाचित अध्यक्ष, रुशी मेहता - सचिव और निकुंज संघवी कोषाध्यक्ष होंगे। एसोसिएशन के 2,200 से अधिक सदस्य हैं।

दिवाली तक जीएसटी की दरें होंगी कम

प्रधानमंत्री ने कहा- आम आदमी को राहत, छोटे-मध्यम उद्यमों को होगा लाभ

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि दिवाली तक वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती कर दी जाएगी, जिससे रोजमर्रा प्रयुक्त होने वाली वस्तुओं की कीमतें कम हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि इससे आम आदमी को 'काफी' कर राहत मिलेगी और छोटे एवं मध्यम उद्यमों को भी लाभ होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने 79वें स्वतंत्रता दिवस पर कहा कि अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था जीएसटी के आठ वर्ष पूरे होने के साथ ही इसमें सुधार का समय आ गया है। जीएसटी 1 जुलाई, 2017 को लागू हुआ था। मोदी ने कहा कि हमने राज्यों से इस पर चर्चा की और दिवाली तक अगली पीढ़ी के जीएसटी सुधार लागू करेंगे, जो दिवाली का तोहफा होगा। आम आदमी के जरूरत वाली वस्तुओं पर कर में काफी कमी की जाएगी। हमारे एमएसएमई को इसका फायदा होगा। दैनिक उपयोग की वस्तुएं सस्ती होंगी, जिससे हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। जीएसटी के लिए अगली पीढ़ी के सुधारों की योजना नागरिकों के लिए दिवाली का तोहफा होगी। राज्यों के वित्त मंत्रियों का मंत्री-समूह (जीओएम) पहले ही जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने और कर स्लैब में कटौती पर चर्चा कर रहा है। आठ साल पुरानी इस कर प्रणाली में उत्पाद शुल्क जैसे केंद्रीय कर और मूल्यवर्धित कर (वैट) जैसे राज्य शुल्कों को एकसाथ मिला दिया गया था।

भारत की पहली सेमीकंडक्टर चिप जल्द

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में बनी पहली सेमीकंडक्टर चिप इस साल के अंत तक बाजार में आ जाएगी। देश में छह सेमीकंडक्टर इकाइयां पहले ही स्थापित हो चुकी हैं और चार नई इकाइयों को हरी झंडी मिल गई है। सेमीकंडक्टर किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का प्रमुख घटक है और मोबाइल फोन, कंप्यूटर, घरेलू उपकरणों और इलेक्ट्रिक वाहनों सहित विभिन्न उत्पादों में इनका प्रयोग होता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में सेमीकंडक्टर पर विचार 50-60 साल पहले शुरू हुआ था, लेकिन यह फाइलों में ही अटका रहा, जबकि कई देशों ने इसमें महारत हासिल कर ली है और दुनिया पर दबदबा बना रहे हैं।

डिजिटल लेनदेन में यूपीआई 50%

प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया में होने वाले कुल डिजिटल लेनदेन में अकेले यूपीआई की हिस्सेदारी 50% है। मोदी ने कहा कि 2016 में शुरु होने के बाद से, यूपीआई ने लेनदेन की मात्रा और मूल्य दोनों में तेजी से वृद्धि की है। 2024-25 में यूपीआई ने 18,587 करोड़ लेनदेन और 261 लाख करोड़ के लेनदेन मूल्य को दर्ज किया। जुलाई 2025 में यूपीआई ने 1,947 करोड़ लेनदेन कर एक और मील का पत्थर हासिल किया। यूपीआई पहले से ही सात देशों में उपलब्ध है, जिनमें संयुक्त अरब अमीरात, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस और मॉरीशस हैं। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के बारे में मोदी ने कहा कि करोड़ों लोग इस योजना से लाभान्वित हुए और छोटा व्यवसाय स्थापित करने में सक्षम हुए हैं।

परमाणु ऊर्जा में दस गुना वृद्धि का लक्ष्य

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत 10 नए परमाणु रिएक्टरों पर तेजी से काम कर रहा है और देश ने परमाणु ऊर्जा क्षमता को 2047 तक दस गुना बढ़ाने का संकल्प लिया है। मोदी ने कहा कि हम अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए कई देशों पर बहुत अधिक निर्भर हैं, चाहे वह पेट्रोल हो, डीजल हो या गैस... हमें इनके आयात पर अरबों रुपये खर्च करने पड़ते हैं। इस संबंध में देश को आत्मनिर्भर बनाना बहुत जरूरी है।

अगली पीढ़ी का जीएसटी देगा एकल कर स्लैब को बढ़ावा

- नई व्यवस्था में कर दरों को कम करते हुए केवल पांच और 18 प्रतिशत के दो स्लैब

नई दिल्ली, एजेंसी

जीएसटी कर में प्रस्तावित सुधारों को 'अगली पीढ़ी का जीएसटी' बताते हुए वरिष्ठ अधिकारियों ने शनिवार को कहा कि दो स्लैब वाली कर व्यवस्था क्रमिक रूप से एकल बिक्री/सेवा कर दर का रास्ता खोलेगी। 2047 तक एकल कर स्लैब हो सकता है।

उन्होंने कहा कि प्रस्तावित नई जीएसटी व्यवस्था, जिसमें कर दरों को कम करते हुए केवल पांच और 18 प्रतिशत के दो स्लैब हैं, अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगी और शुल्क के खतरों को भी कम करने में मदद करेगी। अगर जीएसटी परिषद द्वारा प्रस्तावित दो स्लैब वाली व्यवस्था को मंजूरी मिल जाती है, तो यह वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) व्यवस्था के मौजूदा चार स्लैब की जगह ले लेगी। इसके साथ ही 12 और 28 प्रतिशत के स्लैब खत्म हो जाएंगे। इसे 'अगली पीढ़ी का जीएसटी' बताते हुए सरकारी अधिकारी ने कहा कि नई व्यवस्था का अर्थ यह होगा कि सभी सामान्य उपयोग की वस्तुएं निम्न कर श्रेणी में आ जाएंगी, जिससे कीमतों में कमी आएगी और उपभोग को बढ़ावा मिलेगा। कर कम होने का मतलब है कि लोगों की जेब में ज़्यादा पैसा आएगा। इससे ज़ाहिर है खपत बढ़ेगी।

नुकसानदेह वस्तुओं पर 40% कर का प्रस्ताव

अधिकारियों ने कहा कि सरकार द्वारा रोज़मर्रा की ज़रूरी और सामान्य वस्तुओं पर पांच और 18 प्रतिशत जीएसटी तथा नुकसानदेह वस्तुओं पर 40 प्रतिशत कर लगाने का प्रस्ताव सोच-समझकर उठाया गया है। छह महीने की विचार-विमर्श के बाद किए गए इन बदलावों को ऐसे तैयार किया गया है कि बार-बार कर दरों को बदलने की ज़रूरत न पड़े और कर में कटौती (इनपुट टैक्स क्रेडिट) का पैसा कहीं अटका न रहे। जैसे ही केंद्र का प्रस्ताव मंत्रियों के समूह (जीओएम) और जीएसटी परिषद से मंज़ूर हो जाएगा, कर दरों में होने वाले उतार-चढ़ाव खत्म हो जाएंगे और व्यवस्था स्थिर हो जाएगी।

अंतिम लक्ष्य एक ही कर स्लैब वाली व्यवस्था

अधिकारी ने बताया, हमने अगली पीढ़ी के जीएसटी का सुझाव मध्यम वर्ग, गरीबों, किसानों और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को ध्यान में रखकर दिया है। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया है कि रोज़मर्रा में इस्तेमाल होने वाली चीज़ों पर कर कम रहे। अंतिम लक्ष्य एक ही कर स्लैब वाली व्यवस्था लाना है, लेकिन फिलहाल इसके लिए सही समय नहीं है। केंद्र नेतृत्व की भूमिका निभा रही है, लेकिन दरों में संतुलन का काम मंत्रियों के समूह (जीओएम) कर रही है। हमने हर एक वस्तु को बारीकी से देखा है और कई मामलों में तीन-चार बार विचार भी किया है।

राज्यों के वित्त मंत्रियों को भेजा गया प्रस्ताव

केंद्र सरकार ने जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने के लिए गठित राज्यों के वित्त मंत्रियों के समूह को यह प्रस्ताव भेजा है। इसमें 12 और 28 प्रतिशत की मौजूदा कर दरों को हटाया गया है। अब मंत्रियों का समूह इस प्रस्ताव पर चर्चा करेगा। फिलहाल दिवाली तक मौजूदा कर व्यवस्था की जगह लेने के लिए तैयार इस पांच और 18 प्रतिशत की दो कर दरें ही प्रस्तावित की गई हैं। एक सूत्र ने तीसरी तिमाही की शुरुआत में इसके लागू हो जाने की उम्मीद जताई है।

भारत ने अगस्त में रूस से प्रतिदिन 20 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा

नई दिल्ली, एजेंसी

- केप्लर ने बताया- पहले पखवाड़े में प्रतिदिन 52 लाख बैरल कच्चे तेल का हुआ आयात

भारत ने अगस्त में अब तक रूस से प्रतिदिन 20 लाख बैरल तेल खरीदा है क्योंकि रिफाइनरी कंपनियां कच्चा तेल खरीदने में आर्थिक पहलुओं को प्राथमिकता दे रही हैं। वैश्विक आंकड़ा एवं विश्लेषक फर्म केप्लर ने बताया कि अगस्त के पहले पखवाड़े में प्रतिदिन 52 लाख बैरल कच्चे तेल का आयात हुआ, जिसमें से 38 प्रतिशत तेल रूस से आया। इस दौरान रूस से आयात 20 लाख बैरल प्रतिदिन रहा, जो जुलाई में 16 लाख बैरल प्रतिदिन था।

समीक्षाधीन अवधि में इराक से खरीद घटकर 7.3 लाख बैरल प्रतिदिन रह गई, जो जुलाई में 9.07 लाख बैरल प्रतिदिन थी। सऊदी अरब से आयात सात लाख बैरल प्रतिदिन से घटकर 5.26 बैरल प्रतिदिन रह गया। केप्लर के अनुसार अमेरिका 2.64 लाख बैरल प्रतिदिन के साथ भारत को तेल का पांचवां सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता था। केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रिटोलिया ने कहा कि भारत में रूसी कच्चे तेल का आयात अगस्त में अब तक स्थिर है, यहां जुलाई के अंत में ट्रंप प्रशासन के शुल्क की घोषणा के बाद भी।

अमेरिकी शुल्क का जवाब देना भारत के लिए कठिन

नई दिल्ली, एजेंसी

आर्थिक थिंक-टैंक जीटीआरआई ने कहा-भारत के सामने कई विकल्प

आर्थिक थिंक-टैंक जीटीआरआई ने शुक्रवार को कहा कि भारत को अमेरिका के भारी शुल्क का जवाब देने में कठिन विकल्पों का सामना करना पड़ रहा है। जीटीआरआई ने कहा कि चाहे बातचीत हो, जवाबी कार्रवाई करना हो, निर्यात बाजारों में विविधता लाना हो या रूसी तेल आयात पर रोक लगाना हो- हर विकल्प के अपने फायदे एवं जोखिम हैं।

'ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव' (जीटीआरआई) ने कहा कि भारत इस साल अपना स्वतंत्रता दिवस अमेरिका के साथ गंभीर व्यापारिक टकराव की छाया में मना रहा है। ट्रंप प्रशासन के भारतीय वस्तुओं पर 50% शुल्क के फैसले ने भारत को रणनीतिक दुविधा में डाल दिया है। इसका देश के व्यापार, ऊर्जा व कूटनीतिक स्थिति पर व्यापक प्रभाव हो सकता है। जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि भारत के सामने बातचीत, जवाबी कार्रवाई, बाजारों में विविधता लाना, या शुल्क में राहत के लिए रूसी तेल की खरीद बंद करना जैसे कई विकल्प हैं। हर के फायदे और जोखिम दोनों हैं। भारत को उच्च शुल्क का बोझ उठाने के साथ यूरोप, आसियान, अफ्रीका, पश्चिम एशिया और लैटिन अमेरिका को होने वाले अपने निर्यात में विविधता लाने के लिए संरचनात्मक सुधारों और आक्रामक व्यापार कूटनीति की भी जरूरत होगी।

ट्रंप 15% कटौती को होंगे मजबूर

जीटीआरआई के संस्थापक ने कहा, अमेरिकी व्यापार में होने वाले 50 अरब डॉलर के नुकसान के मुकाबले पहले दो वर्षों में अन्य देशों को निर्यात बढ़ाने से केवल 10-15 अरब डॉलर की ही भरपाई हो पाएगी। श्रीवास्तव ने कहा कि अगर अमेरिकी शुल्क से वहां उपभोक्ता मूल्य और बेरोजगारी बढ़ेगी, तो घरेलू राजनीतिक दबाव में आकर ट्रंप प्रशासन सभी देशों के लिए शुल्क में लगभग 15 प्रतिशत की कटौती करने को मजबूर कर सकता है।

राष्ट्रीय

करदाता को नोटिस का देना होगा जवाब : सुप्रीम कोर्ट

केंद्रीय और राज्य जीएसटी प्राधिकारियों के निर्णय के दोहराव को रोकने के लिए दिशा-निर्देश निर्धारित

नई दिल्ली, एजेंसी

- कोर्ट ने कहा- केवल समन से प्राधिकारी या प्राप्तकर्ता यह तय नहीं कर पाते कि कार्यवाही शुरू हो गई

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि करदाता को समन का अनुपालन करना होगा तथा केन्द्रीय या राज्य कर प्राधिकरण द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस का जवाब देना होगा। आयकर अधिनियम 1961 के तहत 'करदाता' से तात्पर्य किसी भी व्यक्ति या संस्था से है, जो अधिनियम द्वारा निर्दिष्ट कर भुगतान या किसी अन्य वित्तीय प्रतिबद्धताओं का कानूनी दायित्व रखता है।

इस प्रकार, केंद्रीय और राज्य जीएसटी प्राधिकारियों द्वारा निर्णय के दोहराव को रोकने के लिए दिशानिर्देश निर्धारित करते हुए, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और आर महादेवन की पीठ ने कहा कि केवल समन जारी करने से जारीकर्ता प्राधिकारी या प्राप्तकर्ता यह सुनिश्चित नहीं कर पाता कि कार्यवाही शुरू हो गई है। पीठ ने कहा कि जहां किसी करदाता को केन्द्रीय या राज्य कर प्राधिकरण द्वारा समन या कारण बताओ नोटिस जारी किया जाता है, वहां करदाता, प्रथमदृष्टया, उपस्थित होकर और अपेक्षित प्रतिक्रिया प्रस्तुत करके अनुपालन करने के लिए बाध्य है, चाहे जैसा भी मामला हो। पीठ ने कहा कि जहां किसी करदाता को पता चलता है कि जिस मामले की जांच या अन्वेषण किया जा रहा है, वह पहले से ही किसी अन्य प्राधिकारी द्वारा जांच या अन्वेषण का विषय है, तो करदाता को लिखित रूप में उस प्राधिकारी को तुरंत सूचित करना होगा, जिसने बाद में जांच या अन्वेषण शुरू किया है।

दीवानी मामले में हाईकोर्ट के आदेश को किया रद्द

प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई के हस्तक्षेप और आदेश पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करने के बाद न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश के खिलाफ अपनी टिप्पणियां हटा दी हैं। इस बीच, न्यायमूर्ति पारदीवाला की अध्यक्षता वाली पीठ ने एक दंपति को अग्रिम जमानत देते समय शांत रवैया दिखाया। इसी तरह के मामले (जिसमें राजस्थान हाईकोर्ट ने दीवानी मामले में दंपति को अग्रिम जमानत देने से मना किया था) की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति पारदीवाला और आर महादेवन की पीठ ने 13 अगस्त को कहा था कि समस्या कानून का पालन न करने से हुई है। पारदीवाला ने मौखिक टिप्पणी की कि इस बार मैं आपा नहीं खोने वाला हूं। इस मामले में दंपति के खिलाफ धोखाधड़ी, विश्वासघात व षड्यंत्र के आरोप में प्राथमिकी थी। शिकायतकर्ता के अनुसार दंपति ने प्लाईवुड की बिक्री के लिए 3 .50 लाख का भुगतान किया था। हालांकि, दंपति शेष 12 .59 लाख का भुगतान करने में विफल रहे, जिसके बाद विक्रेता ने पुलिस में शिकायत दी। शीर्ष अदालत ने कहा कि एक बार बिक्री लेनदेन हो जाने पर कोई विश्वासघात नहीं हो सकता। पीठ ने उल्लेख किया कि राजस्थान हाईकोर्ट ने दंपति को अग्रिम जमानत देने से मना करते हुए कहा था कि यदि उन्हें सुरक्षा दी जाती है तो राशि की वसूली नहीं हो सकेगी। पीठ ने कहा, राज्य के अनुसार, शेष राशि की वसूली के लिए पुलिस तंत्र की जरूरत है। हाईकोर्ट ने राज्य की ओर से प्रस्तुत इस दलील को सहर्ष स्वीकार कर लिया। हमें इस मामले में और कुछ कहने की जरूरत नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि संबंधित कर अधिकारी ऐसी सूचना प्राप्त होने के बाद करदाता के दावे की सत्यता की पुष्टि के लिए एक-दूसरे से संवाद करेंगे। कर अधिकारियों को जांच या अन्वेषण करने का अधिकार है, जब तक कि यह सुनिश्चित न हो जाए कि दोनों अधिकारी समान दायित्व की जांच कर रहे हैं। हालांकि, यदि केंद्रीय या राज्य कर प्राधिकरण, जैसा भी मामला हो, पाता है कि जिस मामले की उसके द्वारा जांच या अन्वेषण किया जा रहा है, वह पहले से ही किसी अन्य प्राधिकरण द्वारा जांच या अन्वेषण का विषय है, तो दोनों प्राधिकरण आपस में निर्णय लेंगे कि उनमें से कौन जांच या अन्वेषण का काम जारी रखेगा। पीठ ने 14 अगस्त के फैसले में कहा कि ऐसी स्थिति में, अन्य प्राधिकारी मामले की जांच या अन्वेषण से संबंधित सामग्री विधिवत उस प्राधिकारी को भेजेगा जो जांच या अन्वेषण को उसके तार्किक निष्कर्ष तक ले जाने के लिए नामित है। यह फैसला आर्मर सिक्योरिटी की याचिका पर आया है। यह सार्वजनिक लिमिटेड कंपनी है, जो सुरक्षा सेवाएं देती है और दिल्ली जीएसटी प्राधिकरण के पास पंजीकृत है।

बादल फटा : तीसरे दिन भी बचाव अभियान 60 लोगों की मौत, 100 से अधिक घायल

किश्तवाड़/जम्मू, एजेंसी

किश्तवाड़ में बादल फटने से आई बाढ़ के बाद चिसोती गांव में खोज और बचाव अभियान में लगे सेना के जवान।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के सुदूर गांव चशोती में बादल फटने से मची तबाही के बाद शनिवार को लगातार तीसरे दिन बचाव व राहत अभियान जारी रहा। इस घटना में अब तक 60 लोगों की मौत और 100 से अधिक घायल हुए हैं।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नलिन प्रभात के साथ शुक्रवार देर रात आपदाग्रस्त क्षेत्र का दौरा किया और पुलिस, सेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), सीमा सड़क संगठन (बीआरओ), स्थानीय प्रशासन और ऊंचाई वाले इलाकों में स्थानीय स्वयंसेवकों द्वारा किए जा रहे बचाव और राहत कार्यों की समीक्षा की। अब तक 46 शवों की शिनाख्त हो चुकी है और कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं।

क्षतिग्रस्त घरों का पुनर्निर्माण करेंगे : सिन्हा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को बादल फटने से प्रभावित किश्तवाड़ जिले में बचाव और राहत कार्यों का जायजा लिया और कहा कि वह क्षतिग्रस्त हुए घरों का पुनर्निर्माण सुनिश्चित करेंगे। सिन्हा ने वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभावित लोगों को आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपराज्यपाल ने कहा कि वह किश्तवाड़ के चशोती गांव में अचानक आई बाढ़ में क्षतिग्रस्त हुए घरों का पुनर्निर्माण सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, वरिष्ठ अधिकारियों से बात की और बचाव एवं राहत कार्यों का जायजा लिया। मैं बाढ़ में क्षतिग्रस्त घरों का पुनर्निर्माण सुनिश्चित करूंगा। मछैल माता मंदिर के रास्ते के आखिरी गांव चशोती में 14 अगस्त को दोपहर 12 :25 बजे एक त्रासदी हुई।

राहुल गांधी निकालेंगे 1300 किमी वोटर अधिकार यात्रा

सासाराम, एजेंसी

- यात्रा में शामिल होंगे 'इंडिया' गठबंधन के कई नेता

कांग्रेस नेता राहुल गांधी कथित 'वोट चोरी' के खिलाफ रविवार से 'वोटर अधिकार यात्रा' शुरू करेंगे, जिसमें बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और 'इंडिया' गठबंधन के कई नेता शामिल होंगे।

कांग्रेस ने कहा कि निर्वाचन आयोग को भाजपा के 'डबल इंजन' का एक डिब्बा नहीं बनाने दिया जा सकता। इस यात्रा में कुल 1300 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। कांग्रेस के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा, हमारे 'इंडिया' गठबंधन के साथियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मिलकर अपील की, तो सुप्रीम कोर्ट को भी इसमें दखल देना पड़ा। यह षड्यंत्र सिर्फ वोट छीनने का नहीं था। ये आपकी, हमारी पहचान छीनने का षड्यंत्र था। खेड़ा ने दावा किया कि आज दलित, वंचित, पीड़ित, शोषित, अल्पसंख्यक से वोट देने का अधिकार छीना जा रहा है, कल उनकी भागीदारी छीनी जाएगी। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग इस 'डबल इंजन' का एक डब्बा बनकर रह जाए, ये हमें स्वीकार नहीं होगा। हम इसे लेकर संघर्ष कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। कांग्रेस नेता ने कहा कि बिहार के लोगों से हम आग्रह करते हैं कि यह आपके अधिकार और हक की यात्रा है।

कुछ दलों ने त्रुटियों को चिह्नित करने के लिए मतदाता सूचियों की जांच नहीं की : आयोग

नई दिल्ली, एजेंसी

मतदाता आंकड़ों में हेराफेरी के विपक्षी दलों के आरोपों का जवाब देते हुए निर्वाचन आयोग ने शनिवार को कहा कि ऐसा लगता है कि कुछ राजनीतिक दलों ने चुनाव मशीनरी को त्रुटियां बताने के लिए 'उचित समय' पर मतदाता सूची की जांच नहीं की। आयोग ने कहा कि वह अपने अधिकारियों को खामियों को दूर करने में मदद करने के लिए दस्तावेज की जांच का स्वागत करता है।

निर्वाचन आयोग ने कहा कि मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद दावे व आपत्तियां उठाने का समय, पार्टियों के लिए खामियों को चिह्नित करने का उपयुक्त समय है। बयान में कहा गया, ऐसा प्रतीत होता है कि कुछ राजनीतिक दलों और उनके बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) ने उचित समय पर मतदाता सूचियों की जांच नहीं की और यदि कोई त्रुटि थी तो उसे इंगित नहीं किया...।

आयोग ने कहा कि हाल में कुछ राजनीतिक दलों और व्यक्तियों ने मतदाता सूचियों में त्रुटियों के बारे में मुद्दे उठाए थे, जिनमें पूर्व में तैयार की गई मतदाता सूचियां भी शामिल थीं। बयान में कहा गया है कि मतदाता सूची से संबंधित कोई भी मुद्दा उठाने का उपयुक्त समय दावे और आपत्तियां अवधि के दौरान होता। निर्वाचन आयोग ने कहा, सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों के साथ मतदाता सूची साझा करने के पीछे यही उद्देश्य है। अगर ये मुद्दे सही समय पर सही माध्यम से उठाए गए होते, तो संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी को चुनावों से पहले, अगर वे गलतियां वास्तविक होतीं, तो उन्हें सुधारने में मदद मिलती। वह राजनीतिक दलों और किसी भी मतदाता द्वारा मतदाता सूचियों की जांच का स्वागत करता है।

मुंबई में भारी बारिश भूस्खलन से दो मौतें

मुंबई। मुंबई के विक्रोली में भारी बारिश के बीच हुए भूस्खलन से दो लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना विक्रोली पार्कसाइट के वर्षा नगर में देर रात करीब दो बजकर 39 मिनट पर हुई। बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) के अधिकारी ने बताया कि पास की पहाड़ी से मिट्टी और पत्थर झोपड़ी पर गिर गए, जिससे एक ही परिवार के चार लोग घायल हो गए। घायलों को निकाय के राजावाडी अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनमें से दो को मृत घोषित कर दिया। क्षेत्र के अन्य निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया है।

फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' के ट्रेलर को पुलिस ने रोका

कोलकाता, एजेंसी

ट्रेलर लॉन्च के मौके पर निर्देशक विवेक अग्निहोत्री, अभिनेत्री पल्लवी जोशी।

कोलकाता पुलिस ने 1946 के कलकत्ता दंगों पर आधारित विवादास्पद फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' का ट्रेलर शनिवार को जारी किये जाने से रोक दिया। इसके निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने यह दावा किया।

फिल्म का ट्रेलर दोपहर में महानगर के एक पांच सितारा होटल में जारी किया जाना था। कार्यक्रम स्थल पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने इस मुद्दे पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। अग्निहोत्री ने हालांकि आरोप लगाया कि यह लोगों के लोकतांत्रिक अधिकारों पर हमला है, क्योंकि सेंसर बोर्ड ने फिल्म को मंजूरी दे दी थी और कलकत्ता हाईकोर्ट ने इस पर लगे प्रतिबंध पर स्थगन आदेश दे दिया था। 'द बंगाल फाइल्स' 1940 के दशक के दौरान अविभाजित बंगाल में हुई सांप्रदायिक हिंसा पर आधारित है। यह फिल्म पांच सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होनी है।

वर्ल्ड ब्रीफ

मुंबई : दही हांडी बांधते समय गिरने से मौत

मुंबई। महाराष्ट्र में मुंबई के मानखुर्द में शनिवार दोपहर को दही हांडी बांधते समय गिरने से 32 वर्षीय एक 'गोविंदा' की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि मृतक की पहचान जगमोहन शिवकिरण चौधरी के रूप में हुई। वह महाराष्ट्र नगर स्थित अपने घर की पहली मंजिल की खिड़की से रस्सी के सहारे 'दही हांडी' बांधने की कोशिश कर रहा था, इसी दौरान वह गिर गया। दही हांडी में गोविंदा का अर्थ है वे लोग हैं जो पिरामिड बनाकर दही हांडी (ऊंचाई पर लटकी हुई दही और मक्खन से भरी मटकी) को फोड़ने की कोशिश करते हैं। जन्माष्टमी पर पूरे महाराष्ट्र में दही हांडी का उत्सव मनाया जाता है।

विदेश सचिव मिसरी आज से नेपाल दौरे पर

नई दिल्ली। विदेश सचिव विक्रम मिसरी रविवार से नेपाल की दो दिवसीय यात्रा करेंगे। यह दौरा अगले महीने नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की प्रस्तावित भारत यात्रा की तैयारियों के तहत हो रहा है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि मिसरी यह यात्रा अपने नेपाली समकक्ष अमृत बहादुर राय के आमंत्रण पर कर रहे हैं। मंत्रालय ने कहा, भारत और नेपाल के बीच मजबूत और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं जिनमें हाल के वर्षों में सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में ठोस प्रगति हुई है। नेपाल भारत की क्षेत्रीय रणनीतिक प्राथमिकताओं के संदर्भ में अहम देश है और दोनों देशों के नेताओं ने अक्सर रोटी-बेटी जैसे सदियों पुराने रिश्तों का उल्लेख किया है।

रूस में आग लगने से 11 की मौत, 130 घायल

मास्को। पश्चिमी रूस के रियाजान क्षेत्र में एक औद्योगिक कारखाने में आग लगने से 11 लोगों की मौत हो गई और 130 अन्य घायल हो गए। रूस के आपातकालीन स्थिति मंत्रालय ने शनिवार को अपने टेलीग्राम चैनल पर बताया कि मलबा हटाने के दौरान दो और लोगों के शव मिले। इस मामले में ताजा सूचना मिलने तक 11 लोगों की मौत हो गयी और 130 लोग घायल हो गए। मंत्रालय के अनुसार इससे पहले एक व्यक्ति को मलबे से बचाया गया था जिसका पता एयर-मोबाइल समूह ग्रुप ने लगाया था और श्वान इकाइयों ने उसे मलबे से निकालने में मदद की थी।

राष्ट्रपति बनने में कोई दिलचस्पी नहीं: मुनीर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष फील्ड मार्शल आसिम मुनीर ने देश का राष्ट्रपति पद संभालने की अपनी इच्छा की खबरों को खारिज करते हुए कहा है कि ईश्वर ने मुझे इस देश का संरक्षक बनाया है, उन्हें किसी अन्य पद की कोई इच्छा नहीं है। जियो न्यूज़ की एक रिपोर्ट के मुताबिक ब्रुसेल्स में मुनीर ने पाकिस्तान का नेतृत्व संभालने की अपनी इच्छा की अफवाहों को खारिज करते हुए उन्हें पूरी तरह से झूठा बताया। उन्होंने कहा कि ऐसी अफवाहें फैलाने वाले सरकार और सत्ताधारी वर्ग, दोनों के विरोधी हैं।

नीरज घेवान की 'होमबाउंड' को आईएफएफएम का शीर्ष पुरस्कार

मेलबर्न, एजेंसी

फिल्म निर्माता नीरज घेवान की फिल्म 'होमबाउंड' ने 'इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न' (आईएफएफएम) 2025 के पुरस्कार समारोह में अपना दबदबा कायम रखा और सर्वश्रेष्ठ फिल्म और सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार जीता।

ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर अभिनीत फिल्म ने शुक्रवार रात वार्षिक समारोह में यह पुरस्कार हासिल किया, जो वैश्विक मंच पर भारतीय सिनेमा के सर्वश्रेष्ठ कलाकारों को सम्मानित करता है। 'होमबाउंड' अपनेपन, विस्थापन और घर लौटने की भावनात्मक जटिलताओं से भरी कहानी है। बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान को

● अभिषेक सर्वश्रेष्ठ अभिनेता, गीता को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री चुना गया

सिनेमा जगत में दशकों लंबे योगदान के लिए 'एक्सीलेंस इन सिनेमा अवार्ड' दिया गया। अभिषेक बच्चन को फिल्म निर्माता शूजित सरकार की फिल्म 'आई वांट टू टॉक' में उनके अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और गीता कैलासम को 'अंगम्माल' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला। इसे सर्वश्रेष्ठ इंडी फिल्म का पुरस्कार भी दिया गया।

आखिर क्यों नहीं टाला जा सका

भारत का विभाजन क्यों हुआ, एनसीईआरटी के एक विशेष पाठ में इसके लिए मोहम्मद अली जिन्ना, लॉर्ड माउंटबेटन और कांग्रेस को जिम्मेदार बताए जाने के बाद नया विवाद उठ खड़ा हुआ है। वैसे तो इतिहासकारों का इस मुद्दे पर हमेशा से अलग-अलग नजरिया रहा है, राजनीतिक रूप से भी तमाम आरोप-प्रत्यारोप लगते रहे हैं, लेकिन यह संभवतः पहली बार है जब देश के विभाजन के लिए कांग्रेस को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया गया है। इतिहास बताता है कि भारत के विभाजन का बीज 1905 में बोया गया था जो 1940 में औपचारिक मांग बना और 1947 में यह हकीकत बन गया। यह ब्रिटिश नीतियों, मुस्लिम लीग की राजनीति, हिन्दू-मुस्लिम अविश्वास और नेताओं के बीच असहमति का संयुक्त परिणाम था। विभाजन ने सिर्फ भारतीय उपमहाद्वीप को ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की भूराजनीति को नई दिशा दी।

भारत का विभाजन

भारत विभाजन का पहला प्रस्ताव

- वर्ष 1905 में सबसे पहले ब्रिटिश वायसराय लॉर्ड कर्जन ने बंगाल का विभाजन किया जो प्रशासनिक कारणों के नाम पर था, लेकिन असल में हिंदू-मुस्लिम आधार पर विभाजन का बीज यहीं बोया गया।
- वर्ष 1906 में मुस्लिम लीग की स्थापना की गई जिसने धीरे-धीरे अलग मुस्लिम राष्ट्र की धारणा को राजनीति में जगह दी। 1930 में जिन्ना ने पहली बार हिंदू और मुसलमान को दो अलग कौमें बताया।
- वर्ष 1940 में लाहौर अधिवेशन में पहली बार पाकिस्तान के रूप में अलग मुस्लिम राष्ट्र की औपचारिक मांग रखी गई। इसे पाकिस्तान प्रस्ताव कहा जाता है। इसके बाद यह आजादी का मुद्दा बन गया।

भारतीय नेताओं का रुख

- इतिहास में उल्लेख है कि कांग्रेस प्रारंभ में किसी भी विभाजन के खिलाफ थी। गांधीजी और नेहरू मानते थे कि हिंदू-मुस्लिम एकता स्वतंत्रता आंदोलन का आधार है।
- जिन्ना भी हिंदू-मुस्लिम एकता के समर्थक थे, लेकिन 1930 के बाद उनका रुख बदल गया और मुस्लिम लीग के सबसे बड़े नेता बनकर दो-राष्ट्र सिद्धांत पर अडिग हो गए।

ब्रिटिश शासन की भूमिका

- डिवाइड एंड रूल की नीति के तहत ब्रिटिश प्रशासन ने हिंदू-मुस्लिम मतभेदों को जानबूझकर बढ़ावा दिया।
- 1909 में मॉर्ले-मिंटो सुधार के नाम पर अंग्रेजों द्वारा अलग मुस्लिम निर्वाचन मंडल का प्रावधान लाया गया।
- 1935 के भारत शासन अधिनियम में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को हिंदू-मुस्लिम ध्रुवीकरण में बदल दिया गया।

क्यों नहीं रोका जा सका

- 1940 के दशक में बार-बार हिंदू-मुस्लिम दंगे हो रहे थे। इस बीच जिन्ना दावा दोहराते रहे कि मुसलमान आजादी के बाद सुरक्षित नहीं रहेंगे।
- 1946 के कैबिनेट मिशन प्लान को मुस्लिम लीग ने पहले स्वीकार किया लेकिन फिर ठुकरा दिया। इससे बात बनते-बनते फिर बिगड़ गई।
- 16 अगस्त 1946 को कलकत्ता में हुए दंगे में हजारों लोग मारे गए, इस घटना ने देश के विभाजन को लगभग अपरिहार्य बना दिया।

वैश्विक प्रभाव

दक्षिण एशिया दो देशों में बंटा और बाद में 1971 में पाकिस्तान से बांग्लादेश अलग हुआ, इससे इस क्षेत्र में लगातार अस्थिरता रही। शीत युद्ध के दौरान पाकिस्तान ने अमेरिका और पश्चिमी खेमे का साथ दिया, भारत ने गुटनिरपेक्ष नीति अपनाई लेकिन सोवियत संघ के करीब रहा। कश्मीर विवाद अधूरा मुद्दा बन गया। जो आज भी भारत पाकिस्तान के टकराव का कारण है। विश्व के सामने यह उदाहरण बना कि धार्मिक आधार पर विभाजन संभव है जिसने आगे मध्यपूर्व, अफ्रीका आदि की राजनीति को प्रभावित किया।

पुतिन ने यूक्रेन के कई इलाकों पर पूर्ण नियंत्रण की शर्त रखी, वार्ता बेनतीजा

जेलेंस्की के लिए नाटो के द्वार बंद करने, हथियारों की आपूर्ति रोकने की भी मांग

अलास्का/वाशिंगटन, एजेंसी

यूक्रेन और रूस के बीच जारी युद्ध को समाप्त कराने के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच अलास्का में हुई बातचीत बेनतीजा रही। द गार्जियन के मुताबिक, ट्रंप के सामने युद्ध रोकने के लिए पुतिन ने बेबाकी से अपनी शर्तें रखीं। यूक्रेन के डोनेट्स्क और लुहान्स्क क्षेत्र पर पूर्ण नियंत्रण मांगा, साथ ही उसके लिए नाटो के दरवाजे बंद करने और हथियारों की सप्लाई रोकने समेत कई शर्तें रखीं। ट्रंप अब जेलेंस्की और यूरोपीय देशों के नेताओं से बात करेंगे।

दोनों नेताओं के बीच अहम मुद्दों पर सहमति नहीं बन सकी। कहा जा रहा है कि यह शिखर वार्ता पूरे समय मॉस्को के पक्ष में झुकी रही। बैठक के बाद पुतिन ने दावा किया कि यूक्रेन को लेकर सहमति बनी है। साथ ही उन्होंने यूरोप को चेतावनी दी कि वह प्रगति में कोई बाधा नहीं डाले। पुतिन के दावे के बाद ट्रंप ने कहा, जब तक कोई समझौता नहीं होता तब तक कुछ पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता। ट्रंप ने कहा कि वह पुतिन और उनके बीच हुई बातचीत की जानकारी देने के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की तथा यूरोपीय नेताओं को बुलाएंगे। लगभग ढाई घंटे हुई बैठक में किसी ठोस निर्णय तक न पहुंचने के बावजूद ट्रंप ने पुतिन का आभार जताया। कहा, हम संभवतः आपसे फिर बहुत जल्द मिलेंगे। पुतिन ने मुस्कुराते हुए कहा, 'अगली बार मॉस्को में' तो ट्रंप ने कहा, यह बात है।

पुतिन ने कहा है कि अगर कीव सहमत हो जाए तो वह उस मोर्चे पर सैन्य प्रगति रोक देंगे, लेकिन ज़ेलेंस्की ने रूस को कोई भी क्षेत्र देने से साफ इन्कार कर दिया है, जबकि उसके यूरोपीय सहयोगियों ने फिर से पुष्टि की है कि यूक्रेन की सीमाओं को बलपूर्वक नहीं बदला जाना चाहिए।

अलास्का में बैठक में बातचीत के बाद हाथ मिलाते ट्रंप और पुतिन।

कुछ मुद्दे सुलझे, कुछ ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं : ट्रंप

बैठक के बाद ट्रंप ने कहा, हमारी बैठक बेहद फलदायी रही, कई मुद्दों पर सहमति बनी है, कुछ बचे हैं। कुछ उतने महत्वपूर्ण नहीं हैं। एक सबसे महत्वपूर्ण है और इस बात की संभावना है कि हम उसे भी सुलझा लेंगे। एक ओर जहां अमेरिकी राष्ट्रपति समझौता कराने के अपने कौशल का प्रदर्शन करना चाहते थे, वहीं दूसरी ओर पुतिन एक ऐसे समझौते पर बातचीत करना चाहते थे जो रूस के पक्ष में हो, यूक्रेन के नाटो में शामिल होने के प्रयास को रोके और अंततः यूक्रेन को मॉस्को के प्रभाव क्षेत्र में वापस ले आए।

रूस के अपने हित, अच्छी तरह समझते हैं ट्रंप : पुतिन

पुतिन ने कहा कि ट्रंप इस बात को समझते हैं कि रूस के अपने हित हैं। उन्होंने कहा कि रूस और अमेरिका को पुराना अध्याय बंद करना चाहिए और सहयोग के रास्ते पर बढ़ना चाहिए। पुतिन ने ट्रंप की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन्हें यह स्पष्ट हैं कि उन्हें क्या हासिल करना है और वे अपने देश की समृद्धि के बारे में चिंता करते हैं, साथ ही वह यह भी समझते हैं कि रूस के अपने राष्ट्रीय हित हैं। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि आज की सहमति न केवल यूक्रेन की समस्या के समाधान के लिए एक संदर्भ बिंदु बनेगी, बल्कि रूस और अमेरिका के बीच व्यापारिक, व्यावहारिक संबंधों की बहाली की शुरुआत भी करेगी।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा- शांति समझौता सबसे अच्छा तरीका

कीव। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ अलास्का शिखर बैठक के बाद कहा कि यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने का सबसे अच्छा तरीका पहले युद्धविराम करने के बजाय सीधे शांति समझौता करना है। ट्रंप ने शिखर सम्मेलन और यूक्रेन एवं यूरोपीय नेताओं के साथ बातचीत के बाद अपने सोशल मीडिया साइट पर लिखा, सभी ने यह तय किया कि रूस और यूक्रेन के बीच भीषण युद्ध को समाप्त करने का सबसे अच्छा तरीका सीधे शांति समझौता करना है, जिससे युद्ध समाप्त हो जाएगा, न कि केवल युद्धविराम समझौता, जो अक्सर टिक नहीं पाता है।

वाशिंगटन में ट्रंप से मिलेंगे जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने कहा कि वह अगले सप्ताह वाशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की योजना बना रहे हैं। जेलेंस्की ने कहा कि अलास्का में पुतिन और ट्रंप के बीच मुलाकात के बाद शनिवार को उन्होंने ट्रंप के साथ लंबी और सार्थक बातचीत की। उन्होंने सोमवार को वाशिंगटन में व्यक्तिगत रूप से मिलने के निमंत्रण के लिए ट्रंप का आभार व्यक्त किया और कहा कि वे हत्या और युद्ध को समाप्त करने पर चर्चा करेंगे।

जन्मोत्सव

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर शनिवार को पूरे देश में भक्ति का वातावरण नजर आया। पश्चिम बंगाल के शहर नादिया में शनिवार को जन्माष्टमी के अवसर पर भगवान कृष्ण की वेशभूषा में सजे युवा लड़के। एजेंसी

चीन ने पाकिस्तान को तीसरी हंगोर श्रेणी की पनडुब्बी सौंपी

बीजिंग। चीन ने पाकिस्तान को सौंपी जाने वाले आठ नई 'उन्नत' हंगोर-श्रेणी की पनडुब्बियों में से तीसरी पनडुब्बी उसे सौंप दी है।

बीजिंग का यह कदम इस्लामाबाद की नौसैनिक ताकत को उन्नत करके भारत के निकटवर्ती क्षेत्र हिंद महासागर में पाकिस्तान की बढ़ती उपस्थिति को समर्थन देने के प्रयासों का हिस्सा है। चीन के सरकारी समाचार पत्र 'ग्लोबल टाइम्स' ने बताया कि हंगोर श्रेणी की तीसरी पनडुब्बी का जलावतरण बृहस्पतिवार को मध्य चीन के हुबेई प्रांत के वुहान में आयोजित किया गया।

राष्ट्रपति पर समयसीमा लागू करने से पैदा होगी अव्यवस्था

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि राज्य विधानसभा में पारित विधेयकों पर कदम उठाने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति पर निश्चित समयसीमा थोपने का मतलब होगा कि सरकार के एक अंग द्वारा संविधान में उसे प्रदान नहीं की गई शक्तियों का प्रयोग करना, इससे संवैधानिक अव्यवस्था पैदा होगी।

केंद्र ने राष्ट्रपति संदर्भ में दाखिल लिखित दलीलों में यह बात कही है, जिसमें संवैधानिक मुद्दे उठाए गए हैं कि क्या राज्य विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों से निपटने के संबंध में समयसीमा निर्धारित की जा सकती है। केंद्र ने कहा, किसी एक अंग की कथित विफलता, निष्क्रियता या त्रुटि किसी अन्य अंग को ऐसी शक्तियां ग्रहण करने के लिए अधिकृत नहीं करती है और न ही कर सकती है, जो संविधान ने उसे प्रदान नहीं की हैं। यदि किसी अंग को जनहित या संस्थागत असंतोष या संविधान के आदर्शों से प्राप्त औचित्य के आधार पर किसी अन्य अंग के कार्यों को अपने ऊपर लेने की अनुमति दी जाती है, तो इसका परिणाम संवैधानिक अव्यवस्था होगी, जिसकी परिकल्पना इसके निर्माताओं ने नहीं की थी।

● राज्यों के विधेयकों के मामले में केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में रखा पक्ष

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने यह नोट दाखिल किया है। इसमें दलील दी गई है कि उच्चतम न्यायालय के निश्चित समयसीमा लागू करने से संविधान द्वारा स्थापित संवेदनशील संतुलन भंग हो जाएगा और कानून का शासन नकार दिया जाएगा।

हवाई अड्डे पर उतरते समय विमान का पिछला हिस्सा जमीन से टकराया, जांच का आदेश

मुंबई। यहां हवाई अड्डे पर शनिवार को उतरते समय बैंकॉक से मुंबई आए इंडिगो के यात्री विमान का पिछला हिस्सा जमीन से टकरा गया जिसके बाद डीजीसीए ने घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

सूत्रों ने बताया कि 'एयरबस ए 321 नियो' के दोनों पायलट को जांच पूरी होने तक विमान से हटा दिया गया है। इंडिगो के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा, मुंबई में 16 अगस्त को प्रतिकूल मौसम के कारण कम ऊंचाई पर उड़ान भरते समय इंडिगो के एयरबस ए 321 विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकरा गया। एयरलाइन ने कहा, विमान ने दो बार उतरने की कोशिश की और सुरक्षित रूप से उतर गया।

● बैंकॉक से आई इंडिगो की फ्लाइट, जांच पूरी होने तक के लिए दोनों पायलट हटाए गए

पहले प्रयास में नहीं उतर सका विमान, यात्रियों में दहशत

ग्वालियर। ग्वालियर हवाई अड्डे पर शनिवार दोपहर एअर इंडिया के एक विमान के पहले प्रयास में उतरने में विफल होने के बाद उसमें सवार यात्री दहशत में आ गए और उन्होंने अधिकारियों से इसकी शिकायत की। एक अधिकारी ने बताया, यह सामान्य घटना है। दूसरे प्रयास में विमान सुरक्षित उतर गया। विमान में 160 यात्री सवार थे। ग्वालियर हवाई अड्डे के निदेशक ए के गोस्वामी ने बताया, बेंगलुरु से ग्वालियर आने वाला यह बोइंग विमान था।

चीनी विदेश मंत्री वांग यी कल से दो दिवसीय भारत यात्रा पर

नई दिल्ली। चीनी विदेश मंत्री वांग यी सोमवार से दो दिवसीय यात्रा पर भारत आएंगे और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल के साथ सीमा वार्ता करेंगे। विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी।

वांग की यह यात्रा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए निर्धारित चीन यात्रा से कुछ दिन पहले हो रही है। चीनी विदेश मंत्री मुख्य रूप से सीमा मुद्दे पर विशेष प्रतिनिधियों (एसआर) की अगली दौर की वार्ता के लिए भारत आ रहे हैं। वांग और डोभाल सीमा वार्ता के लिए नामित विशेष प्रतिनिधि हैं। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के निमंत्रण पर, चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो के सदस्य और चीनी विदेश मंत्री वांग यी 18 और 19 अगस्त को भारत की यात्रा करेंगे।

कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाएंगे भारत-दक्षिण कोरिया

नई दिल्ली, एजेंसी

● विदेश मंत्री जयशंकर की द. कोरिया के अपने समकक्ष से मुलाकात

भारत और दक्षिण कोरिया ने शनिवार को सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा, रक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाते हुए अपनी रणनीतिक साझेदारी का विस्तार करने का संकल्प लिया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और दक्षिण कोरिया के उनके समकक्ष चो ह्यून के बीच बातचीत में समग्र द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ाने के तरीकों पर प्रमुखता से चर्चा हुई।

विदेश मंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "व्यापार, विनिर्माण, समुद्री और लोगों के आपसी संपर्क के साथ-साथ एआई, सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा और रक्षा में नए अवसरों में हमारे द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने पर सार्थक चर्चा हुई।" जयशंकर ने कहा कि उन्होंने और ह्यून ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र और समकालीन वैश्विक घटनाक्रम पर भी विचार का आदान-प्रदान किया। उन्होंने कहा, विशेष रणनीतिक साझेदारी के 10 वर्ष पूरे होने पर प्रगाढ़ होती

भागीदारी की सराहना की।

बैठक में जयशंकर ने पहलगाम आतंकवादी हमले की निंदा के लिए दक्षिण कोरिया को धन्यवाद दिया। विदेश मंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद दक्षिण कोरिया का दौरा करने वाले भारत के संसदीय प्रतिनिधिमंडल को सियोल द्वारा दिए गए समर्थन का भी उल्लेख किया। जयशंकर ने कहा, आपको (विदेश मंत्री के रूप में) कार्यभार संभाले हुए मुश्किल से एक महीना हुआ है, और यह तथ्य कि आप अपने राष्ट्रीय दिवस और हमारे राष्ट्रीय दिवस के ठीक एक दिन बाद यहां हैं, इस संबंध को हम जो महत्व देते हैं उसके बारे में बहुत कुछ कहता है। पिछले कुछ वर्षों में भारत-दक्षिण कोरिया संबंधों में, विशेषकर व्यापार और रक्षा के क्षेत्रों में तेजी आई है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 17 अगस्त, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-कृष्ण पक्ष, नवमी 19 .24 तक तत्पश्चात दशमी।

आज का पंचांग

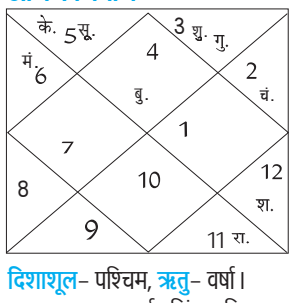

दिशाशूल- पश्चिम, ऋतु- वर्षा। चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, सिंह, वृश्चिक, धनु, मीन।

ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद। नक्षत्र-रोहिणी 03 .17, 18 अगस्त तक तत्पश्चात मृगशिरा।

मेष — आज किसी से बहसबाजी न करें वरना आपको कठिनाई होगी। सहयोगी आपकी हर काम में सहायता करेंगे। आपको अनावश्यक यात्रा करनी पड़ सकती है। कुछ लोग आपसे धन उधार मांग सकते हैं। माता की सेहत का ध्यान रखें।

वृष — आज करियर को लेकर तनाव दूर होगा। पहले की गई मेहनत का अच्छा लाभ मिलेगा। सामाजिक कार्यों में आप भाग लेंगे। परिस्थितियों को लेकर थोड़े परेशान होंगे। गूढ़ विषयों का अध्ययन कर सकते हैं। अपनी गलतियों से सीखने का प्रयास करें।

मिथुन — आज दांपत्य जीवन में कलह हो सकती है। पहले दिया गया उधार आपको मिल सकता है। मन में नकारात्मक विचार जन्म लेंगे। पुराने उधार को चुकाने में मुश्किलें आयेंगी। माता की सेहत का ध्यान रखें। सिर में दर्द और भारीपन हो सकता है।

कर्क — आज नौकरी में बदलाव होने के योग बन रहे हैं। दोस्तों के साथ आप समय बितायेंगे। रुका हुआ धन आपको वापस मिलेगा। आपकी निष्ठा से लोग प्रेरणा लेंगे। कार्यक्षेत्र में काम का दबाव कम होगा। अपनी जीवनशैली में आप सुधार कर सकते हैं।

सिंह — आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। तकनीकी विषयों पर आप अपना ज्ञान बढ़ाने का प्रयास करेंगे। लोग आपकी बातों को ध्यान से सुनेंगे। खोई हुई वस्तु आपको वापस मिल सकती है। परिजनों के साथ धार्मिक कार्यों में सम्मिलित हो सकते हैं।

कन्या — आज कानूनी मामलों के अटकने के योग बन रहे हैं। आय के अवसर कम हो सकते हैं। किसी बड़े प्रकल्प में धन निवेश कर रहे हैं तो सावधानी अवश्य बरतें। छात्र अपने करियर को लेकर परेशान होंगे। बड़े-बुजुर्गों की सेहत का ध्यान रखें। घर की कोई वस्तु खराब हो सकती है।

तुला — आज करियर को लेकर कुछ परेशानी हो सकती है। बिना मांगे किसी को सलाह न दें। सर्दी-जुकाम की शिकायत हो सकती है इसीलिए आपको सावधानी रखनी चाहिए। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। बच्चों को सही मार्गदर्शन देने का प्रयास करें।

वृश्चिक — आज सरकारी नौकरी की चाह रखने वालों को यश प्राप्त होगा। लेखकों और पत्रकारों को सम्मान मिल सकता है। कठोर शब्दों का प्रयोग न करें। मन में उमंग-उत्साह की भावना रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त होंगे। छोटे बच्चों की परवरिश पर ध्यान दें।

धनु — आज आप अत्यधिक शांत मूड में रहेंगे। आर्थिक परेशानियों का हल प्राप्त होगा। परिवार वालों के साथ नाराजगी बढ़ सकती है। विचारशील लोगों के साथ आपकी मित्रता बढ़ेगी। अनुभवी व्यक्तियों की सलाह से आपको कारोबार में लाभ मिलेगा।

मकर — आज सर्दी और एलर्जी के कारण आपको कठिनाई होगी। विरोधी आपके विरुद्ध षड्यंत्र रच सकते हैं। आपके विचारों की सराहना हो सकती है। कारोबार में परेशानी होने के योग बन रहे हैं। कोई महत्वपूर्ण वस्तु गुम हो सकती है। आपका मन परेशान रहेगा।

कुंभ — आज व्यापार में आपको अपनी कार्यशैली में परिवर्तन लाना पड़ सकता है। सोशल मीडिया का प्रयोग सावधानी से करें। बच्चे पढ़ाई में लापरवाही कर सकते हैं। मेहनत का सार्थक परिणाम मिलेगा। जीवनसाथी और बच्चों के साथ समय बितायेंगे।

मीन — आज कार्यक्षेत्र की बाधाएं दूर होंगी। नई नौकरी में आ रही कठिनाई दूर होगी। लघु उद्योगों से जुड़े लोगों के लिए बहुत अच्छा दिन है। काम को लेकर आप व्यवहारिक रहेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए दिन बहुत ही शानदार है। बढ़ते खर्चों को कम करने में सफल होंगे।

सुडोकू-71

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		1		7	6			8
		9	5				1	
	2			1		6		
2		7		8				
		5				1		9
				9		2		7
		3		2			4	
	7				3	5		
6	1		9	5		8		

सुडोकू - 70 का हल

5	2	8	4	9	7	3	1	6
3	4	9	1	6	2	8	5	7
6	7	1	3	5	8	4	2	9
9	1	6	5	7	3	2	8	4
4	8	2	6	1	9	7	3	5
7	3	5	2	8	4	6	9	1
8	9	4	7	3	1	5	6	2
1	5	7	8	2	6	9	4	3
2	6	3	9	4	5	1	7	8

पेट के निचले दाहिने हिस्से में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी करवाई। यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सर्जरी के बाद मैं पहले से ही ठीक हो रहा हूं। वापसी का बेसब्री से इंतज़ार कर रहा हूं।

-सूर्यकुमार यादव

स्टेडियम

बरेली, रविवार, 17 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

युवा मुक्केबाज चीन में पेश करेंगे चुनौती

नई दिल्ली : भारत का 40 खिलाड़ियों सहित 59 सदस्यीय दल चीन के झिंजियांग प्रांत के उरुमकी में 17 से 30 अगस्त तक

चलने वाले तीसरे बेल्ट एवं रोड इंटरनेशनल यूथ गाला मुक्केबाजी प्रशिक्षण शिविर एवं टूर्नामेंट में चुनौती पेश करेगा। भारतीय दल में 20 लड़कों और 20 लड़कियों के अलावा 12 कोच, छह सहायक कर्मचारियों और एक रेफरी शामिल हैं। यह दल चीन पहुंच चुका है। चीन मुक्केबाजी महासंघ और झिंजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र सरकार द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता की शुरुआत 17 से 25 अगस्त तक उरुमकी में एक प्रशिक्षण शिविर से होगी। इसके बाद 26 से 29 अगस्त तक उरुमकी और यिली में प्रतियोगिता चरण आयोजित होंगे।

अमेरिका अंडर-19 विश्व कप में शामिल

दुबई : विकेटकीपर-बल्लेबाज अर्जुन महेश की अगुवाई में अमेरिका की टीम अगले साल जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाले अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप में जगह बनाने वाली 16वीं और अंतिम टीम बन गई। टीम ने जॉर्जिया के राइडल में खेले गए डबल राउंड-रॉबिन क्वालीफायर में कनाडा, बरमूडा और अर्जेंटीना को हराकर एक मैच रहते इस वैश्विक प्रतियोगिता में अपनी जगह पक्की कर ली।

पूर्व क्रिकेटर बॉब सिम्पसन का निधन

सिडनी : ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर, कप्तान और कोच और ऑस्ट्रेलियाई

क्रिकेट की सबसे प्रभावी हस्तियों में से एक बॉब सिम्पसन का 89 वर्ष की उम्र में यहां निधन हो गया। सिम्पसन ने आस्ट्रेलिया के लिए 1957 से 1978 के बीच 62 टेस्ट और दो वनडे खेले थे। उन्होंने 4869 टेस्ट रन बनाए जिसमें दस शतक और 27 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा 71 विकेट भी लिये और 39 टेस्ट में कप्तानी की। सिम्पसन ने 16 वर्ष की उम्र में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में पदार्पण किया था।

बीसीसीआई ने घरेलू क्रिकेट में समान चोट स्थानापन्न नियम लागू किया

नई दिल्ली, एजेंसी

- इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज के दौरान ऋषभ पंत और क्रिस वोक्स की चोट के बाद- उठाया गया कदम

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपनी खेल शर्तों में संशोधन करते हुए आगामी सत्र के लिए बहु-दिवसीय घरेलू टूर्नामेंटों में 'गंभीर चोटों के स्थानापन्न' खिलाड़ी का प्रावधान लागू किया है। यह कदम भारत और इंग्लैंड के बीच हाल में 2-2 से बराबर रही एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी टेस्ट श्रृंखला के दौरान ऋषभ पंत और क्रिस वोक्स के चोटिल होने के बाद- उठाया गया है। राज्य संघों को सूचित किए गए नए नियम में कहा गया है अगर किसी खिलाड़ी को संबंधित मैच के दौरान गंभीर चोट लगती है तो निम्नलिखित परिस्थितियों में स्थानापन्न खिलाड़ी की अनुमति दी जा सकती है। इसमें आगे कहा गया है यह गंभीर चोट खेल के दौरान और अनुच्छेद 1.2.5.2 में वर्णित खेल क्षेत्र के भीतर लगी होनी चाहिए। इसके अनुसार चोट किसी बाहरी झटके के कारण लगी होनी चाहिए और इसके परिणामस्वरूप फ्रैक्चर या गहरा कट या 'डिस्लोकेशन' (खिसकना) आदि हुआ हो। इस चोट के कारण खिलाड़ी बचे मैच के लिए अनुपलब्ध हो जाना चाहिए।

इसमें कहा गया स्थानापन्न खिलाड़ी की पहचान करें जो गंभीर चोट वाले खिलाड़ी के लिए समान प्रतिस्थापन होगा। यह नियम सीनियर और जूनियर घरेलू टूर्नामेंटों के बहु-दिवसीय मुकाबलों में लागू होगा तथा 28 अगस्त से दलीप ट्रॉफी और अंडर-19 सीके नायडू ट्रॉफी में इसकी शुरुआत होगी।

गौतम गंभीर पक्ष में थे तो स्टोक्स विरोध में

- पंत और वोक्स की चोट ने इस बात पर बहस फिर से छेड़ दी कि क्या खिलाड़ियों को गंभीर चोट लगने पर प्रतिस्थापन की अनुमति दी जानी चाहिए। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर इसके पक्ष में थे जबकि इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स इसके पक्ष में नहीं थे।

1.2.8.1: यदि किसी खिलाड़ी को संबंधित मैच के दौरान गंभीर चोट लगती है तो निम्नलिखित परिस्थितियों में गंभीर चोट प्रतिस्थापन की अनुमति दी जा सकती है।

1.2.8.1.1: गंभीर चोट खेल के दौरान और ऊपर अनुच्छेद 1.2.5.2 में वर्णित खेल क्षेत्र के भीतर लगी होनी चाहिए। चोट किसी बाहरी झटके के कारण लगी होनी चाहिए और फ्रैक्चर या गहरा कट या 'डिस्लोकेशन' आदि के कारण हुई होनी चाहिए। चोट के कारण खिलाड़ी बचे हुए मैच में भाग के लिए अनुपलब्ध होना चाहिए।

1.2.8.1.2: गंभीर चोट की सीमा और गंभीर चोट प्रतिस्थापन की अनुमति पर निर्णय लेने का अंतिम अधिकार मैदानी अंपायर का होगा। वे बीसीसीआई मैच रेफरी या मैदान पर उपलब्ध डॉक्टर से परामर्श कर सकते हैं।

नियम

1.2.8.1.3: टीम मैनेजर बीसीसीआई मैच रेफरी को एक फॉर्म पर 'गंभीर चोट प्रतिस्थापन' अनुरोध प्रस्तुत करेगा जो :

1.2.8.1.3.1: उस खिलाड़ी की पहचान करें जिसे गंभीर चोट लगी है।

1.2.8.1.3.2: उस घटना का उल्लेख करें जिसमें गंभीर चोट लगी थी व जिसमें चोट लगने का समय भी शामिल है।

1.2.8.1.3.3: पुष्टि करें कि खिलाड़ी को गंभीर चोट लगी है और वह चोट के कारण मैच में आगे भाग नहीं ले पाएगा।

1.2.8.1.3.4: अनुरोध किए गए खिलाड़ी की पहचान करें जो गंभीर चोट वाले खिलाड़ी का समान होगा।

1.2.8.1.3.5 इन सभी परिस्थितियों में गंभीर चोट प्रतिस्थापन खिलाड़ी को टॉस के समय नामित स्थानापन्नों में से चुने (कर्नल सी.के. नायडू ट्रॉफी के लिए खिलाड़ियों के नामांकन के समय से)।

बस उस स्थिति में जब विकेटकीपर गंभीर रूप से चोटिल हो और उसे प्रतिस्थापन की आवश्यकता हो तब मैच रेफरी नामित प्रतिस्थापनों में से किसी अन्य खिलाड़ी को विकेटकीपर की अनुमति दे सकता है।

1.2.8.2: अगर गंभीर चोट प्रतिस्थापन की अनुमति दी जानी है तो अनुच्छेद 1.2.8.1.3.2 में निर्दिष्ट घटना के बाद 'गंभीर चोट प्रतिस्थापन' अनुरोध जल्द से जल्द बीसीसीआई मैच रेफरी को प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

1.2.8.3: बीसीसीआई मैच रेफरी को सामान्यत: गंभीर चोट प्रतिस्थापन अनुरोध को तभी स्वीकृत करना चाहिए जब प्रतिस्थापन भी समान योग्यता का खिलाड़ी हो जिसके शामिल होने से मैच के बचे भाग में उसकी टीम को अत्यधिक लाभ नहीं होगा।

एशियाई चैंपियनशिप के लिए शीर्ष भारतीय निशानेबाज तैयार

कजाकिस्तान के शिमकेंट में सोमवार से शुरू हो रही है प्रतिस्पर्धा

नई दिल्ली, एजेंसी

- मनु भाकर, सिफत कौर सामरा अर्जुन बबूता और सौरभ चौधरी हैं भारत के स्टार निशानेबाज

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर, सिफत कौर सामरा, अर्जुन बबूता और सौरभ चौधरी सहित शीर्ष निशानेबाज कजाकिस्तान के शिमकेंट में सोमवार से शुरू हो रही एशियाई चैंपियनशिप (राइफल/पिस्टल/शॉटगन) में महाद्वीपीय खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। इस टूर्नामेंट में भारत का 182 सदस्यीय बड़ा दल भाग ले रहा है।

भारत इस टूर्नामेंट में अब तक का सबसे बड़ा दल भेज रहा है, जिसमें सीनियर, जूनियर और युवा श्रेणियों में प्रतियोगिताएं होंगी। विभिन्न श्रेणियों में 58 स्पर्धाओं (46 व्यक्तिगत और 12 मिश्रित टीम) में पदक दांव पर होंगे। पिछले सत्र में चांगवोन में भारत ने कुल 59 पदक (21 स्वर्ण, 22 रजत और 16 कांस्य) जीते थे जिसमें सीनियर स्तर पर 19 पदक शामिल थे। भारत सीनियर स्तर के 19 पदकों में से छह स्वर्ण, आठ रजत और पांच कांस्य पदक हासिल कर वह तीसरे स्थान पर रहा। इस सूची में चीन 14 स्वर्ण (कुल 33 पदक) के साथ शीर्ष पर रहा और उसके बाद नौ स्वर्ण (कुल 24 पदक) के साथ मेजबान दक्षिण कोरिया रहा।

भारतीय निशानेबाज। एजेंसी (फाइल फोटो)

भारत का एकमात्र व्यक्तिगत स्वर्ण पदक 50 मीटर राइफल थ्री-पोजीशन स्पर्धा में ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने जीता था। इसके अलावा सभी स्वर्ण पदक टीम और मिश्रित टीम स्पर्धाओं में मिले थे। पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और मिश्रित टीम में कांस्य पदक जीतकर शानदार सफलता हासिल करने वाली मनु इस महाद्वीपीय टूर्नामेंट के पिछले सत्र में 25 मीटर पिस्टल में टीम रजत के साथ वापसी के बाद स्वर्ण पदक जीतने के लिए उत्सुक होंगी। भारत के पास पूर्व विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष पाटिल और ओलंपिक निशानेबात अर्जुन बबूता जैसे दो अनुभवी 10 मीटर एयर राइफल निशानेबाज और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता 10 मीटर एयर पिस्टल निशानेबाज सौरभ चौधरी भी हैं, जो वापसी की राह पर हैं।

182 सदस्यीय सबसे बड़ा दल भारत का भाग ले रहा है इस टूर्नामेंट में

ओलंपियन अनीश भानवाला 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल में मोर्चा संभालेंगे जबकि मनु 10 मीटर एयर पिस्टल और 25 मीटर पिस्टल में पदक के लिए मुकाबला करेंगी। चीन, कोरियाई और मेजबान कजाकिस्तान से भारत को चुनौती मिलेगी। कजाकिस्तान के 111 निशानेबाजों के बाद भारत के बाद दूसरा सबसे बड़ा दल मैदान में उतार रहा है जबकि कोरिया (70), चीन (41), ईरान (29), चीनी ताइपे (24) और वियतनाम (20) ने भी मजबूत टीमें उतारी हैं।

एशिया कप चयन से पहले सूर्यकुमार फिटनेस टेस्ट में पास

नई दिल्ली : भारत की एशिया कप टीम चुनने के लिए अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति की बैठक से पहले टी20 अंतर्राष्ट्रीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है।

सूर्यकुमार आखिरी बार आईपीएल में खेले थे और प्लेयर ऑफ द सीरीज चुने गए। इस आक्रामक बल्लेबाज ने जून में जर्मनी के म्यूनिख में पेट के निचले दाहिने हिस्से में 'स्पोर्ट्स हर्निया' की सर्जरी करवाई थी। बीसीसीआई के एक सूत्र ने पीटीआई को बतायासर्जरी के बाद वापसी (रिटर्न टू प्ले-आरटीपी) से पहले फिटनेस टेस्ट अनिवार्य है। सूर्यकुमार ने फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है।

फिटनेस हासिल करने के बाद यह स्टाइलिश बल्लेबाज अब मंगलवार को मुंबई में चयन समिति की बैठक में शामिल होगा।

एशिया कप नौ से 28 सितंबर तक यूएई में खेला जाएगा जिसमें भारत अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को मेजबान टीम के खिलाफ करेगा जबकि चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबला 14 सितंबर को दुबई में होगा।

टी-20 सीरीज जीतने के बाद ट्रॉफी के साथ जश्न मनाते ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी। एजेंसी

मैक्सवेल के अर्धशतक से ऑस्ट्रेलिया ने जीती सीरीज

केर्न्स (ऑस्ट्रेलिया), एजेंसी

- तीसरे टी-20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को दो विकेट से हराया

ऑस्ट्रेलिया ने ग्लेन मैक्सवेल के अर्धशतक की बदौलत शनिवार को अंतिम टी20 में दक्षिण अफ्रीका को दो विकेट से हराकर श्रृंखला 2-1 से अपने नाम कर ली। अंतिम दो गेंद पर चार रन की दरकार थी और मैक्सवेल ने लुंगी एनगिडी की गेंद पर रिवर्स स्वीप किया जिससे ऑस्ट्रेलिया ने आठ विकेट पर 173 रन बनाकर जीत दर्ज की। मैक्सवेल 36 गेंद में 62 रन बनाकर नाबाद रहे और दक्षिण अफ्रीका को ऑस्ट्रेलिया में अपनी पहली टी20 श्रृंखला जीतने से रोक दिया।

इससे पहले युवा टी20 बल्लेबाज डेवल्ड ब्रेविस ने 26 गेंद में 53 रन बनाए थे जिसमें आरोन हार्डी के एक ओवर में चार छक्के शामिल थे। लेकिन इसके बाद ऑस्ट्रेलिया ने वापसी क को सात विकेट पर 172 रन पर रोक दिया।

कप्तान मिशेल मार्श (54) और ट्रेविस हेड (19) ने ऑस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत दिलाई। टीम का आठ ओवर में स्कोर एक विकेट पर 66 रन था। लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने चार ओवर में चार विकेट लेकर वापसी की। आखिरी दो ओवरों में 12 रन की जरूरत थी। बॉश ने लगातार गेंदों पर ड्वारशुइस और नाथन एलिस के विकेट झटक लिए जिसके बाद मैक्सवेल ने दो चौके लगाकर मैच अपने नाम कर लिया।

लिवरपूल का प्रीमियर लीग में जीत से आगाज

लिवरपूल, एजेंसी

गत चैंपियन लिवरपूल ने जज्बात से भरे मुकाबले में बूर्नमाउथ को 4-2 से हराकर प्रीमियर लीग फुटबॉल में जीत के साथ आगाज करके डियोगो जोटा को श्रृद्धांजलि दी जबकि इस मैच में एक खिलाड़ी नस्लीय टिप्पणी का भी शिकार हुआ।

दो गोल की बढत गंवाने के बाद लिवरपूल के लिये 88वें मिनटमें फेडरिको चिएसा और स्टॉपेज टाइम में मोहम्मद सालाह ने गोल दागे। इससे पहले हुगो एकिटिके और कोडी गाकपो ने लिवरपूल को 2-0 से बढ़त दिलाई थी। मैच 28वें मिनट में कुछ देर के लिए रुका जब बूर्नमाउथ के फॉरवर्ड अंतोइने सेमेन्यो ने रैफरी एंथोनी टेलर से शिकायत की कि एक दर्शक ने उन पर नस्लीय टिप्पणी की है।

घाना के 25 वर्ष के सेमेन्यो को उनके साथी खिलाड़ियों ने ढांढस बंधाया। सेमेन्यो ने 64वें और 76वें मिनट में गोल करके लिवरपूल की बढ़त उतार दी थी। पिछले पांच साल में लिवरपूल के लोकप्रिय खिलाड़ियों में शुमार जोटा और उनके भाई आंद्रे सिल्वा की तीन जुलाई को हादसे में मौत हो गई थी।

प्रीमियर लीग फुटबॉल में जीत के बाद जश्न मनाते लिवरपूल के खिलाड़ी। एजेंसी

बड़ी पारी खेलने का सबक सीखा

बेंगलुरु, एजेंसी

- इंग्लैंड में खराब प्रदर्शन करने वाले करुण नायर कर रहे हैं मंथन

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के दौरान लगातार अच्छी शुरुआत को बड़ी पारी में बदलने में विफल रहना करुण नायर के लिए निराशाजनक रहा। घरेलू क्रिकेट का यह स्टार बल्लेबाज राष्ट्रीय टीम के लिए अपने अगले मौके को बड़े स्कोर में तब्दील करने के लिए प्रतिबद्ध है। घरेलू क्रिकेट में रनों का अंबार लगाकर लगभग आठ साल बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी करने वाले नायर ने एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी की आठ पारियों में 25.62 के औसत से 205 रन बनाए। उन्होंने इस दौरान इकलौता अर्धशतक (57 रन) द ओवल मैदान में जड़ा।

करुण नायर। एजेंसी

नायर ने इस अर्धशतकीय पारी के अलावा 40, 31, 26 और 21 के स्कोर के साथ अच्छी शुरुआत की, लेकिन वे इन पारियों को बड़े स्कोर में बदलने में नाकाम रहे। इंग्लैंड के खिलाफ बड़ा स्कोर बनाने में विफल रहने के बारे में पूछे जाने पर नायर ने 'पीटीआई' से कहा ऐसा कुछ (अच्छी शुरुआत के बाद विकेट गंवाना) नहीं था। ऐसा नहीं था कि मैं कुछ साबित करने की कोशिश कर रहा था। कभी-कभी ऐसा होता है कि आपको ज्यादातर मैचों में अच्छी शुरुआत मिलती है और फिर आप किसी तरह से आउट हो जाते हैं। शीर्ष क्रम का यह बल्लेबाज हालांकि सुधार के लिए दृढ़ संकल्प है। उन्होंने कहा मैं पूरी श्रृंखला में बहुत अच्छी बल्लेबाजी कर रहा था और ज्यादातर मैचों में मुझे अच्छी शुरुआत मिल रही थी।

मौजूदा गतिरोध खत्म नहीं हुआ तो लीग के पूरी तरह से बंद होने की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी

- आईएसएल क्लबों ने एआईएफएफ को चेताया

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के 11 क्लबों ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को चेतावनी दी है कि अगर इस शीर्ष-स्तरीय घरेलू प्रतियोगिता के भविष्य को लेकर चल रहे गतिरोध का जल्द ही हल नहीं किया गया तो क्लबों के पूरी तरह से बंद होने का वास्तविक संकट बना रहेगा। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे को लिखे एक पत्र में क्लबों ने कहा कि राष्ट्रीय महासंघ और आईएसएल के आयोजक एफएसडीएल के बीच 'मास्टर राइट्स एग्रीमेंट' का नवीनीकरण नहीं होने के कारण उत्पन्न हुए संकट ने भारत में पेशेवर फुटबॉल को पंगु बना दिया है।

क्लबों ने शुक्रवार को भेजे गए पत्र में कहा पिछले 11 वर्षों में निरंतर निवेश और लगातार प्रयास के माध्यम से क्लबों ने युवा विकास प्रणालियां, प्रशिक्षण अवसंरचना, सामुदायिक पहुंच कार्यक्रम और पेशेवर टीमें बनाई हैं। इन टीमों ने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत की फुटबॉल साख को बढ़ाया है। उन्होंने कहा यह प्रगति अब पतन की ओर बढ़ने लगी है।

मौजूदा परिस्थितियों ने तत्काल और गंभीर परिणाम उत्पन्न किए हैं। मौजूदा समय में संचालन निलंबित होने और लीग की निरंतरता पर कोई निश्चितता नहीं होने के कारण कई क्लबों को पूरी तरह से बंद होने की वास्तविक संभावना का सामना करना पड़ रहा है। एफएसडीएल ने एमआरए पर हस्ताक्षर नहीं होने का हवाला देते हुए 2025-26 सत्र को 11 जुलाई को अनिश्चितकाल के लिए रोकने की घोषणा की थी जिसके बाद मौजूदा स्थिति उत्पन्न हुई है।

इन क्लबों ने किए हैं हस्ताक्षर

इस पत्र पर बेंगलुरु एफसी, हैदराबाद एफसी, ओडिशा एफसी, चेन्नइयिन एफसी, जमशेदपुर एफसी, एफसी गोवा, केरल ब्लास्टर्स एफसी, पंजाब एफसी, नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी, मुंबई सिटी एफसी और मोहम्मडन स्पोर्टिंग के हस्ताक्षर हैं। क्लब मोहन बागान सुपर जायंट और ईस्ट बंगाल ने हस्ताक्षर नहीं किए।

शिलांग डूरंड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा

शिलांग : शिलांग लाजोंग एफसी ने एक गोल से पिछड़ने के बाद बावजूद डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में शनिवार को यहां भारतीय नौसेना को 2-1 से हराकर लगातार दूसरे साल सेमीफाइनल में जगह बनाई।

शिलांग लाजोंग एफसी के सामने 19 अगस्त को खेले जाने वाले अंतिम चार मैच में गत चैंपियन नॉर्थईस्ट यूनाइटेड की चुनौती होगी। पिछले साल भी इन्हीं दोनों टीमों के बीच सेमीफाइनल मुकाबला खेला गया था। विजय मरांडी ने पहले हाफ में भारतीय नौसेना को बढ़त दिलाई थी, लेकिन दूसरे हाफ में दामाइटफांग लिंगदोह और एवरब्राइटसन सना मायलिएमपाड ने गोल कर घरेलू टीम को जीत दिला दी।

चौंकाने वाला फैसला

हाल में संन्यास से वापसी की है करिश्माई स्ट्राइकर सुनील छेत्री ने

नेशंस कप की संभावित सूची में छेत्री नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

करिश्माई स्ट्राइकर सुनील छेत्री को ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान में होने वाले आगामी सीएएफए नेशंस कप के लिए भारतीय फुटबॉल टीम के नवनियुक्त मुख्य कोच खालिद जमील द्वारा घोषित 35 संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल नहीं किया गया है।

ऐसी संभावना नहीं है कि अंतर्राष्ट्रीय संन्यास से वापसी के बाद खेले गए चार मैचों में उनके खराब प्रदर्शन के आधार पर उन्हें टीम से बाहर किया गया हो। हालांकि यह भी पता नहीं चला है कि क्या छेत्री ने खुद इस महीने के अंत में होने वाले टूर्नामेंट के लिए खुद के नाम पर विचार नहीं करने का अनुरोध किया था या फिर उन्हें आराम दिया गया था। क्योंकि उनकी इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) टीम बेंगलुरु एफसी ने अभी तक सत्र पूर्व ट्रेनिंग शुरू नहीं की है। आईएसएल के भविष्य को लेकर अनिश्चितता के कारण बेंगलुरु एफसी ने हाल में अपनी पहली टीम के खिलाड़ियों और स्टाफ का वेतन रोक दिया था जिनमें छेत्री भी शामिल हैं। हालांकि जमील की संभावित खिलाड़ियों की सूची में बेंगलुरु एफसी के अन्य खिलाड़ी जैसे गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू, डिफेंडर चिंगलेनसाना सिंह, राहुल भेके, रोशन सिंह नाओरेम और मिडफील्डर सुरेश सिंह शामिल हैं।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ के अधिकारी का कहना है कि यह सवाल मुख्य कोच से पूछा जाना चाहिए। छेत्री (41 वर्ष) ने पिछले साल जून में कुवैत के खिलाफ खेलने के बाद अंतर्राष्ट्रीय मुकाबलों से संन्यास ले लिया था।

भारत के मुकाबले

सीएएफए नेशंस कप के ग्रुप बी में शामिल भारत का सामना 29 अगस्त को सह-मेजबान ताजिकिस्तान, एक सितंबर को ईरान और चार सितंबर को अफगानिस्तान से होगा। तीसरे स्थान का मैच और फाइनल आठ सितंबर को खेले जाएंगे।

पूर्व कोच के अनुरोध पर लौटे थे खेल में

- पूर्व भारतीय मुख्य कोच मनोलो मार्केज के अनुरोध पर एशियाई कप क्वालीफायर के तीसरे दौर में टीम की मदद करने के लिए इस साल मार्च में मालदीव के खिलाफ मैच में राष्ट्रीय टीम में वापसी की। छेत्री ने तब से चार मैच खेले हैं और मालदीव पर टीम की 3-0 की जीत में एक बार गोल किया है। खिलाड़ी शनिवार से बेंगलुरु में ट्रेनिंग शुरू करेंगे और अब तक 22 खिलाड़ी शिविर में रिपोर्ट कर चुके हैं। 13 अन्य खिलाड़ियों के अपने क्लबों के साथ डूरंड कप के कार्यक्रम पूरे करने के बाद शिविर में आने की उम्मीद है।